हिन्दी दैनिक

जन-जन की वाणी...

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं रांची से प्रकाशित

Page 11

खेल

लारा ने कहा, विराट टेस्ट से सन्यास ना लें, टेस्ट क्रिकेट को उनकी जरूरत आगे

Page 10

देश

पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर सकते, हमें सतर्क रहना चाहिए : सैयद नसरूद्दीन चिश्ती

शुक्ल पक्ष, विशाखा, विक्रम संवत् 2082

• औरंगाबाद • सोमवार • 12 मई 2025 • वर्ष 27 • अंक 150 • पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 98,680	₹ 99,000

आज का इतिहास

1949 : विजयलक्ष्मी पंडित स्वतंत्र भारत की पहली विदेशी महिला राजदूत बनीं।

2008 : चीन के सिचुआन में भूकंप से 69000 से अधिक लोगों की मौत।

न्यूज बाइट्स

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के अंतर्गत राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता शुरु

भागलपुर (नि.सं.)। बिहार राज्य खेल प्राधिकरण एवं जिला प्रशासन के तत्वावधान में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के अंतर्गत यहां आयोजित राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता आज से शुरु हो गयी है। भागलपुर के सैंडिस मैदान स्थित इंडोर स्टेडियम में आयोजित चार दिवसीय इस प्रतियोगिता का उद्घाटन जिलाधिकारी डॉ. नवल किशोर चौधरी एवं वरीय पुलिस अधीक्षक हृदयकांत ने संयुक्त रुप से किया और सभी खिलाड़ियों से हाथ मिलाकर परिचय लिया।

पटना में पथों का निर्माण कार्य तेजी से करें पूर्ण : मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना (नि.सं.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अधिकारियों को पटना जिले में बन रही सड़कों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण कराने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को तय समय सीमा में निर्माण कार्य पूरा करने का दिया निर्देश

सड़कों और मेट्रो परियोजना का सीएम ने लिया जायजा

निज संवाददाता | पटना

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पटना की सड़कों और मेट्रो परियोजना का निरीक्षण करने निकले। इस दौरान उन्होंने कई विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान मंत्री विजय कुमार चौधरी, पटना डीएम सहित कई अधिकारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने वहां मौजूद अधिकारियों को तय समय सीमा में निर्माण कार्य को पूरा करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार रविवार को पटना के विभिन्न पथों का निरीक्षण किया। दानापुर के हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक के पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य का जायजा लिया एवं शिवाला आर०ओ०बी० का निरीक्षण किया। साथ ही सगुना मोड़ के पास चल रहे पटना मेट्रो रेल के निर्माण कार्य का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान निर्मित पथों का मेंटनेंस करने तथा निर्माणाधीन पथों का निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करने का निर्देश दिया। इससे लोगों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को राजधानी पटना के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर सड़कों के निर्माण और पटना मेट्रो रेल परियोजना की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी निर्माण कार्य समय सीमा के भीतर पूरे किए जाएं, साथ ही पहले से बनी सड़कों के नियमित रखरखाव पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री का निरीक्षण सबसे पहले हाथीखाना मोड़ से चांदमारी तक बन रही सड़क पर केंद्रित रहा। इस सड़क का चौड़ीकरण और मजबूतीकरण कार्य चल रहा है। यह मार्ग तुरहा टोली, खिरनीचक, डीपीएस स्कूल होते हुए चांदमारी तक जाता है और आगे उसरी-छितनावां पथ से जुड़ता है। इस सड़क के तैयार होने के बाद नौबतपुर, जहानाबाद और आरा की ओर जाने वाले लोगों को एक वैकल्पिक मार्ग मिलेगा, जिससे इन इलाकों में यातायात का दबाव कम होगा और आवागमन भी सुगम होगा।

सगुना मोड़ पर मेट्रो रेल परियोजना की समीक्षा

इसके बाद मुख्यमंत्री सगुना मोड़ पहुंचे, जहां उन्होंने पटना मेट्रो रेल परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजना की विस्तृत जानकारी ली और यह सुनिश्चित करने को कहा कि कार्य में कोई अनावश्यक देरी न हो।

सीएम आज देंगे बड़ी सौगात, 6938 पथों के निर्माण का करेंगे कार्यारंभ

निज संवाददाता | पटना

राजधानी के संकल्प भवन में आज आयोजित किए जा रहे एक समारोह में ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन का कार्यारंभ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कर-कमलों द्वारा किया जाएगा। इसके तहत 6,938 पथों (जिनकी लंबाईः 12,105 किमी और कुल लागत 8,716 करोड़ है) सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन किया जाएगा। दरअसल, मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क उन्नयन योजना के तहत ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम को एक नए अवयव के रूप में प्रारंभ किया गया है। जिसका उद्देश्य ग्रामीण सड़कों के नियमित एवं व्यवस्थित पुनर्निर्माण/ उन्नयन/ नवीनीकरण को सुनिश्चित करना है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में इस कार्यक्रम के अंतर्गत पंचवर्षीय अनुरक्षण अवधि से बाहर हुए कुल 14,087 पथों (लंबाईः 24,482 किमी) के सुदृढ़ीकरण हेतु 21,733 करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम के तहत उन सभी ग्रामीण पथों को आगामी सात वर्षों तक मानक अनुरूप सेवा स्तर पर बनाए रखने की व्यवस्था की गई है, जो अपनी पंचवर्षीय अनुरक्षण/त्रुटि निवारण अवधि पूर्ण कर चुके हैं। इस अवधि के भीतर इन पथों के पर दो बार कालीकरण (री-सर्फेसिंग) कार्य कराया जाएगा। योजना के क्रियान्वयन के दौरान यदि सड़क में कोई तकनीकी त्रुटि पाई जाती है, तो उसका समाधान तय समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाएगा। इसका उद्देश्य है कि ग्रामीणों को हमेशा एक मजबूत, सुरक्षित और आरामदायक सड़क सुविधा सतत् मिलती रहे। इस कार्यक्रम से न केवल गांवों और शहरों के बीच की दूरी घटेगी, बल्कि राज्य की सामाजिक संरचना को नया आयाम और आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी।

अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी होगा : प्रधानमंत्री

एजेंसी | नई दिल्ली

पहलगाम आतंकवादी हमले का भारत ने पाकिस्तान और पोक में स्थित आतंकवादी ठिकानों को तबाह कर ले लिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद दोनों देशों के बीच युद्ध जैसी स्थिति बन गई थी। पाकिस्तान के सीजफायर, मिसाइल और ड्रोन हमले का भारत ने मुंहतोड़ जवाब दिया। सैन्य टकराव से उपजे हालात के बाद दोनों देशों में सीजफायर पर सहमति बन गई है। इस बीच न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट में बड़ा खुलासा हुआ है, जिसमें पीएम मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से बातचीत में कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है, तो जवाब और भी विनाशकारी होगा। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस से बातचीत में कहा था कि अगर पाकिस्तान कुछ करता है तो जवाब और भी विनाशकारी और कड़ा होगा। उसी रात पाकिस्तान ने 26 ठिकानों पर हमला किया और भारत ने इसका बहुत जोरदार जवाब दिया। पाकिस्ता में कई आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया गया। इमरान खान से पहले पाकिस्तान में जुल्फिकार अली भुट्टो को दी गई थी जेल में यातना, फिर फांसी पीएम मोदी ने कहा कि कश्मीर पर हमारी स्थिति बहुत स्पष्ट है, अब केवल एक ही मुद्दा बचा है- पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस करना। इसके अलावा और कोई बात नहीं है। अगर वे आतंकवादियों को सौंपने की बात करते हैं, तो हम बात कर सकते हैं। मेरा किसी और विषय पर कोई इरादा नहीं है। हम नहीं चाहते कि कोई मध्यस्थता करे। हमें किसी की मध्यस्थता की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्पष्ट निर्देश दिया कि 'वहां से गोली चलेगी, यहां से गोला चलेगा'। पीएम ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर खत्म नहीं हुआ है। अगर वे गोली चलाएंगे तो हम गोली चलाएंगे और अगर वे हमला करेंगे तो हम हमला करेंगे। पीएम मोदी ने कहा था आतंकवादियों को मिट्टी में मिला देंगे।

राज्य में 2685 पीडीएस दुकानें कार्यरत नहीं, लाइसेंस होंगे जारी

निज सांवदाता | पटना

राज्य के विभिन्न जिलों में 2685 जन वितरण प्रणाली (पीडीएस) की दुकानें अलग-अलग कारणों से कार्यरत नहीं हैं। वहीं, 4044 पीडीएस दुकानें रिक्त हैं। खाद्य उपभोक्ता संरक्षण विभाग ने सभी जिलों को निर्देश दिया है कि विज्ञापन जारी कर नियमानुसार पीडीएस दुकानों का लाइसेंस जारी करें। ताकि पीडीएस की रिक्त दुकानें बहाल हों और उपभोक्ताओं को सुगमता से समीप में खाद्यान की प्राप्ति हो। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य में 53 हजार 953 पीडीएस दुकानों को लाइसेंस है। इनमें 2685 विभिन्न कारणों से कार्यरत नहीं हैं। विभागीय पदाधिकारी बताते हैं कि लाइसेंस के निलंबन, लाइसेंसधारी के निधन आदि कारणों से पीडीएस दुकानें संचालित नहीं हैं। यहां के उपभोक्ताओं को अन्य पीडएस दुकानों के माध्यम से खाद्यान उपलब्ध कराये जा रहे हैं। राज्य में अभी 51 हजार 268 पीडीएस दुकानें कार्यरत हैं। रिक्त पड़ी पीडीएस दुकानों को बहाल करने के लिए विभाग के स्तर पर नियमित रूप से मॉनिटरिंग भी की जा रही है।

खेतों की नमी बरकरार रखने की तकनीक को मिलेगा बढ़ावा

पटना(नि.सं.)। खेतों की नमी बरकरार रखने के लिए मल्च तकनीक को बढ़ावा दिया जाएगा। राज्य के सभी जिलों के किसान इसका लाभ उठा सकते हैं। इससे जल खपत में कमी, खरपतवार नियंत्रण में मदद मिलेगी। फसल की गुणवत्ता में भी सुधार होगा। उपमुख्यमंत्री सह कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसानों की आय वृद्धि, जल संरक्षण और फसल उत्पादकता में सुधार के लिए कृषि तकनीकों को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसी क्रम में प्लास्टिक, जूट, एग्रो टेक्सटाइल मल्च के उपयोग को सभी जिलों में लागू करने की योजना है। इस योजना के तहत प्लास्टिक मल्च को अपनाने के लिए किसानों को 40 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की एकमुश्त इकाई लागत पर 50 फीसदी सहायता दी जाएगी।

गांव की सड़कें जून से पहले हो जाएं गड्ढामुक्त : मंत्री अशोक चौधरी

निज संवाददाता | पटना

बिहार में ग्रामीण कार्य विभाग बरसात के पहले गांव की सड़कों को गड्ढामुक्त करने में जुट गया है। विभागीय मंत्री अशोक चौधरी ने कहा है कि जून से पहले राज्य की सभी ग्रामीण सड़कों को गड्ढा मुक्त किया जाना अनिवार्य है ताकि मानसून के दौरान आवागमन में किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने सड़क निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर विशेष बल देते हुए स्पष्ट किया कि लापरवाही या समय सीमा का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संवेदकों के भुगतान को और अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाने पर भी मंत्री ने जोर दिया।

अधिवेशन भवन में ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के तहत आयोजित संवाद सत्र में मंत्री ने कहा कि विभागीय नियमों के अनुसार ही सड़कों का निर्माण किया जाए। ग्रामीण कार्य विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा और सभी कार्य समय पर पूरे हों, यह सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने सभी जिलों में अधिकारियों और संवेदकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों को प्रभावी ढंग से संपन्न करने का आह्वान किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 14087 पथ, जिनकी कुल लंबाई 24482 किमी है, की स्वीकृति प्रदान की गई है। इनमें से 6374 पथों पर कार्य आवंटित कर दिया गया है। अभियंता प्रमुख-सह-अपर आयुक्त भगवत राम ने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण सड़क सुदृढ़ीकरण एवं प्रबंधन कार्यक्रम के तहत उन सभी ग्रामीण पथों को आगामी सात वर्षों तक मानक अनुरूप सेवा स्तर पर बनाए रखने की व्यवस्था की गई है, जो अपनी पंचवर्षीय अनुरक्षण/त्रुटि निवारण अवधि पूर्ण कर चुके हैं। इस अवधि के भीतर इन पथों के कालीकृत हिस्सों पर दो बार कालीकरण (री-सर्फेसिंग) करना है।

सीएम ने बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों दी शुभकामनायें

पटना (नि.सं.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर प्रदेश एवं देशवासियों को अपनी हार्दिक बधाई एवं शुभकामनायें दी हैं। मुख्यमंत्री ने अपने शुभकामना संदेष में कहा है कि भगवान बुद्ध का जीवन हर किसी के लिये प्रेरणादायी है। उनके जीवन दर्षन से हमें प्रेम, शांति, सद्भाव, त्याग, अहिंसा एवं संयम जैसे गुणों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। उनका जीवन हम सभी के लिए आदर्ष है। भगवान बुद्ध के बताये हुये अष्टांगिक मार्ग पर चलकर मनुष्य सम्यक और संतुलित जीवन यापन करने में सक्षम हो सकता है। मुख्यमंत्री ने कामना की है कि भगवान बुद्ध की शिक्षा को आत्मसात कर हम आपसी प्रेम और सद्भाव की भावना और मजबूत करें।

बिहार के पूर्व परिवहन मंत्री रामानंद प्रसाद सिंह ने 85 वर्ष की आयु में ली अंतिम सांस

निज संवाददाता | पटना

बिहार के पूर्व परिवहन मंत्री और परबत्ता विधानसभा क्षेत्र के दिग्गज नेता रामानंद प्रसाद सिंह उर्फ आरएन सिंह का 10 मई 2025 को पटना के मेदांता अस्पताल में 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। लंबी बीमारी के बाद उनका इलाज चल रहा था, लेकिन वह बच नहीं सके। उनके निधन से परबत्ता और बिहार की राजनीति में शोक की लहर छा गई है। रामानंद प्रसाद सिंह ने ढाई दशकों तक परबत्ता को अपनी कर्मभूमि बनाया और क्षेत्र के विकास में अहम योगदान दिया था। ामानंद प्रसाद सिंह का जन्म खगड़िया जिले के नयागांव में स्वर्गीय आरोग्य सिंह के घर हुआ था। उन्होंने 1967 में लंदन की लीड्स यूनिवर्सिटी से बी.टेक की डिग्री हासिल की और बिहार राज्य विद्युत बोर्ड में सुपरिटेंडिंग इंजीनियर के रूप में सेवा दी। 1995 में नौकरी छोड़कर उन्होंने राजनीति में कदम रखा और परबत्ता विधानसभा क्षेत्र से अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 8 बार चुनाव लड़ा, जिसमें 5 बार जीत हासिल की। जबकि उनकी हार 1995, 2000 और 2010 में हुई। 2008 में नीतीश कुमार की सरकार में उन्हें परिवहन मंत्री बनाया गया था, जहां उन्होंने उल्लेखनीय कार्य किए थे। परबत्ता, खगड़िया की जनता उन्हें "विकास पुरुष" के रूप में याद करेगी। रामानंद प्रसाद सिंह ने अपने राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए 2020 में अपने पुत्र डॉ. संजीव कुमार को जेडीयू टिकट पर परबत्ता से विधायक बनवाया। उनके दूसरे पुत्र राजीव कुमार वर्तमान में एमएलसी हैं। रामानंद प्रसाद सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और अन्य नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

सीबीएसई 10वीं एवं 12वीं का रिजल्ट जल्द करेगा जारी

नई दिल्ली (ए.)। सीबीएसई बोर्ड से सेकेंडरी एवं सीनियर सेकेंडरी एग्जाम में भाग लेने वाले 42 लाख से अधिक स्टूडेंट्स के साथ ही उनके माता-पिता को रिजल्ट जारी होने का बेसब्री से इंतजार है जो खत्म होने वाला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) दोनों ही कक्षाओं का परिणाम इस सप्ताह में किसी भी दिन जारी कर सकता है। आपको बता दें कि बोर्ड की ओर से पहले सीबीएसई 10वीं का परिणाम एवं उसके बाद सीबीएसई 12वीं की घोषणा की जाएगी। परिणाम जारी होने के बाद अगर कोई छात्र एक या दो विषयों में फेल हो जाता है तो उन्हें परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे स्टूडेंट्स परिणाम जारी होने के बाद कम्पार्टमेंट एग्जाम में भाग लेकर इसी साल परीक्षा पास कर सकेंगे और अपना साल खराब होने से बचा सकेंगे।

बिहार के किसानों के लिए खुशखबरी

13 से 15 जून तक मानसून के बिहार पहुंचने की उम्मीद

निज सांवददाता | पटना

बिहार के किसानों और आम जनता के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वानुमान जारी किया है कि इस वर्ष दक्षिण-पश्चिम मानसून सामान्य से चार दिन पहले, यानी 27 मई 2025 को केरल में दस्तक दे सकता है। यह 2009 के बाद पहला मौका होगा जब मानसून भारतीय मुख्य भूमि पर इतनी जल्दी पहुंचेगा। केरल में मानसून के जल्द आगमन की संभावना के साथ ही, बिहार में भी इसके 13 से 15 जून के बीच प्रवेश करने की उम्मीद है, जो पिछले साल की तुलना में पूरे पांच दिन पहले है।

बिहार में मानसून का सामान्य प्रवेश समय 13 से 15 जून के बीच माना जाता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में इसकी गति और वर्षा की मात्रा में उतार-चढ़ाव देखने को मिला हैः 2024ः मानसून 20 जून को पहुंचा, जो पांच दिन की देरी थी, और सामान्य से 20% कम (1272.5 मिमी के मुकाबले) बारिश हुई। 2023ः मानसून 12 जून को एक दिन पहले पहुंचा, लेकिन बारिश में 23% की कमी दर्ज की गई।2020-2022ः मानसून ने 13 जून को प्रवेश किया, लेकिन 2021 के बाद सामान्य से अधिक वर्षा नहीं हुई।इस बार मानसून के समय से पहले आने की संभावना ने बिहार के किसानों के बीच अच्छी बारिश की उम्मीद जगा दी है। हालांकि, मौसम विभाग ने सतर्कता बरतते हुए यह भी कहा है कि मानसून की वास्तविक स्थिति और बारिश की मात्रा विभिन्न मौसमी कारकों पर निर्भर करेगी। यदि मौसमी चक्र (जैसे एल नीनो या ला नीना) अनुकूल रहे, तो सामान्य से अधिक बारिश की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

इंडिया गठबंधन के संवाद कार्यक्रम पर सीपीआई की बैठक में चर्चा

गया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी गया जिला परिषद की बैठक शनिवार को जिला कार्यालय कॉ. मणिभूषण भवन में कॉमरेड मो. यहिया की अध्यक्षता में प्रारंभ हुई। सर्वप्रथम भारत- पाकिस्तान युद्ध में शहीद हुए सैनिकों और निर्दोष नागरिकों की हत्या पर दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई। भाकपा के जिला मंत्री कॉ. सीता राम शर्मा ने कहा कि पाकिस्तान कायरतापूर्ण हरकत से बाज आए, हम इनके हरकतों की निंदा करते है। कहा कि शाखा, अंचलों का सम्मेलन जून तक करें और पार्टी के संगठन को मजबूत करने की अपील पार्टी कार्यकर्ताओं से की गई। उन्होंने कहा कि 18 मई को इंडिया गठबंधन के संवाद कार्यक्रम में अंचल कमेटी और जिला नेतृत्व के साथी भाग लेंगे। साथ ही 20 मई को आयोजित किसान, मजदूरों के आम हड़ताल को भी सफल बनाने की अपील की गई। बैठक मे राज कुमार शर्मा मुखिया, दयानंद वर्मा, अमृत प्रसाद, रविंद्र सिंह, बालेश्वर पासवान, सीता प्रसाद यादव मुखिया, रामबली मांझी, भोला मांझी, राम जगन गिरी, ऑल इंडिया युथ फेडरेशन के जिला अध्यक्ष संजीत सिंह, रामशीष यादव, रोहित कुमार, निशांत कुमार, डॉ. राम बालक जमादार, सतेंद्र सुमन आदि लोग उपस्थित थे।

छात्रों को अच्छे प्रदर्शन के लिए करना चाहिए प्रेरित

मानपुर। मानपुर जगजीवन कॉलेज के मनोविज्ञान पीजी सेंटर में दिव्यांग पुनर्वास विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. डॉ. सत्येन्द्र प्रजापति ने की। संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. अनुरानी ने किया। सहायक प्राध्यापक डॉ. राजीव रंजन ने मानसिक मंदता के विभिन्न आयामों और वर्तमान स्थिति पर विस्तार से जानकारी दी। एमए मनोविज्ञान के छात्र-छात्राओं ने दिव्यांगता के प्रकार, कारण, लक्षण, निवारण, शिक्षण, प्रशिक्षण और पुनर्वास पर पत्र-प्रस्तुति दी। मानसिक मंदता पर रोहित कुमार, अजीत कुमार और शालिनी शर्मा ने प्रस्तुति दी। दृष्टिहीनता और विशिष्ट अधिगम अक्षमता पर अन्नपूर्णा कुमारी ने व्याख्यान दिया। सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति के लिए प्रथम पुरस्कार अजीत कुमार को, द्वितीय रोहित कुमार को और तृतीय शालिनी शर्मा को मिला। प्राचार्य प्रो. डॉ. सत्येन्द्र प्रजापति ने विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि कॉलेज में इस तरह की संगोष्ठी जरूरी है।

महाबोधि मंदिर मुक्ति आंदोलन हुआ स्थगित

बोधगया। महाबोधि मंदिर मुक्ति आंदोलन स्थगित हो गया है। आकाश लामा ने इसकी जानकारी देते हुए कहा कि देश की स्थिति ठीक नहीं है। इसलिए आंदोलन को स्थगित किया जा रहा है। यह आंदोलन बीटीएमसी एक्ट में संशोधन करने और मंदिर बौद्धों को सौंपने की मांग को लेकर पिछले 87 दिनों से चल रहा था। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को डीएम से भी बातचीत हुई थी, जिसमें उन्होंने देश के वर्तमान हालात को देखते हुए इसे स्थगित करने को कहा था। स्थिति ठीक होने पर आंदोलन फिर से शुरू होगा।

सरकार व सेना के साथ खड़ा है पूरा देश

गया। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश सचिव पंकज कुमार सिंह ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि पाकिस्तान में आतंकवादियों, उनके ठिकानों और सहायक तंत्र के खिलाफ चल रही सैन्य कार्रवाई देश की सुरक्षा के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय संकट की इस घड़ी में पूरा देश तन, मन और धन से सरकार और सेना के साथ खड़ा है। पंकज सिंह ने पाकिस्तानी सेना द्वारा भारतीय सीमा पर धार्मिक स्थलों और नागरिक इलाकों पर किए गए हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने इन हमलों में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना जताई।

नालंदा में पेड़ से लटका मिला युवक का शव, ससुराल से घर लौट रहा था, घरेलू विवाद में खुदकुशी की आशंका

नालंदा। नालंदा में पेड़ से लटका हुआ युवक का शव मिला है। घरेलू विवाद खुदकुशी की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना राजगीर थाना क्षेत्र के चमरडीहा गांव की है। मृतक की पहचान बेन इलाके के करजारा गांव निवासी राकेश राम(32) के तौर पर हुई है। परिजनों ने बताया कि पूजा कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ससुराल गया था। वहां पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। आशंका है कि इसी विवाद में वहां से लौटते समय रास्ते में फांसी लगाकर जान दे दी। वहीं, राजगीर थानाध्यक्ष रमेश कुमार ने बताया कि चौकीदार शिव कुमार से शव मिलने की सूचना मिली थी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंच गई थी। शव को पेड़ से नीचे उतारा गया। पॉकेट से मिले पैन कार्ड और मोबाइल से युवक की पहचान हुई। अभी तक परिजनों की ओर से आवेदन नहीं मिला है। घरेलू विवाद की बात सामने आ रही है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भगवान बुद्ध के करूणा व सहिष्णुता से होगा प्रकृति का संरक्षण

बोधगया। बुद्ध जयंती की पूर्व संध्या पर दैनिक भास्कर से बात करते हुए बोधगया मंदिर प्रबंधकारिणी समिति के वरीय भिक्षु डॉ मनोज ने उक्त बातें कही। उन्होंने कहा, पर्यावरण संरक्षण एक ज्वलंत समस्या है, जिस पर पूरा विश्व चिंतित है। अगर हम भगवान बुद्ध के सिद्धांतों को अपनाएंगे, तब इस समस्या का समाधान संभव है। भगवान बुद्ध ने हमें अपने संदेश में हमें न सिर्फ प्राकृतिक संरक्षण की शिक्षा दी है बल्कि सामाजिक पर्यावरण की भी। अपनाएं मध्यम मार्ग बौद्ध, एक धर्म नहीं है बल्कि जीवन जीने की शैली है। बौद्ध व पर्यावरण एक दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरण हमारे चारों ओर मौजूद तत्व है। इसे हम अपनी सहुलियत के लिए लिथोस्फीयर, बायोस्फीयर जैसे अंगों में बांटा है। पर्यावरण का हम उपभोग करें। अगर अधिक दोहन करेगें, तब समृद्धि आएगी। कम दोहन से समृद्धि नहीं आएगी, विकास में पिछड़ जाएंगें। प्रकृति का दोहन जरूरी है, लेकिन अगर हम भगवान बुद्ध के मध्यम मार्ग का अनुसरण करेंगे, तब प्रकृति का संरक्षण भी होगा और ग्लोबल वार्मिंग के संकट खत्म हो जाएंगे। स्व को पहचानें अगर हम खुद को पहचानने लगेंगे, तब खुद ब खुद प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक होंगें। उन्होंने कहा कि हमें केवल भौतिक पर्यावरण के बचाव को नहीं सोचना है, बल्कि स्वास्थ्य के बारे में सजगता दिखानी होगी। हम खुद के बारे में सोचेंगें, तब स्वार्थ खत्म होगा। पर्यावरण का क्षरण स्वार्थ के कारण होता है। सर्वे भवंतु सुखिना स्व से ही शुरू होता है। हमें सभी के प्रति अहिंसा की नीति अपनानी होगी।

इनरव्हील ने महिलाओं को किया सम्मानित

गया। इनर व्हील क्लब ने शनिवार को मदर्स डे पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन पीपी आशा मित्तल के निवास पर किया। इस बीच क्लब ने उन महिलाओं को सम्मानित किया जो अपने घर के साथ दूसरों के घरों में भी मां की तरह ध्यान रखती हैं। क्लब की ओर से इन महिलाओं को साड़ी, गमछा, सत्तू और फल दिए गए। नेतृत्व अध्यक्ष मुक्ता अग्रवाल ने की। मौके पर पीपी आशा मित्तल, पीपी और चार्टर प्रेजिडेंट शिखा रानी, पीपी रीना प्रसाद, पीपी प्रभा देवी, उपाध्यक्ष सीमा भदानी, अनिता अग्रवाल, माधवी, सुनीता सेठ, एडिटर प्रीति कुमारी आदि मौजूद थीं।

बहन की शादी से पहले भाई की मौत, तेज रफ्तार हाइवा ने कुचला

निज संवाददाता। गया

गया में बहन की शादी से पहले भाई की सड़क हादसे में मौत हो गई। दोस्त के साथ बाइक से नानी के घर से सामान लेकर आ रहा था। इस दौरान तेज रफ्तार हाइवा ने रौंद दिया। दुल्हन के भाई रंजित यादव(20) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि 2 युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। रंजीत के पिता नहीं हैं। पिछले साल बीमारी से मौत हो गई थी। घटना टनकुप्पा थाना क्षेत्र के फतेहपुर मुख्य मार्ग की है।

पहिए के नीचे आने से मौतः परिजनों ने बताया कि शनिवार को रंजित के बहन की शादी थी। बारात आने से पहले शाम को अपने 2 दोस्तों के साथ नानी के घर कुछ सामान लाने गया था। वहां से लौटते

समय हाइवा ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि रंजीत गाड़ी के पहिए में फंस गया। 500 मीटर तक घसीटता चला गया। जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मौत की खबर सुनते ही परिजनों के बीच कोहराम मच गया। मां और बहनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरोपी ड्राइवर की तलाश जारीः हादसे के बाद ड्राइवर गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। मामले की

दोस्तों के साथ बाइक से सामान लाने गया था

सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार ने बताया को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। फरार ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

नालंदा में आज मुफ्त में मिलेगी हेल्थ सुविधा

निज संवाददाता। नालंदा

भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की जिला शाखा नालंदा की ओर से आज मुफ्त में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह साप्ताहिक स्वास्थ्य शिविर बिहार शरीफ स्थित भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी भवन में सुबह 7:30 से 9 बजे तक संचालित होगा। इस स्वास्थ्य शिविर में विभिन्न विशेषज्ञ डॉक्टर अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर में डॉ. श्याम बिहारी (शिशु रोग विशेषज्ञ), डॉ. सुमित राज (हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ), डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार और डॉ. इंद्रजीत कुमार (सभी फिजिशियन) सहित कई अनुभवी डॉक्टर मौजूद रहेंगे। साथ ही, डॉ. देवेंद्र प्रसाद (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. दीपा भारती, डॉ. उदय देव रंजन (दंत रोग विशेषज्ञ), डॉ. मोहम्मद शहजाद आलम (फिजियोथैरेपिस्ट) और डॉ. गौतम कुमार (होम्योपैथिक चिकित्सक) भी जांच और परामर्श देंगे। बता दें कि होम्योपैथिक डॉक्टर की सुविधा भी रहेगी। जिससे ऑप्शनल चिकित्सा पद्धति को पसंद करने वाले नागरिकों को भी फायदा मिलेगा। शिविर में मधुमेह (शुगर) की जांच भी निशुल्क की जाएगी। भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के जिला सचिव ने बताया कि हमारा उद्देश्य समाज के सभी वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है। इस साप्ताहिक शिविर के माध्यम से हम नियमित स्वास्थ्य जांच के महत्व को बढ़ावा दे रहे हैं।

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का रेशम उत्पादन है उत्तम स्रोत

निज संवाददाता। बोधगया

मगध विश्वविद्यालय के जंतु विज्ञान विभाग के सभागार में एक विशेष व्याख्यान का आयोजन हुआ। मुख्य व्यक्ता यूपी कॉलेज वाराणसी की प्रो सुनंदा दुबे थीं। इस विशेष व्याख्यान का विषय सेरीकल्चर पोटेंशियल फॉर सस्टेनेबल ग्रोथ एंड एम्प्लॉयमेंट था। समारोह का उद्घाटन जंतु विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष एवं बायोटेक्नोलॉजी के निदेशक प्रो दिलीप कुमार केशरी, मुख्य वक्ता प्रो सुनंदा दुबे , प्रो एसएनपी दीन एवं प्रो सुनील कुमार सिंह ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलन कर किया। प्रो केशरी ने विषय वस्तु का परिचय देते हुए बताया कि रेशम उत्पादन ग्रामीण महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने का उत्तम स्रोत है। इसमें तकनीकी नवाचारों का उपयोग कर उत्पादकता एवं गुणवत्ता में सुधार

किया जा सकता है। मुख्य वक्ता प्रो दुबे ने बताया कि रेशम उत्पादन सतत विकास एवं रोजगार सृजन की संभावनाओं का एक महत्वपूर्ण साधन सिद्ध हो सकता है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बहुत मजबूती मिलेगी। रेशम के कीड़ों के भोजन के लिए, शहतूत के पेड़ों की खेती पर्यावरण संरक्षण में मदद करत है। इस समारोह में जंतु विज्ञान विभाग की डॉ आदिति, पूनम सिंह, आभा कुमारी एवं बायोटेक्नोलॉजी विभाग के डॉ लव कुश तरुण, डॉ सरफराज अली तथा डॉ वीरेंद्र कुमार के अतिरिक्त बड़ी संख्या में छात्र उपस्थित थे।

नालंदा में छत से गिरा 12 साल का बच्चा, अस्पताल में इलाज के दौरान मौत, खेलते समय हुआ हादसा

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में शनिवार को 12 साल का बच्चा छत से नीचे गिर गया। आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान गरीबन राउत के पुत्र गौरव कुमार के तौर पर हुई है। घटना बेन थाना क्षेत्र बड़ीआंट गांव की है। परिजनों ने बताया कि गौरव शाम के समय छत पर खेल रहा था। अचानक नीचे गिर गया। गंभीर हालत में बिहार शरीफ के एक प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने काफी कोशिश की, लेकिन जान नहीं बच सकी।

जांच में जुटी पुलिसः बेन थानाध्यक्ष रवि कुमार ने बताया कि मौत की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का पता चलेगा। परिजन छत से गिरने की बात बोल रहे हैं। अभी तक आवेदन नहीं मिला है। आवेदन के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

गांव में गला दबाकर हत्या की चर्चाः वहीं,

गांव में इस बात की चर्चा है कि छत पर गौरव अपने चचेरे भाई के साथ खेल रहा था। इस दौरान मोबाइल को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। बात इतनी बढ़ गई कि चचेरे भाई ने उसका गला दबा। हलांकि इस बात की पुष्टि कोई नहीं कर रहा है। परिजन भी चुप्पी साधे हुए हैं।

अखिल भारतीय भिक्षु संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद भंते ने की प्रेस वार्ता

निज संवाददाता। बोधगया

शनिवार को बोधगया के एक निजी होटल में प्रेस वार्ता हुई। अखिल भारतीय बोधगया मुक्ति आंदोलन के प्रेसिडेंट और अखिल भारतीय भिक्षु संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष आनंद भंते ने कहा कि वे किसी भी आंदोलन के विरोधी नहीं हैं। महाबोधि मंदिर की लड़ाई कोई भी लड़ सकता है। लेकिन पहले यह समझना जरूरी है कि बुद्ध गया प्रबंधन एक्ट को खत्म क्यों किया जाना चाहिए। इसकी व्यवस्था में क्या खामियां हैं।

आंदोलन करने वालों को यह जानकारी होनी चाहिए कि खुदाई के समय मंदिर कितने क्षेत्र में निकला था। उसके शिखर पर कितनी मूर्तियां थीं। चारों ओर कितने स्तूप थे। यह एक्ट क्यों बना और इसका कारण क्या था। उन्होंने कहा कि पहले यह मंदिर किसके हाथ में था, यह जानना जरूरी है। आज कहा जा रहा है कि एक्ट को खत्म कर पूरा प्रबंधन बौद्धों को दिया जाए। क्या ऐसा करने से

विवाद नहीं बढ़ेगा। अगर आज बौद्धों की बात मान ली जाए तो कल हिंदू नहीं भड़केंगे।

आज कुछ बौद्ध कह रहे हैं कि हिंदुओं को भगाना है, ब्राह्मणवाद से मुक्त करना है। आनंद भंते ने सवाल किया कि कौन ब्राह्मण महाबोधि मंदिर के ऊपर बैठा है। क्या उसने मंदिर को अपने हाथों से पकड़ रखा है या रस्सी से बांध रखा है। मंदिर को किससे मुक्त कराना है। मैनेजमेंट कमेटी को बिहार सरकार नियुक्त करती है। यह कमेटी तीन साल के लिए बनती है। इसमें बौद्ध और हिंदू दोनों होते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 14 अक्टूबर 1956 को बौद्ध धर्म स्वीकार किया। जबकि बीटी एक्ट 1949 में बना। 1956 से पहले अंबेडकर बौद्ध नहीं थे। जब उन्होंने संविधान बनाया, तब अल्पसंख्यक आयोग में सिख, जैन, बौद्ध और हिंदू—चारों को हिंदू माना गया।

अब जो लोग कह रहे हैं कि कानून रद्द कर इसे बौद्धों को दो, तो सवाल उठता है कि क्या वे बौद्ध हैं। अगर नहीं हैं तो हिंदू, हिंदू से मांग रहा है। आयोग में स्पष्ट है कि ये चारों ही हिंदू हैं। ऐसे में यह कहना कि बौद्धों को सौंप दो, तो कौन से बौद्ध को दिया जाए। ट्रेडिशनल बौद्ध, नए बने बौद्ध या अरुणाचल, मिजोरम, त्रिपुरा के बौद्ध। उन्होंने कहा कि यह सरकार और आंदोलन करने वालों का मामला है।

वे यह नहीं कहेंगे कि सरकार क्यों नहीं सुन रही। आंदोलन करना सबका अधिकार है। लेकिन जब आंदोलन में फूट पड़ जाए, एक-दूसरे पर पैसे को लेकर आरोप लगने लगें, अलग-अलग एकाउंट वायरल होने लगें, तो सवाल उठता है कि यह आंदोलन एक्ट खत्म करने के लिए है या धन संग्रह और प्रचार के लिए। उन्होंने कहा कि आंदोलन में बैठे लोग ही इसका सही जवाब दे सकते हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि सिर्फ बौद्ध मंदिर ही नहीं, पूरे बोधगया के विकास के लिए सरकार बौद्धों को सौंप दे तो सरकार को राहत मिलेगी।

नालंदा में मारपीट में घायल बुजुर्ग की मौत

निज संवाददाता। नालंदा

नालंदा में मारपीट में घायल शख्स की इलाज के दौरान मौत हो गई। चचेरी भाभी और भाई से गाली देने को लेकर विवाद हुआ था। डंडे से सिर फोड़ दिया था। मृतक की पहचान अरुण गोप(45) के तौर पर हुई है। घटना थरथरी थाना क्षेत्र के कौशल्य विगहा गांव की है। परिजनों ने बताया कि शनिवार अरुण गोप मटन लेकर आए थे। अपनी भाभी से जल्द बनाने को कहा। इस पर भाभी ने कहा कि थोड़ी देर बाद बना दूंगी। अरूण ने मजाक में गाली दे दिया। पास में ही खड़ी चचेरे भाई की पत्नी को लगा कि उसे गाली दिया है। इस बात को लेकर झगड़ा करने लगी। इतने में जगदीप गोप वहां पहुंचा और डंडे से सिर पर वार कर दिया। सिर में चोट लगने से गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसकी मौत हो गई।

5 लोगों के खिलाफ हत्या का केसः थरथरी थानाध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा ने बताया कि मृतका की भाभी ने गोतिया के 5 लोगों को नामजद करते हुए FIR दर्ज कराई है। मौत कैसे हुई है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। फिलहाल पुलिस अपने स्तर से छानबीन कर रही है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025, महाराष्ट्र की काव्या ने टेबल टेनिस में जीते दो गोल्ड मेडल

निज संवाददाता। नालंदा

भारतीय टेबल टेनिस के क्षितिज पर एक नया सितारा चमक रहा है। महाराष्ट्र की 15 वर्षीय काव्या भट्ट ने अपने खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में पदार्पण के दौरान दो स्वर्ण पदक जीता है। अंडर-18 महिला एकल और युगल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतने वाली काव्या ने इस खेल में बंगाल के लंबे समय से चले आ रहे वर्चस्व को चुनौती देते हुए अपनी श्रेष्ठता साबित की है। राजगीर इंडोर कॉम्प्लेक्स में आयोजित अंडर-18 टेबल टेनिस के महिला एकल के फाइनल मुकाबले में काव्या ने तमिलनाडु की हंसिनी माथन राजन को 4-1 के अंतर से पराजित किया। इससे पहले उन्होंने अपनी साथी दिव्यांशी भौमिक के साथ मिलकर युगल स्पर्धा में बंगाल की मजबूत जोड़ी अविशा कर्माकर और शुभांकृता दत्ता को 4-0 से हराकर पहला स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। काव्या ने कहा कि मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की है और डबल्स में स्वर्ण जीतने के बाद से ही मेरा हौसला बढ़ गया था। मुझे उम्मीद थी कि एकल का मुकाबला भी मैं ही जीतूंगी।

छोटी उम्र से बड़ी उपलब्धियांः अकोला, महाराष्ट्र में जन्मी काव्या ने मात्र 7 वर्ष की आयु में टेबल टेनिस खेलना शुरू किया था। पिछले आठ वर्षों में उन्होंने अपने कठिन परिश्रम और समर्पण से 13 अंतरराष्ट्रीय और 15 राष्ट्रीय पदक अपने नाम किए हैं, जो उनकी असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। काव्या ने बताया की मैं पिछले दो वर्षों से रमन टेबल टेनिस हाई परफॉर्मेंस सेंटर में प्रशिक्षण ले रही हूं। यहां मेरी तकनीक और खेल में काफी सुधार हुआ है। खेलो इंडिया एथलीट होने के कारण मुझे जो स्कॉलरशिप मिलती है, वह मेरे लिए बहुत मददगार साबित हुई है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शनः मार्च 2025 में चेक गणराज्य में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर में उन्होंने अंडर-17 लड़कियों के एकल वर्ग में रजत पदक जीता था। इससे पहले सितंबर 2024 में सऊदी अरब में आयोजित

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में अंडर-15 एकल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक अपने नाम किए थे। जॉर्डन में आयोजित डब्ल्यूटीटी यूथ कंटेंडर में अंडर-19 मिश्रित युगल में स्वर्ण और अंडर-17 एकल में कांस्य पदक जीतने के अलावा, काव्या ने श्रीलंका में आयोजित दक्षिण एशियाई युवा चैंपियनशिप में भारतीय टीम के लिए टीम इवेंट और लड़कियों के युगल में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। वे बताती हैं कि जीत में मेरे परिवार, कोच महेंद्र चिपलूंकर और हेड कोच रमन सुब्रमण्यम का बहुत बड़ा योगदान है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के दौरान आज ओडिशा के युवा वेटलिफ्टर हर्षवर्धन साहू ने इतिहास रच दिया। राजगीर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित प्रतियोगिता में साहू ने न केवल स्वर्ण पदक जीता, बल्कि 49 किलोग्राम वर्ग में दो नए राष्ट्रीय यूथ रिकॉर्ड भी स्थापित किए। हर्षवर्धन ने क्लीन एंड जर्क में 115 किलोग्राम और कुल भार में 203 किलोग्राम वजन उठाकर झारखंड के बाबूलाल हेंब्रम द्वारा पिछले वर्ष फिजी के सुवा में आयोजित विश्व यूथ चैंपियनशिप में बनाए गए रिकॉर्ड (स्नैच 88 किग्रा + क्लीन एंड जर्क 114 किग्रा) को पीछे छोड़ दिया। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (SAI) के एनआईएस पटियाला में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले हर्षवर्धन हाल ही में पेरू के लीमा में हुई विश्व यूथ चैंपियनशिप से कांस्य पदक जीतकर लौटे थे। वहां उन्होंने कुल 197 किग्रा (87 + 110 किग्रा) भार उठाया था। राजगीर में अपनी प्रतिस्पर्धा के दौरान हर्षवर्धन ने स्नैच में 82 किग्रा से शुरुआत की और बाद में 85 किग्रा तथा 88 किग्रा भार सफलतापूर्वक उठाया। क्लीन एंड जर्क में उन्होंने पहले ही प्रयास में 108 किग्रा वजन उठाया, जो उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी झारखंड के निकलेश लकड़ा से 8 किलोग्राम अधिक था। इसके बाद उन्होंने क्रमशः 112 किग्रा और 115 किग्रा उठाकर नया राष्ट्रीय यूथ रिकॉर्ड बनाया।

बोले- पेरू यूथ चैंपियनशिप से लौटने के बाद प्रैक्टिस का भी समय नहीं मिलाः हर्षवर्धन ने कहा की मैं बहुत खुश हूं कि मैंने यहां अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और रिकॉर्ड बनाया। पेरू में विश्व यूथ चैंपियनशिप से लौटने के बाद ज्यादा ट्रेनिंग का समय नहीं मिला, लेकिन मेरा पूरा ध्यान इस प्रतियोगिता पर था। मुझे भारत सरकार और SAI से अच्छा समर्थन मिला है। मैं एनआईएस पटियाला में कोच अलकेश सर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण लेता हूं और उन्हीं की बदौलत यहां तक पहुंचा हूं। हर्षवर्धन ने वर्ष 2019 में पहली बार जिम में वेटलिफ्टिंग शुरू की थी और इतने कम समय में वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं।

ओडिशा की एक और युवा वेटलिफ्टर ज्योशना साबर ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 40 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। हाल ही में पेरू में आयोजित विश्व यूथ चैंपियनशिप में कांस्य पदक विजेता रहीं ज्योशना ने कुल 122 किलोग्राम (स्नैच 55 + क्लीन एंड जर्क 67 किलोग्राम) भार उठाया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

जयंती पर याद किए गए महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज

गोड्डा (नि.सं.)। स्थानीय महर्षि मेंहीं ट्रस्ट सभागार में रविवार को 20 वीं सदी के महान संत महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज की 141 वीं जयंती मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित प्रभातफेरी, स्तुति प्रार्थना, ग्रंथ पाठ, भजन-कीर्तन, ध्यानाभ्यास व सत्संग प्रवचन में दर्जनों साधकों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन सत्संग प्रचारक सह ट्रस्ट के अध्यक्ष ओमप्रकाश मंडल कर रहे थे। सत्संग के दौरान स्वामी शंभू शरण बाबा ने महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महर्षि मेंही ने 1933-34 में भागलपुर के कुप्पाघाट में साधना के माध्यम से आत्म ज्ञान प्राप्त किया। अशोकानंद बाबा ने कहा कि महर्षि मेंहीं परमहंस जी महाराज ने सभी संतों की बडाई करते हुए कहा कि सब संतन की बड़ी बलिहारी..। उनकी रचना में सभी संतों व महात्माओं की वाणियों का मेल रहता था। इसके अलावा जगदीश पंजियारा, रामजीवन मंडल, रामकुंड रामदास, रामानंद गुप्त, शिवनारायण पंडित, अरविंद यादव, श्रवण मांझी, सिंहेश्वर पंजियारा, रामजी प्रसाद साहा, अरुण पंडित, गणेश मंडल, आदि ने उद्गार व्यक्त किए। इसके पूर्व प्रातः काल में गाजे-बाजे के साथ प्रभातफेरी निकाली गई। महर्षि मेंहीं ट्रस्ट परिसर में नये भोजनालय का उद्घाटन ट्रस्ट के अध्यक्ष ने किया। इसके अलावा महर्ष मेंहीं गोशाला सहित शहर के विभिन्न जगहों सहित जिले के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सत्संग मंदिरों में महर्षि मेंहीं जयंती पर विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए।

11वां ग्रीष्मकालीन आवासीय नेटबॉल प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

गोड्डा (नि.सं.)। जिले के ऐतिहासिक गांधी मैदान में शनिवार को जिला नेटबॉल संघ द्वारा 11वां ग्रीष्मकालीन आवासीय प्रशिक्षण शिविर का भव्य आयोजन किया गया। इस मौके पर आयोजित शिविर का शुभारंभ गोड्डा अनुमंडल पदाधिकारी, वैद्यनाथ उरांव, जिला खेल पदाधिकारी डॉ० प्राण महतो एवं भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष सौरभ सुमन द्वारा किया गया। वहीं आयोजित शिविर का उद्घाटन अतिथियों द्वारा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर एवं नेट में गेंद डालकर किया गया। इस अवसर पर एसडीओ श्री उरांव ने कहा कि नेटबॉल खेल ने कम समय में उल्लेखनीय ऊँचाइयाँ हासिल की हैं। उन्होंने यह भी कहा कि यह खेल केवल खेल तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक समरसता और सहयोग की भावना को भी बढ़ावा देता है। जिला खेल पदाधिकारी डॉ० प्राण महतो ने कहा कि विगत वर्षों में नेटबॉल खिलाड़ियों की मेहनत और प्रतिभा के फलस्वरूप 36 खिलाड़ियों को सरकार द्वारा छात्रवृत्ति दी गई है, जो इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस शिविर को सफल बनाने में राष्ट्रीय खिलाड़ी मोनालिसा कुमारी का विशेष योगदान बताया गया, जो सुदूर क्षेत्रों में जाकर नेटबॉल को बढ़ावा देने और पिछड़े वर्ग के युवाओं को आगे लाने के लिए सतत प्रयासरत हैं। वहीं बताया गया कि उक्त शिविर का आयोजन 10 मई से 20 मई तक किया जाएगा जिसमें गोड्डा जिले के सभी 9 प्रखंडों से लगभग 300 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इस मौके पर नेटबॉल संघ जिला सचिव गुंजन कुमार झा नेटबॉल संघ उपाध्यक्ष बैद्यनाथ देहरी, कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र प्रसाद महतो, साकेत कुमार सिंह, निधि सिंह, नीरज कुमार, कृष्णा कुमारी, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार समेत कई गणमान्य एवं खेल प्रेमी उपस्थित थे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच

गोपीकांदर (नि.सं.)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीकांदर में शुक्रवार को 105 गर्भवती महिलाओं की एएनसी (प्रसव पूर्व जांच) किया गया। प्रखंड चिकित्सक प्रभारी डॉ विश्वनाथ मांडी ने बताया कि गर्भवती महिलाओं के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में प्रत्येक माह 9 तारिख को प्रसव पूर्व जांच हेतु शिविर लगाई जाती है। शिविर में महिलाओं की ब्लड प्रेशर, शुगर, एचआईवी, मलेरिया, योन रोग, सिपलीस, हीमोग्लोबिन, वजन आदि की जांच की गई। जरूरत के अनुसार आयरन, कैल्शियम और फोलिक एसिड की गोली दी गई है।

गड्ढे में गिरने से 14 वर्षीय लड़के की मौत

निज संवाददाता | गोड्डा

सदर प्रखंड के कैथाटीकर गांव में सड़क किनारे खोदे गए एक तालाबनुमा गड्ढे में गिर कर एक 14 वर्षीय लड़के की मौत हो गई। राहुल दास नाम का यह लड़का सड़क के किनारे बने पोखर नुमा गड्ढे में गिर गया था। जहां कुछ स्थानीय लोगों की नजर उस पर पड़ी जिसके बाद उसे गड्ढे से निकाला गया और फिर परिजनों को सूचित किया। जिसके बाद परिजन तुरंत बच्चे को गोड्डा सदर अस्पताल लेकर गए जहां जांच के बाद चिकित्सक ने बच्चे को मृत घोषित कर दिया। वहीं इस मामले को लेकर कुछ लोगों ने बताया कि उस गहरे गड्ढे में एक बछड़ा गिर गया था जिसे निकालने के लिए राहुल गड्ढे में उतरा था और फिर ये घटना घटित हुई। मृतक राहुल के पिता कांग्रेस दास के अनुसार, अस्पताल पहुंचने पर न तो कोई डॉक्टर मिला और न ही इमरजेंसी वार्ड में कोई चिकित्सक मौजूद थे। कुछ देर बाद जब चिकित्सक आए तो उन्होंने बच्चे की जांच कर उसे मृत घोषित कर दिया। बताया कि जो चिकित्सक बच्चे को देखने आए उन्होंने बच्चे के परिजनों से दुर्व्यवहार किया और झुंझलाते हुए कहा कि बच्चा मर गया है इसे यहां से ले जाओ। बड़े ताज्जुब कि बात है कि एक तरह जहां आए दिन जिले में चिकित्सा व्यवस्था में सुधार को लेकर सरकार द्वारा गोड्डा सदर अस्पताल में करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। बड़े- बड़े नेता और मंत्री इन जगहों का शिलान्यास और उद्घाटन कर रहे हैं तो वहीं दूसरी से अस्पताल के लिए बड़े बड़े भवन बनने के अलावा ना तो अस्पताल की विधि व्यवस्था में कोई सुधार होता नजर नहीं आ रहा और ना ही अस्पताल में चिकित्सकों की कमी को इतने दिनों में पूरा किया गया है। वहीं गांव के एक व्यक्ति बास्की दास ने बताया कि ग्रामीणों ने मांगन दास द्वारा अपनी जमीन पर बड़ा गड्ढा खोदने का विरोध किया था बावजूद इतना बड़ा गढ़ा खुद दिया गया जहां आज यह घटना घटी। उक्त मामले को लेकर गोड्डा सिविल सर्जन अनंत कुमार झा से हुई वार्ता में उन्होंने सदर अस्पताल में डॉक्टरों की अनुपस्थिति के आरोप को खारिज करते हुए कहा कि ऐसा कभी नहीं होता कि अस्पताल में डॉक्टर न हों। वहीं उन्होंने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतक राहुल कुमार गुम्मा, सिकटिया स्कूल में कक्षा 6 का छात्र था और तीन भाइयों में सबसे छोटा था। वहीं बताया गया कि नगर थाना को घटना की सूचना दे दी गई थी और पुलिस मामले की जांच के लिए उक्त स्थल पर पहुंचने वाले थे। खबर लिखे जाने तक पुलिस घटना स्थल परनहीं पहुंची थी।

सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका परीक्षा केन्द्र पर शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त सम्पन्न

निज संवाददाता | दुमका

झारखण्ड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा पर्षद द्वारा संचालित बीएड प्रवेश परीक्षा 2025 डिस्ट्रिक्ट सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, दुमका (प्लस टू जिला स्कूल दुमका) परीक्षा केन्द्र पर रविवार को शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त सम्पन्न हो गया। स्टैटिक दंडाधिकारी प्रशंजित मंडल ने केंद्राधीक्षक महेन्द्र राजहंस के साथ सभी परीक्षा कक्ष का औचक निरीक्षण किया औचक निरीक्षण में परीक्षा शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त पाया गया। केंद्राधीक्षक महेन्द्र राजहंस ने बताया कि परीक्षा के सफल संचालन के लिए एक दिन पूर्व ही सारी तैयारी पूरी कर ली गई थी।कहा कि परीक्षा संचालन में कोई त्रुटि न हो इसके लिए परीक्षा कार्य में लगे सभी वीक्षकों के लिए एक दिन पहले ब्रीफिंग सेशन का आयोजन किया गया था। केंद्राधीक्षक श्री राजहंस ने बताया कि परीक्षा केन्द्र में मोबाइल , अन्य इलेक्ट्रॉनिक गजट एवं अन्य अनुचित साधन का प्रयोग पूर्णतः वर्जित था। परीक्षा केन्द्र में प्रवेश के समय सभी परीक्षार्थियों का मुख्य द्वार पर ही गहन जांच की गई।परीक्षा नियंत्रक निवास रजक ने बताया कि कुल आवंटित 600 परीक्षार्थियों में 519 उपस्थित एवं 81 अनुपस्थित थे। परीक्षा के सफल संचालन में स्टैटिक दंडाधिकारी प्रशंजित मंडल, परीक्षा नियंत्रक निवास रजक, सिन्हा एवं अर्चना कुमारी के अलावे सभी वीक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण रही।

बाइक सवार 65 वर्षीय बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल

हंसडीहा (दुमका) (नि.सं.)। हंसडीहा थाना क्षेत्र के दुमका भागलपुर मुख्य मार्ग पर ओड़तारा पेट्रोल पंप के समीप रविवार की शाम तेज रफ्तार ट्रक और मोटरसाइकिल की आमने-सामने टक्कर हो गई, जिसमें मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरैयाहाट भेजा, जहां उनका इलाज चल रहा है। मोटरसाइकिल सवार की पहचान हंसडीहा थाना क्षेत्र के कुशयारी गांव के रहने वाले 65 वर्षीय दिगंबर कापरी के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार मोटरसाइकिल सवार कुशयारी गांव से हंसडीहा की ओर जा रहे थे, तभी ओडतारा पेट्रोल पंप के समीप पहुंचने पर हंसडीहा की ओर से दुमका की ओर जा रही तेज रफ्तार ट्रक से आमने-सामने की जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें मोटरसाइकिल सवार गंभीर रूप से घायल हो गया।

तेज रफ्तार स्कार्पियो ने गरीब बैलून विक्रेता को कुचला, गंभीर रूप से घायल

» घटना की सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल बैलुन विक्रेता को इलाज के लिए फूलों झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका भेजा।

निज संवाददाता | हंसडीहा (दुमका)

हंसडीहा थाना क्षेत्र के नोनीहाट में आयोजित यज्ञ मेला परिसर में आज रविवार के अहले सुबह करीब एक तेज रफ्तार बेकाबू स्कार्पियो ने गरीब बैलून विक्रेता को कुचल दिया, जिससे दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही हंसडीहा थाना की पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल बैलुन विक्रेता को इलाज के लिए फूलों झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल दुमका भेजा। मिली जानकारी के अनुसार बैलून विक्रेता मेला परिसर में सोया हुआ था। तभी तकरीबन करीब 3:00 बजे बारात से लौट रही बेकाबू स्कार्पियो चालक ने नशे में धूत होकर उसके वाहन चढ़ा दी। घटना के बाद हंसडीहा थाना की पुलिस बेकाबू वाहन को जप्त करते हुए मामले की जांच पड़ताल एवं आवश्यक कार्रवाई में जुट गई है। समाचार लिखे जाने तक घायल व्यक्ति की पहचान नहीं हो पाई थी।

सर्वर डाउन रहने से पीडीएस दुकानदार और लाभुक दोनों परेशान

रानीश्वर (दुमका) (नि.सं.)। आएं दिन सर्वर डाउन रहने से रानीश्वर प्रखंड में जनवितरण प्रणाली दुकानदार और लाभुक दोनों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। एक ओर लाभुक चिलचिलाती धूप में पीडीएस विक्रेता के पास पहुंचते हैं ताकि अनाज ले पाए, लेकिन ऐसा रानीश्वर प्रखंड में आएं दिन सर्वर डाउन रहने से ई पोश मशीन काम नहीं करती, जिसके कारण घंटों इंतजार करने के बाद लाभुकों को बैरंग लौटना पड़ रहा है। विक्रेताओं का कहना है कि आज रविवार के सुबह से ही ई पोश मशीन में सर्वर नहीं रहने के कारण हम अनाज का वितरण नहीं कर पा रहे हैं।

5वीं सीनियर नेशनल पिट्ठू प्रतियोगिता में झारखंड को दूसरा स्थान

निज संवाददाता | गोड्डा

5वीं सीनियर नेशनल पिट्ठू चैंपियनशिप (महिला व पुरुष) एवं दूसरी सब जूनियर बालिका, बालक नेशनल चैंपियनशिप का आयोजन 7 से 9 मई तक केट, राऊ रोड स्थित सेट नॉरबर्ट स्कूल में किया गया टूर्नामेंट में 22 राज्यों के 700 खिलाड़ीयों ने भाग लिए यह टूर्नामेंट प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देने की मनसा के अनुरूप किया गया टूर्नामेंट का उद्घाटन मध्यू प्रदेश शासन के कैबिनेट मंत्री एवं पिट्ठू फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष कैलाश विजयवर्गी ने विधिवत उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बताया पारंपरिक खेल स्वदेशी खेल पिट्ठू भारतीय संस्कृति की धरोहर है जिसमें हजारों वर्षों से खेला जा रहा है यह वही खेल है जिसे भगवान श्री कृष्णा अपने बाल शाखाओं के साथ आनंदपूर्वक खेला करतें थें। जहां यह पारंपरिक खेल आज देश में खेल जा रहा है। जिसमें झारखंड के सब जुनियर बालिका एवं सिनियर बालिका खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय पिट्ठटू चैंपियनशिप में भाग लिया जिसमें भारत के 22 राज्यों ने और 700 खिलाड़ियों ने इस आयोजन में हिस्सा लिया झारखंड टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद गुजरात टीम को 10 अंकों से हराया एवं झारखंड ने दुसरा स्थान प्राप्त किया विजेता खिलाड़ियों के नाम (कैप्टन) गुंजा कुमारी, गुही पहाड़िन, टिंकल कुमारी, खुशी कुमारी, संगीता कुमारी, अनुप्रिया कुमारी, बुधिया कुमारी को झारखंड पिट्ठू एसोसिएशन के सभी पदाधिकारियों और खिलाड़ियों ने जीत की बहुत बहुत बधाई दी। वहीं जुली कुमारी, रानी कुमारी, निलकात महतो, मनिष कुमार, शैलेस कुमार, दीपक दास, संगीत देवी, मिना देवी, बांके बिहारी, इसकी जानकारी झारखंड पिट्ठू एसोसिएशन के सचिव दीपक सिंह ने दी।

मंत्री दीपिका ने आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच टैब का किया वितरण

निज संवाददाता | ठाकुरगंगटी

प्रखंड सभागार में महगामा विधायक सह ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच टैब का वितरण किया। आयोजित कार्यक्रम में पहुंचने के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी विजय कुमार मंडल ने बुकें देकर उनका स्वागत किया। वहीं आंगनबाड़ी सुपरवाइजर प्रीति कुमारी एवं सेविकाओं ने मंत्री दीपिका पांडेय सिंह का फूल माला पहनकर स्वागत किया। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद मंत्री ने प्रखंड क्षेत्र के आंगनबाड़ी सेविकाओं के बीच टैब का वितरण किया साथ ही दर्जनों महिलाओं की गोद भराई कर गर्भवती महिलाओं को उपहार के रूप में पोषण की पोटली दी गयी जिसमें गुड़, चना, हरी पत्तेदार सब्जियां, आयरन की गोली, पोषाहार व फल आदि थे। गर्भवती महिलाओं को चुनरी ओढ़ाकर और टीका लगाकर गोद भराई की रस्म पूरी की गयी। इस दौरान गर्भवती महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए पोषण की आवश्यकता व महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इस दौरान दर्जनों बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण विकास मंत्री ने मौजूद सभी सेविकाओं को अपने संबोधन में कहा कि आप सभी का काफी सहयोग रहा जिसके कारण जीत सकी और मंत्री बन पायी इसे भुलाया नहीं जा सकता है। हर आंगनबाड़ी सेविका द्वारा अब केंन्द्र समय पर खोलकर उपस्थित बच्चों का समय पर हाजरी बनाया जा सकता है। कार्यक्रम बाद मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने विधिवत पूजापाठ कर व नारियल फोड़कर चांदा से समदा तक फीता काटकर सड़क का शिलान्यास किया गया, वहीं दो पुल का भी शिलान्यास किया गया। मौके पर पुर्व कांग्रेस प्रखंड अध्यक्ष अवधेश ठाकुर, रविन्द्र महतों, प्रभारी प्रमुख कुंदन कुमार महतो, गुड्डू चनानी, रंजन ठाकुर, गुड्डू महतो, मनोज यादव, त्रिभुवन कुमार आदि कार्यकर्तागण मौजूद थे।

श्रम मंत्री संजय प्रसाद यादव ने किया क्षेत्र भ्रमण, विकास कार्यों का लिया जायजा

निज संवाददाता | बसंतराय

राज्य के श्रम, नियोजन, कौशल विकास एवं उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने शनिवार को व्यापक क्षेत्रीय भ्रमण किया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान वे महेशपुर, रामपुर, कपेटा और कैथपुरा गांव होते हुए धपरा पहुँचे। इस दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया तथा आम जनता से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याएं सुनीं। धपरा पहुंचने पर मंत्री श्री यादव ने बिंदेश्वरी यादव के निवास पर आयोजित विवाह समारोह में शिरकत की। उन्होंने वर-वधु को आशीर्वाद देते हुए सुखद वैवाहिक जीवन की शुभकामनाएं दीं। स्थानीय लोगों ने मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। मंत्री संजय प्रसाद यादव से ग्रामीणों ने एक चेक डैम का मांग किया जिस पर मंत्री ने जल्द ही चेक डैम देने की बात कही। मंत्री श्री यादव ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार हर वर्ग के लोगों के कल्याण हेतु लगातार प्रयासरत है। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं के लिए कौशल विकास योजनाओं का उल्लेख किया और बताया कि जल्द ही नए प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएंगे जिससे युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकें। वहीं भ्रमण के दौरान मंत्री के साथ उप प्रमुख बजरंगी यादव, धपरा पंचायत के मुखिया आलमगीर आलम, कैलाश पंडित, प्रमोद, परवेज आलम, अब्दुल कुद्दुस, धपरा पंचायत के पूर्व मुखिया सहित प्रशासनिक अधिकारी, पार्टी पदाधिकारी और स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे। इस दौरान लोगों ने मंत्री से सड़क, बिजली, पानी जैसी बुनियादी समस्याओं को लेकर भी अपनी बात रखी, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

संत थॉमस स्कूल में चाहरदीवारी निर्माण पर नगर प्रशासक ने लगाई रोक

निज संवाददाता | गोड्डा

स्थानीय संत थॉमस स्कूल द्वारा नगर प्रशासक से बिना अनुमति के विद्यालय परिसर में बेसमेंट एवं अन्य भवन निर्माण कार्य कराए जाने पर निर्माण कार्य को रोकने संबंधी एक पत्र निर्गत किया गया है। संत थॉमस स्कूल के प्राचार्य को दिए गए पत्र में नगर प्रशासक ने कहा है कि संपूर्ण झारखंड में के सभी शहरी स्थानीय निकायों में झारखंड बिल्डिंग कानून प्रभावी है बावजूद आपके द्वारा बिना कार्यालय के अनुमति के स्कूल परिसर में बेसमेंट एवं अन्य भवन निर्माण कार्य कराया जा रहा है जो झारखंड नगर पालिका अधिनियम की धारा का उल्लंघन है। विदित हो कि स्कूल में शहर के सैकड़ों विद्यार्थी अध्यनरत है तथा सुरक्षा दृष्टिकोण से निर्माण कार्य हेतु प्रावधानों का अनुपालन करना अनिवार्य है। नगर प्रशासन द्वारा जारी पत्र में 24 घंटा के अंदर स्पष्टीकरण देने की मांग करते हुए कहा गया है कि आपके द्वारा किन परिस्थितियों में कार्यालय की अनुमति के बिना स्कूल परिसर में निर्माण कराया जा रहा है। पत्र में कहा गया है कि झारखंड नगर पालिका अधिनियम की धारा एवं अन्य सुसंगत धाराओं के तहत निर्माण कार्य को रोकने तथा भवन को ढाहने काकार्य किया जाए।

झारखंड-बंगाल टी-ट्वेंटी दिव्यांग क्रिकेट सीरीज के लिए टीम रवाना

निज संवाददाता | गोड्डा

पश्चिम बंगाल के वर्दमान स्थित वारसूल में पश्चिम बंगाल दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में 12 एवं 13 मई को विद्यार्थी द्वारा आयोजित दो दिवसीय 'झारखंड-बंगाल टी 20 दिव्यांग क्रिकेट सीरीज - फौजी कप' के लिए 14 सदस्यीय झारखंड की टीम रविवार सुबह गंतव्य के लिए रवाना हुई। झारखण्ड फिजिकली चैलेंज्ड क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यकारी अध्यक्ष सुरजीत झा एवं डिस्ट्रिक्ट स्लिंगशॉट एसोसिएशन के सचिव अखिल कुमार झा ने एसोसिएशन के महासचिव सह टीम के कप्तान मनीष कुमार सिंह का क्रमशः वस्त्र एवं पुष्प अभिनंदन कर उनके नेतृत्व में खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं देकर गोड्डा स्टेशन से रवाना किया। टीम इस प्रकार है- कप्तान मनीष सिंह, भोला पासवान, मुकेश कोतवाल, चंदन सिंह, राजेंद्र प्रसाद एवं सुलेमान मुर्मू (सभी छः गोड्डा से), प्रणेश विश्वास (रांची), बलराम एवं विकास (कोडरमा), विष्णु (धनबाद), मो० नाजीर, थॉमस एवं मो० आमिर (तीनों साहेबगंज), मो० सोएब (देवघर)।

विद्या विहार स्टडी सेंटर में नृत्य प्रतियोगिता आयोजित

» तिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों की प्रतिभा को मंच मिलता है और उनमें आत्मविश्वास विकसित होता है।

निज संवाददाता | गोड्डा

नगर क्षेत्र अंतर्गत विद्या विहार स्टडी सेंटर, गंगटा में शनिवार को एक रंगारंग नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया और अपनी शानदार प्रस्तुतियों से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्टडी सेंटर के निदेशक आशीष कश्यप ने किया। इस दौरान उन्होंने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से छात्रों की प्रतिभा को मंच मिलता है और उनमें आत्मविश्वास विकसित होता है। वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोगी शिक्षकों उमेश रमानी, नीरज कुमार एवं डॉ० सुदर्शन कुमार मिश्रा की अहम भूमिका रही। उनके मार्गदर्शन और सहयोग से प्रतियोगिता का संचालन सुचारु रूप से संपन्न हुआ। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने शास्त्रीय, लोक एवं बॉलीवुड गीतों पर नृत्य कर दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। निर्णायकों द्वारा प्रदर्शन के आधार पर विजेताओं का चयन किया गया। प्रतियोगिता में विजेता रहे अनु कुमारी, मिनु प्रिया, अनिशा, जुनैद, आर्यन कुमारी एवं श्रेष्ठ राज को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी शिक्षकों एवं छात्रों ने इस आयोजन की सराहना की और भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों की निरंतरता की अपेक्षा जताई।

एम पब्लिक स्कूल में हर्षोल्लास से मनाया गया मदर्स डे

निज संवाददाता | हरिहरगंज

शहर के बंजारी टंडवा रोड़ स्थित एम पब्लिक स्कूल में मदर्स डे का आयोजन बड़े धूमधाम और उत्साह के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यार्थियों के साथ-साथ उनकी माताओं ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बच्चों ने एक से बढ़कर एक नृत्य, गीत व नाटक की प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी माताओं के प्रति आभार प्रकट किया। इस सांस्कृतिक कार्यक्रम में नर्सरी से कक्षा सात तक के बच्चों ने भाग लिया। कुछ बच्चों ने विविध आकृतियां बना कर मां को उपहार स्वरूप समर्पित किया। इस मौके पर निदेशक एम परवेज आलम, प्राचार्या रूमी नाज नूरी व मौलाना इफ्तेखार अहमद नूरी ने कहा कि मां बच्चे की पहली पाठशाला है। सदैव अपनी माता का सम्मान करना चाहिए। मां के बिना इस संसार की कल्पना भी नहीं की जा सकती। मां के कदमों में स्वर्ग होता है, माता का स्थान सर्वोपरि है। इस मौके पर शिक्षिका तान्या, सिमरन, पूनम कुमारी, मोना, सोनी, अस्मित, रिया, बुसरा, कोमल, मनीषा के अलावे शिक्षक पप्पू यादव सहित अभिभावक व बच्चें मौजूद थें।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सरला देवी बनीं आत्मनिर्भरता की मिसाल

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र के हरदिया पंचायत के सेक्टर-ए निवासी विधवा सरला देवी जीविका के माध्यम से जुड़कर सिलाई केंद्र एवं सोलर लैंप बनाकर आजीविका चला रही है एवं लोगों को प्रेरित भी कर रही है। हाल ही में सरला देवी अपनी बेटी दीपा कुमारी की शादी धूमधाम से गया जिले में की। सरला देवी की तरक्की से आसपास की समफूलवा देवी, गौरी देवी, अनोखवा देवी, अनीता देवी, रेखा देवी, पार्वती देवी समेत दर्जनों महिलाएं प्रेरित हो रही है। सरला देवी अपने गांव की एक ऐसी महिला है, जो आत्मनिर्भर होकर जीविका चलाने के लिए सिलाई का काम करती है और दूसरों को भी प्रेरणा देती है। आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की भावना न केवल उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाती है। बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनती है। आत्मनिर्भरता से महिला को आर्थिक स्वतंत्रता मिलती है, जिससे वह अपने जीवन के सभी जरूरी निर्णय ले सकती है। आत्मनिर्भर महिलाएं दूसरों के लिए रोल मॉडल बन सकती है। महिला अपने कौशल का उपयोग कर स्वरोजगार कर सकती है और परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार कर सकती है। इससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आ सकता है। आत्मनिर्भरता और स्वावलंबन की भावना न केवल उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाती है, बल्कि दूसरों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनती है। ग्रामीण महिलाएं सरला देवी के साथ जुड़कर सोलर लैंप और सिलाई आदि सीखने में जुड़ी हुई हैं। महिलाओं ने कहा कि जल्द ही वे आत्मनिर्भर बनकर अपने बच्चों का बेहतर तरीके से परवरिश करेंगी।

सहायक शिक्षक चलाएंगे एमडीएम

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। शिक्षा विभाग में फैली भ्रष्टाचार व मनमानी का शिकार रजौली प्रखंड के लिए पायलट प्रोजेक्ट के तहत चयनित कुल 170 विद्यालयों की सहायक शिक्षकों की सूची जारी कर दी गयी है। चयनित शिक्षकों को 13 मई से 13 जून तक मध्याह्न भोजन योजना का प्रयोग के तौर पर खाते का संचालन करना है। जिला शिक्षा पदाधिकारी द्वारा जारी आदेश के आलोक में सभी चयनित शिक्षकों को एचडीएफसी बैंक में विद्यालय शिक्षा समिति सचिव के साथ पूर्व से संचालित संयुक्त खाता में संशोधन का आदेश निर्गत किया गया है। ऐसे में अब मध्याह्न भोजन योजना खाता का संचालन प्रधानाध्यापक के बजाय सहायक शिक्षक करेंगे। बता दें कि शिक्षा विभाग के एसीएस एस सिद्धार्थ ने पायलट प्रोजेक्ट के तहत विद्यालयों में मध्यान्ह भोजन योजना से प्रधानाध्यापकों को मुक्त कर सहायक शिक्षकों को जिम्मेदारी देने का आदेश निर्गत किया था। आदेश के आलोक में राज्य मध्याह्न भोजन योजना प्रभारी विनायक मिश्रा ने प्रखंड चयन का अधिकार जिला एमडीएम प्रभारी को सौंप दिया था। जिला मध्याह्न भोजन योजना प्रभारी द्वारा रजौली प्रखंड का चयन किया गया।

यातायात उल्लंघन पर 2 लाख जुर्माना

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। थाना क्षेत्र के चितरकोली स्थित समेकित जांच चौकी पर शुक्रवार एवं शनिवार को परिवहन विभाग द्वारा यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले वाहनों से 2 लाख रुपए जुर्माना लगाया गया। इस दौरान परिवहन विभाग के ईएसआई संदीप कुमार के अलावे अन्य कर्मी मौजूद रहे। बिहार में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने और यातायात नियमों को कड़ाई से लागू करने के लिए परिवहन विभाग ने कड़े कदम उठाए है। अब वाहन मालिकों को अनिवार्य रूप से हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवानी होगी, अन्यथा उन्हें भारी जुर्माना देना पड़ रहा है। यह नियम बीते 1 अप्रैल 2025 से राज्यभर में सख्ती से पालन कराया जा रहा है। हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट एक विशेष प्रकार की एल्यूमीनियम नंबर प्लेट होती है, जिसमें होलोग्राम और यूनिक कोड शामिल होता है। यह वाहन की सुरक्षा को बढ़ाने और यातायात प्रबंधन को आसान बनाने के उद्देश्य से डिजाइन की गई है। इससे वाहन चोरी और नंबर प्लेट की जालसाजी को रोकने में भी मदद मिलती है। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों पर 2,500 रुपये तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। वहीं ईएसआई ने बताया कि फर्जी नंबर प्लेट के कारण ई-चालान प्रक्रिया में कठिनाई आ रही है, जिससे वाहन पंजीकरण में अनियमितताएं सामने आ रही हैं। इसे रोकने के लिए परिवहन विभाग ने पुलिस के साथ मिलकर अवैध नंबर प्लेट बनाने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू कर दी है। परिवहन विभाग ने वाहन मालिकों से अपील की है कि वे जल्द से जल्द हाई-सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगवाएं ताकि अनावश्यक जुर्माने से बचा जा सके और सड़क सुरक्षा नियमों का पालन हो सके। साथ ही बताया कि यातायात नियमों के उल्लंघन करने वाले बाइक एवं कार सवारों से कुल 2 लाख रुपए का जुर्माना किया गया है। परिवहन विभाग के इस कार्रवाई से लोग यातायात नियमों के पालन करने में जुट गए हैं।

शिक्षकों का वेतन पांच महीने से लंबित

रजौली (नवादा) (नि.सं.)। प्रखंड क्षेत्र के सक्षमता में उत्तीर्ण शिक्षकों को विभाग द्वारा एक लंबे समय से वेतन नहीं दिया गया है। इससे शिक्षकों एवं उनके परिजनों को राशन से लेकर स्वास्थ्य संबंधी कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। रजौली प्रखंड के वरिष्ठ शिक्षक सह शिक्षक नेता अजित कुमार ने बताया कि सक्षमता-1 परीक्षा में उत्तीर्ण शिक्षक 1 जनवरी 2025 को एवं सक्षमता-2 परीक्षा में उत्तीर्ण शिक्षक 1 मार्च 2025 को पुनः विद्यालय में योगदान दिए। परन्तु टेक्निकल कारणों से सक्षमता-1 के शिक्षकों का वेतन विगत पांच माह से एवं सक्षमता-2 के शिक्षकों का वेतन विगत दो माह से भुगतान नहीं किया गया है। साथ ही कहा कि शिक्षा विभाग हमेशा नया-नया कानून बनाकर प्रयोग कर रहें हैं। सभी शिक्षक विभाग के निर्देशों का **अक्षरशः** पालन करने में पूर्णरूपेण लगे हुए हैं। शिक्षा विभाग शिक्षकों के समस्याओं के प्रति संवेदनहीन बनकर सोई हुई है। जिस शिक्षक को 5 माह तक वेतन प्राप्त नहीं होगा तो उसका प्रभाव उनके परिवार में सबसे अधिक उनके बच्चे की पढ़ाई और उनके बुजुर्ग माता-पिता के स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। इससे शिक्षकों की काफी दयनीय स्थिति समाज में परिलक्षित हो रहा है। इसके प्रति यथाशीघ्र संवेदनशील होकर वेतन भुगतान होना चाहिए। आज दबे जुबां से शिक्षक बोलते हैं कि यदि हमलोग जानते की शिक्षा विभाग द्वारा सक्ष्मत्ता परीक्षा देने के बाद ऐसी परेशानी होगी, तो हमसभी भी परीक्षा नहीं देते।शिक्षक नेता ने बिहार सरकार के शिक्षा मंत्री, एसीएस सिद्धार्थ सर एवं निर्देशक प्राथमिक शिक्षा बिहार से प्रार्थना किये कि यथाशीघ्र ऐसे विशिष्ट शिक्षकों का वेतन भुगतान प्रक्रिया में होने वाले समस्या का समाधान करने की कृपा करें। जिससे विद्यालय में शिक्षण कार्य प्रभावित न हो। समस्यारहित शिक्षक ही अपने शिक्षकत्व को विद्यालय में प्रदर्शित कर पाएंगे। एक परेशान शिक्षक का हाव-भाव एवं वेश-भूषा अपने वर्ग में छात्रों के समक्ष नहीं चाहते हुए भी शिक्षकत्व प्रभावित होने की प्रबल संभावना रहती है। शिक्षा विभाग को शिक्षक के समस्या को दूर करना सर्वोपरि होना चाहिए। हम शिक्षक ही सरकार के ऐसे कर्मचारी है, जो शिक्षा विभाग के निर्देशों के साथ ही सरकार के सभी बहुमूल्य योजना को भी पूरा करवाते हैं, फिर भी उपेक्षित महसूस करते हैं।

50 हजार इनामी आरोपी हुआ गिरफ्तार

» मृतक की पत्नी द्वारा दिए गये आवेदन के आधार पर नेमदारगंज थाना में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अनुसंधान के क्रम में छापामारी कर इस कांड में संलिप्त 04 अभियुक्तों की गिरफ्तारी पूर्व में ही की जा चुकी है।

निज संवाददाता | नवादा

जिले में बीते दिनों मारपीट में घायल एक व्यक्ति की इलाज के क्रम में मौत के बाद पुलिस ने घटना के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। बताया जाता है कि 24 नवंबर 2024 को नेमदारगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत जलालपुर गांव में कुछ लोगों द्वारा एक व्यक्ति के साथ मारपीट की गयी जिसमें इलाज के क्रम में उसकी मृत्यु हो गयी। मृतक की पत्नी द्वारा दिए गये आवेदन के आधार पर नेमदारगंज थाना में मामला दर्ज किया गया था। पुलिस अनुसंधान के क्रम में छापामारी कर इस कांड में संलिप्त 04 अभियुक्तों की गिरफ्तारी पूर्व में ही की जा चुकी है। कांड के मुख्य अभियुक्त मुकेश कुमार उर्फ "मुकेश डॉन" गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहे थे। मुकेश कुमार उर्फ "मुकेश डॉन" आपराधिक प्रवृति के हैं। उनके विरुद्ध जिला के विभिन्न थाना अंतर्गत कई कांड दर्ज हैं। फरार रहने की स्थिति में इसकी गिरफ्तारी पर 50,000 रुपए का इनामी राशि भी घोषित किया गया था। इसी क्रम में गुप्त सूचना के आधार पर मुकेश कुमार उर्फ "मुकेश डॉन" को दिनांक 10/05/25 को जलालपुर गांव से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार कर उसे थाना परिसर लाया गया एवं उससे सघन पूछताछ की गयी। पूछताछ उपरांत उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। अन्य संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु लगातार छापामारी जारी है।

सड़कों पर छाया अंधेरा: विकास के दावों की खुली पोल

निज संवाददाता | नवादा

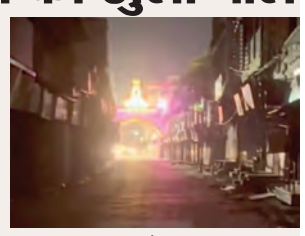

शहर की मुख्य सड़कें इन दिनों अंधेरे में डूबी हैं। विजय बाजार, कलाली रोड, कचहरी रोड, थाना रोड और मेन रोड जैसे प्रमुख मार्गों पर स्ट्रीट लाइटें बंद पड़ी हैं, जिससे रात में ट्रैफिक और सुरक्षा दोनों ही प्रभावित हो रही है। सबसे अधिक चिंता व्यापारियों को है। अंधेरे में दुकानों की सुरक्षा को लेकर वे लगातार चिंता जाहिर कर रहे हैं। उनका कहना है कि जब कोई अप्रिय घटना होती है तो प्रशासन पर सवाल उठते हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधि और अधिकारी रोज़ इन्हीं सड़कों से गुजरते हैं, लेकिन किसी को इस अंधेरे की परवाह नहीं। चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे किए जाते हैं, लेकिन हकीकत में नवादा का विकास रुक सा गया है। नवादा के नागरिक पूछ रहे हैं कि क्या हर बार 5 साल इंतजार करना ही नियति है? आखिर कब तक नवादा की सड़कों पर अंधेरा छाया रहेगा और प्रशासन मूकदर्शक बना रहेगा। थाना प्रभारी अविनाश कुमार ने बताया कि नगर परिषद ने जल्द व्यवस्था सुधारने का भरोसा दिलाया है। फंड भी पास हो चुका है, लेकिन स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह आश्वासन नया नहीं है। पहले भी वादे हुए, लेकिन स्ट्रीट लाइटें महीने-दो महीने में खराब हो जाती हैं। फिर लंबे समय तक अंधेरे में शहर छोड़ दिया जाता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह के आधार पर 597 वाद निष्पादित

निज संवाददाता | नवादा

व्यवहार न्यायालय नवादा के प्रांगण में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार के अध्यक्ष आशुतोष कुमार झा की अध्यक्षता एवं सचिव सरोज कीर्ति के देखरेख में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश आशुतोष कुमार झा ने दीप जलाकर लोक अदालत का उद्घाटन किया, उक्त अवसर पर न्यायिक पदाधिकारीगण एवं अधिवक्ता गण मौजूद थे। राष्ट्रीय लोक अदालत में सुलह के आधार पर सिविल वाद, क्रिमिनल वाद, एम भी वाद, जलावद, वनवाद, जिओ वाद, बिजली बिल, बैंक ऋण,टेलीफोन बिल, रेभन्यु वाद के निष्पादन हेतु कुल 14 बेंचों का गठन किया गया जिसमें न्यायिक पदाधिकारीगण के रूप में उपेंद्र कुमार, आशुतोष खेतान, राहुल किशोर, जितेंद्र कुमार, प्रवीण कुमार, नवीन कुमार कार्य कर रहे थे बेंच नंबर 10 पर सबसे अधिक 23 मुकदमे का निष्पादन हुआ जिसमें 20 वर्ष पुराने मामलेका दोनों पक्षों की सहमति से मात्र 2 मिनट के अंदर निष्पादित कर दिया गया।

बीच सड़क पर धूं धूं कर जलकर राख हो गई बाइक

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

कौआकोल थाना क्षेत्र के केवाली मोड़ के पास शनिवार की देर रात्रि बारात जा रहे एक युवक की ग्लैमर बाइक अचानक धूं धूं कर जलकर राख हो गई। वहीं बाइक सवार चालक समेत उस पर सवार दो अन्य लोगों ने बाइक से कूदकर अपनी जान बचाई। घटना को लेकर बताया जा रहा है कि कौआकोल थाना क्षेत्र के कदहर गांव निवासी बीरू राम का भगना व काशीचक थाना क्षेत्र के बौरी गांव निवासी रविन्द्र सिंह का पुत्र उत्तम कुमार अपने दो अन्य रिश्तेदारों के साथ बाइक से कदहर गांव से रोह बारात जा रहा था। तभी केवाली मोड़ के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक चारपहिया वाहन द्वारा अचानक चकमा दे दिया गया। जिससे बाइक असंतुलित होकर वहीं गिर गया। उसके बाद बाइक चालक ने बाइक उठाकर जैसे ही वाहन चालू करने के लिए किक मारा,वाहन में अचानक आग लग गया। आनन फानन में बाइक पर सवार युवक वाहन से उतरकर पास में रहे बालू के ढेर से आग बुझाने का प्रयास किया। परन्तु आग की लपटें इतनी तेज हो गई कि वाहन धूं धूं कर जलकर राख हो गया। आशंका जताई जा रही है कि बाइक में मोबिल नहीं था,जिसके कारण आगलगी की घटना घटित हुई। हालांकि इस दरम्यान बाइक सवारों को कोई नुकसान नहीं हुआ। घटना के बाद रविवार को सूचना पर पहुंची 112 आपातकालीन पुलिस वाहन ने जली हुई बाइक को अपने कब्जे में लेकर थाना ले आई।

बिहार पुलिस में चयनित अभ्यर्थियों को कोचिंग संस्थान द्वारा कार्यक्रम आयोजित कर किया गया सम्मनित

निज संवाददाता | नरहट (नवादा)

रविवार को नरहट के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थान कम्पटीशन कोचिंग सेंटर में बिहार पुलिस में चयनित विद्यार्थियों को समाहरोह आयोजित कर सम्मनित किया गया। समाहरोह में पढ़ाई कर रहे विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन प्रेम प्रकाश व अध्यक्षता कोचिंग के निर्देशक राकेश कुमार ने किया। बता दें की इस संस्थान से दर्जनों विद्यार्थियों ने बिहार पुलिस कांस्टेबल का परीक्षा दिया था जिसमें से जानकारी के मुताबिक 10 विद्यार्थियों ने परीक्षा पास किया और अंतिम रूप से चयन पांच विद्यार्थियों का हुआ। राकेश कुमार ने बताया कि सफलता हासिल करने वालों में अमीषा कुमारी पिता रंजीत प्रसाद ग्राम ओलीपुर, प्रीति कुमारी पिता शंकर सिंह ग्राम दौलतपुर, रौशन कुमार पिता संजय चौधरी ग्राम कोनिबर, सचिन कुमार पिता मनोज पंडित ग्राम कोनिबर, नीतू कुमारी पिता ऋषि राजवंशी घर दौलतपुर शामिल हैं। सफलता पर सभी ने अपने माता पिता व शिक्षकों का आभार व्यक्त की। कार्यक्रम को सम्बंधित करते हुए प्रेम प्रकश ने उपस्थित विद्यार्थियों को मोटिवेट करते हुए कहा की हम बचपन में चलते समय कई बार गिरते हैं, तो हम चलना नहीं छोड़ते बल्कि मुश्किलों का सामना करते हैं और चलना सीखते हैं। जब हम साइकिल चलाना शुरू करते हैं, तब भी हम कई बार गिरते हैं लेकिन जबतक हम साइकिल सिख नहीं जाते, चलाना नहीं छोड़ते तो जीवन में जब असफलता आती है तो उससे डरते क्यों हैं आप उसका सामना डट कर करें और सफलता आपके कदम चूमेगी। कार्यक्रम में उपस्थित विकास कुमार वंदन ने बताया की विद्यार्थियों को इनसे प्रेरणा लेनी की आवश्यकता है और उन्हें उचित मार्गदर्शन की जरूरत है, उन्होंने विद्यार्थियों से अपील किया की अगर जीवन में मार्गदर्शन की जरूरत पड़े तो एक बार कम्पटीशन कोचिंग के शिक्षकों से जरूर मार्गदर्शन प्राप्त करें। इस सम्मान समाहरोह के आयोजन में समीर राज वर्मा, रौशन कुमार, प्रभात कुमार, मुकेश संगम, चन्दन कुमार, संदीप सर, राजीव सर इत्यादि ने अपना अहम भूमिका निभाई।

इंटर विद्यालय कौआकोल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

प्रखण्ड के इंटर विद्यालय कौआकोल में शनिवार को सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को देखते हुए बचाव अभियान चलाकर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्याम कुमार वर्मा ने बताया कि इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक सुरक्षा की भी जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि बच्चों को आपदा की स्थिति में परिवार को सुरक्षित रखने के तरीके बताए गए। वायु आक्रमण, साइबर हमले, खाद्य संकट आदि स्थितियों से निपटने के लिए तथा मॉक ड्रील के माध्यम से व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। प्रभारी प्राचार्य श्याम कुमार वर्मा ने कहा कि ऐसी विषम परिस्थिति में छात्र-छात्राओं समेत देश की सभी नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। मौके पर विद्यालय के शिक्षक चक्रधर, मुकेश, पवन, बनारस रामप्रवेश, ममता, पूनम, दा, प्रियंका, काजल, अंजना, अनीता आदि मौजूद थे।

अधिकांश विद्यालयों में नहीं मिल रहा है बच्चों को प्रोत्साहन राशि

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

प्रखंड क्षेत्र के सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले दर्जनों बच्चों को प्रोत्साहन राशि नहीं मिल रहा है। इस संबंध में कन्या मध्य विद्यालय रजौली में पढ़ने वाले दर्जनों छात्राओं ने बताई कि हम लोग पांच वर्षों से विद्यालय में पढ़ रहे हैं, लेकिन अभी तक एक बार भी प्रोत्साहन राशि नहीं मिला है। जब इस संबंध में कन्या मध्य विद्यालय के प्रधानाध्यापक सत्येंद्र कुमार से जानकारी ली गई, तो उन्होंने बताया कि हमारे विद्यालय में 400 छात्राएं नामांकित है और प्रोत्साहन राशि कुछ बच्चों को नहीं मिला है। जबकि छात्राओं ने बताई की जो भी रिकॉर्ड विद्यालय में है, उसमें माता का नाम अलग तो पिता का नाम अलग कर दिया गया है जिससे प्रोत्साहन राशि का लाभ नहीं मिल रहा है। वहीं कन्या मध्य विद्यालय में पढ़ने वाले बच्चों के परिजनों ने बताया कि हम लोग अपने बच्चों को प्राइवेट विद्यालय से छुड़वाकर सरकारी विद्यालय में नामांकन करवा दिए ताकि बच्चों को सरकार का सभी लाभ मिल सके, लेकिन प्रधानाध्यापक के उदासीनता के कारण बच्चों को प्रोत्साहन राशि का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में प्रभारी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी राकेश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि कुछ ऑनलाइन में गड़बड़ी हो गया है, सुधार कर जल्द ही छात्राओं को प्रोत्साहन राशि दिया जाएगा।

अनुमंडल क्षेत्र के नौ जगहों पर चलाया गया अग्नि सुरक्षा संबंधित जागरूकता अभियान

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

अनुमंडल क्षेत्र के रजौली, सिरदला एवं अकबरपुर प्रखंड के विभिन्न नौ जगहों पर रविवार को अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी राम अवध सिंह के नेतृत्व में अग्नि सुरक्षा संबंधित विशेष जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। अग्निशमन पदाधिकारी ने बताया कि अभी खेतों में फसलों की कटाई हो रही है और फसलों को खेत-खलिहानों में रखा जा रहा है। इस दौरान कई बार जानकारी के आभाव में लोग कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिसका भुक्तभोगी किसानों को बनना पड़ता है। वहीं घरेलू गैस के पाइप आदि में भी अनियमितता बरतने पर कई दुर्घटनाएं घटित हो रही है। आगलगी की घटनाओं में कमी लाने को लेकर अग्निशमनकर्मी प्रत्येक दिन क्षेत्र में लगातार भ्रमण कर लोगों को जागरूक कर रहे हैं। रविवार को सिरदला प्रखंड के सिरदला पंचायत के वार्ड संख्या 08 में स्थित अभिषेक भारत गैस, अकौना पंचायत के वार्ड संख्या 08 व वार्ड संख्या 07, रजौली प्रखंड के करीगांव में आर्यन हार्डवेयर, अंधरवारी पंचायत क्षेत्र के वार्ड संख्या 13 एवं अकबरपुर प्रखंड के फतेहपुर पंचायत के एसएस प्लाई सेंटर, बलिया बुजुर्ग पंचायत के बीच बाजार, शेखपुरा पंचायत के वार्ड 10 और पचगामा के वार्ड संख्या 09 में मॉक ड्रिल कर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रखंडों से आने-वाले युवाओं से लेकर बुजुर्गों एवं महिलाओं के हाथों में पंपलेट देकर आग से बचने के उपाय बताया गया। साथ ही अग्निशमन के सोशल मीडिया से दर्जनों लोगों को जोड़ा गया एवं जुड़ने का सुझाव भी दिया गया।

बिना ट्रेड लाइसेंस के नगर पंचायत में हजारों दुकान संचालित तीन वर्षों में करोड़ों रुपए का हुआ राजस्व का नुकसान

निज संवाददाता | रजौली (नवादा)

नगर पंचायत क्षेत्र में सीमेंट, टाइल्स, कपड़ों, फर्नीचर, निजी अस्पताल व नर्सिंग होम, होटल, रेस्टोरेंट, दवाई दुकान, अल्ट्रासाउंड, मिठाई, किराना, श्रृंगार, पेंट दुकान, जनरल दुकान, विभिन्न कंपनियों के थोक विक्रेता समेत अन्य प्रकार के बड़े दुकानों के साथ-साथ सैकड़ों छोटे दुकानों में सालाना 10 लाख रुपयों से अधिक के कारोबार होता है। किंतु इन दुकानदारों में एक के पास भी नगर पंचायत द्वारा ट्रेड लाइसेंस नहीं लिया गया है। इस बाबत नगर पंचायत कार्यालय में पड़ताल किए जाने पर पता चला कि नगर पंचायत में अंगुलियों पर गिने जा सकने वाले व्यवसाई द्वारा ट्रेड लाइसेंस लिया गया है। दुकानदारों द्वारा नगर पंचायत में ट्रेड लाइसेंस नहीं लेने से बीते तीन वर्षों में करोड़ों रुपयों का नुकसान हुआ है। ट्रेड लाइसेंस के लिए दुकानदारों को दो फोटो, आधार कार्ड, पैन कार्ड, जीएसटी, अग्निशमन विभाग की एनओसी और होल्डिंग टैक्स की छाया प्रति देनी होती है। वहीं 10 लाख रुपये तक के टर्नओवर वाले व्यापारियों को मात्र 1,000 रुपये और उससे अधिक टर्नओवर वालों को मात्र 2,000 रुपये सालाना शुल्क देना होता है। अब नगर पंचायत प्रशासन अवैध कारोबार चलाने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी में है। पिछले कुछ महीनों से चल रहे विशेष अभियान के बाद भी स्थिति में ज्यादा सुधार नहीं हुआ है। नगर पंचायत ने अब ऐसे सभी दुकानदारों को चिह्नित कर नोटिस भेजने की कवायद में जुट गई है।नियमों के उल्लंघन करने वालों से न केवल बकाया राशि वसूली जाएगी, बल्कि जुर्माना भी लगाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि अगर सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठान ट्रेड लाइसेंस लें तो नगर पंचायत को सलाना लाखों रूपयों का राजस्व मिल सकता है। यह राशि नगर पंचायत की सफाई, सड़क, नाला, बिजली और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं के विकास में मददगार साबित होगी।

कौआकोल में आयोजित दिव्यांग शिविर में 22 लाभुकों ने दिया आवेदन

निज संवाददाता | कौआकोल (नवादा)

प्रखण्ड मुख्यालय परिसर अवस्थित सभागार भवन में रविवार को जिला प्रशासन के निर्देश पर दिव्यांग प्रमाणीकरण एवं यूडीआईडी कार्ड बनाने को लेकर शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें 22 लाभुकों ने दिव्यांग पहचान पत्र एवं यूडीआईडी बनाने को लेकर आवेदन दिया। कौआकोल पीएचसी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० रामप्रिय सहगल ने बताया कि योग्य लाभुकों को दिव्यांगता पहचान कर उन्हें यूडीआईडी निर्गत किए गए। कार्यपालक सहायक अनिल कुमार ने बताया कि कौआकोल बीडीओ डॉ० अखिलेश कुमार के देखरेख में लगाए गए शिविर में 22 दिव्यांगजनों ने उपस्थित होकर आवेदन दिया।

संक्षिप्त समाचार

10 लाख की साइबर ठगी, नालंदा के दो लोग गिरफ्तार

आरा। भोजपुर पुलिस ने 10 लाख 35 हजार की साइबर ठगी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से दो मोबाइल फोन और छह बैंक पासबुक जब्त की गई हैं।घटना 16 जनवरी 2025 का है। बड़हरा थाना क्षेत्र के रामपुर गांव के निवासी अशोक कुमार सिंह ने एसीसी सीमेंट कंपनी का नंबर गूगल क्रोम पर सर्च किया था। उन्हें टोल फ्री नंबर 18001033444 मिला। कॉल करने पर साइबर अपराधियों ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताया और 10 लाख 35 हजार रुपए की ठगी कर ली। पीड़ित ने इस मामले में 23 जनवरी 2025 को भोजपुर साइबर थाना में केस संख्या 06/25 दर्ज किया गया। घटना की जांच और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए साइबर थाना प्रभारी सह पुलिस उपाधीक्षक अबू सैफी मुर्तजा के नेतृत्व में एक विशेष टीम बनाई गई। टीम में पुलिस अवर निरीक्षक मो. अली, जितेन्द्र कुमार और सशस्त्र बल शामिल थे। तकनीकी और मानवीय सूचना के आधार पर टीम ने नालंदा जिले से दो आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार आरोपियों में गौतम कुमार है।वह गौरी बिगहा, थाना चंडी का रहने वाला है। दूसरा मिथुन कुमार, सोहराडीह, थाना तेलमर का निवासी है। पूछताछ में दोनों ने ठगी की बात कबूल की। साथ ही बताया कि इस गिरोह में और लोग भी शामिल हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

96 महादलित टोलों में 22 योजनाओं का मिला लाभ

आरा। जिले के 96 महादलित टोलों में डॉ. अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत शनिवार को विशेष कैंप लगाए गए। यह कैंप 19 अप्रैल से तय रोस्टर के अनुसार चल रहे हैं। इस दौरान कुल 22 विभाग की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आवेदन लिए गए। कई मामलों का समाधान मौके पर ही किया गया। शेष आवेदनों के निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बता दें कि जिलाधिकारी तनय सुल्तानिया के निर्देश पर जिले में सभी महादलित टोलों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। यह अभियान दो महीने तक चलेगा। ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति लाभ से वंचित न रहे।

अकाउंटिंग के छात्रों को मिला प्रमाण पत्र

कोईलवर। स्थानीय कोईलवर प्रखंड परिसर में पीएनबी ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, भोजपुर (आरसेटी) के तत्वावधान में आयोजित 38 दिवसीय असिस्टेंट बुक कीपर अर्थात कंप्यूटर एकाउंटिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम शनिवार को सम्पन्न हो गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भोजपुर जिले के 35 प्रशिक्षुओं ने भाग लिया। प्रशिक्षक राकेश कुमार कर्ण ने ऑपरेटिंग सिस्टम, कम्प्यूटर अकाउंटिंग, एमएस ऑफिस, इंटरनेट एक्सेस व जीएसटी रिटर्न के बारे में विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया। सभी प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। प्रमाण पत्र प्रदान करने के बाद निदेशक राणा संजीत ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में संस्थान द्वारा कम्प्यूटर का यह पहला आवासीय प्रशिक्षण था।

बच्चों ने किया मां का सम्मान

आरा। डांस इज लाइफ, चंदवा में मातृ दिवस पर कार्यक्रम हुआ। शुरुआत सभी माताओं ने केक काटकर की। इसके बाद बच्चों ने अपनी मां को ताज पहनाया। बेस्ट मां बैच लगाकर सम्मानित किया। बच्चों ने मेरी मां, पूजा है तुझको, मां जैसे गीतों पर नृत्य प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में अप विकास आयुक्त डॉ. अनुपमा सिंह और कला संस्कृति विभाग की पदाधिकारी अनुप्रिया अतिथि रहीं। संस्था के निदेशक आशुतोष दीक्षित ने सभी माताओं का स्वागत किया। मंच संचालन आद्रिका कौशल ने किया। अध्यक्षता शुभिका अंजली, वामिका कौशल, अभिषेक, गोलू, आदिती, वंशिका और हरेश ने की। कार्यक्रम में शशिकला दीक्षित और मधुलिका सिन्हा भी मौजूद थी।

बीएसडीएवी में शिक्षकों के लिए नवाचार कार्यशाला

आरा। बीएस डीएवी पब्लिक स्कूल में चल रही तीन दिवसीय शिक्षण संवर्धन कार्यशाला के दूसरे दिन शिक्षकों ने कई नवाचार विधियों को सीखा। कार्यशाला में नर्सरी और प्राथमिक कक्षाओं के लिए संचालित ईईडीपी सत्र सबसे आकर्षक रहा। इसमें बैगलेस डे, आर्ट इंटिग्रेशन, चाइल्ड इवैलुएशन, टीएलएम और चाइल्ड क्राफ्ट कीट के उपयोग पर रचनात्मक गतिविधियाँ हुईं। गणित विषय में कॉमन एरर, एंगल कंस्ट्रक्शन, कोऑर्डिनेट्स, सराउंडिंग से जियोमेट्री सिखाने और गणित पढ़ाने की रणनीतियों पर चर्चा हुई। समाज विज्ञान में ई-लेसन प्लान, गतिविधियों का निर्माण, मेल मर्ज एडवांस, गेमिफिकेशन, स्प्रे डायग्राम और कंप्यूटर डायग्राम पर काम हुआ। साइबर सुरक्षा पर भी जानकारी दी गई। हिंदी विषय में आंतरिक मूल्यांकन में नवाचार, वर्तनी शुद्धि, अनुस्वार-अनुनासिक, गद्य-पद्य में नवाचार, साहित्य का समन्वित शिक्षण और व्याकरण की रोचक गतिविधियाँ कराई गईं। विज्ञान में विभिन्न कोशिकाओं का लाइव डेमोंस्ट्रेशन किया गया। कार्यशाला में खेल-खेल में और कर के सीखने की विधियों पर विशेष ध्यान दिया गया। सभी प्रतिभागियों ने गतिविधियों को रुचिपूर्वक समझा और सीखा। प्रधानाचार्या नीशू जायसवाल ने बताया कि कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों की क्षमता और कौशल का संवर्धन है।

ब्रज गोपिका सेवा मिशन की 20 दिवसीय प्रवचन के दौरान डॉ युगल शरण ने कहा

आरा। ब्रज गोपिका सेवा मिशन की 20 दिवसीय प्रवचन के 14वें दिन, रामलीला मैदान में, डॉ युगल शरण ने कहा कि संसार शरीर से किए कर्म को देखता है, लेकिन भगवान मन को देखते हैं। भगवान कहते हैं कि मुझे शरीर नहीं, मन चाहिए। तुम मुझे शरीर देते हो, जबकि शरीर से तो संसार वालों को काम चाहिए। उन्हें मन नहीं चाहिए, मुझे मन दो। स्वामी जी ने कहा कि भगवान के लिए कर्म करना जरूरी नहीं, फिर भी वे अवतार लेकर कर्म करते हैं। वे प्राकृत नर के समान आचरण करते हैं ताकि उनके कर्मों से जीवों को प्रेरणा मिले। उन्होंने महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा कि महापुरुष जिस मार्ग पर चलते हैं, वही मार्ग अनुकरणीय होता है। यदि भगवान स्वयं अकर्मण्य बन जाएं, तो जीव विकर्मी बन जाएंगे। आध्यात्मिक धर्म,पर धर्म कहा जाता है स्वामी जी ने बताया कि दो प्रकार के धर्म होते हैं—शारीरिक धर्म, जिसे वर्णाश्रम धर्म या अपर धर्म कहा जाता है, और आध्यात्मिक धर्म, जिसे पर धर्म कहा जाता है। भगवान ने यह शरीर शारीरिक धर्म के लिए नहीं दिया है। हमें आत्मा का धर्म अपनाना है। जब आध्यात्मिक धर्म अपनाया जाता है, तब शारीरिक धर्म का पालन आवश्यक नहीं रह जाता।

बक्सर में अवैध खनन पर प्रशासन का एक्शन, 288 वाहन जब्त

4.3 करोड़ का वसूला जुर्माना

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर में अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। जिला पदाधिकारी अंशुल अग्रवाल के नेतृत्व में चलाए गए अभियान में वित्तीय वर्ष 2024-25 में 1046 छापेमारी की गई। मामले में जानकारी देते हुए प्रभारी खनिज विकास पदाधिकारी कृष्णा कुमार ने बताया कि इस दौरान 288 वाहनों को जब्त किया गया। इनमें 97 ओवरलोड ट्रक, 117 गीला बालू लदे ट्रक और 71 बिना ढके हुए लघु खनिज वाले ट्रक शामिल हैं। साथ ही 3 बिना लाल पट्टी के वाहन भी जब्त किए गए।

4.3 करोड़ की वसूली: प्रशासन ने अवैध खनन में लिप्त वाहन मालिकों से 4 करोड़ 3 लाख 39 हजार रुपए का जुर्माना वसूला। इस कार्रवाई में 9 प्राथमिकी दर्ज की गईं और एक गिरफ्तारी हुई। वित्तीय वर्ष 2025-26 के अप्रैल माह में 27 वाहनों से 28 लाख 6 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। अवैध खनन रोकने के लिए दलसागर टॉल प्लाजा और वीर कुंवर सिंह सेतु पर दंडाधिकारी और पुलिस बल तैनात किए गए हैं। यातायात पुलिस बालू लदे वाहनों को NH-922 पर एक लेन में चलवा रही है। वीर कुंवर सेतु के पास खनन, परिवहन और मद्य निषेध विभाग का नया इंटीग्रेटेड चेकपोस्ट बनाया गया है।

अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई रहेगी जारी: खनिज विकास पदाधिकारी ने कहा कि अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने वाहन मालिकों से विभागीय नियमों का पालन करने की अपील की है।

शॉर्ट सर्किट से उठी चिंगारी बंद दुकान में लगी आग

निज संवाददाता। बक्सर

रविवार को बक्सर के पीपी रोड स्थित एक बंद कपड़े की दुकान में अचानक आग लग गई, जिससे वहां रखे लाखों रुपये मूल्य के कपड़े और अन्य सामान जलकर खाक हो गए। शुरुआती जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

दुकान से धुआं उठता देख दमकल को किया फोन: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुकान से धुआं उठता देख स्थानीय लोगों ने तुरंत दमकल विभाग और डायल 112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां और डायल 112 की दो टीमें मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने के प्रयास में जुट गईं।

दो लाख का कपड़ा जलकर राख: दुकान के मालिक गोलू केशरी ने बताया कि दुकान पिछले कुछ समय से बंद थी, लेकिन अंदर करीब दो लाख रुपए का कपड़े का स्टॉक रखा हुआ था। दुर्भाग्यवश आग की चपेट में आकर वह सारा सामान नष्ट हो गया।

स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू: अग्निशमन निरीक्षक सत्यदेव कुमार ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही तुरंत दमकल की दो गाड़ियों को घटनास्थल पर रवाना किया गया। स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाया गया है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय प्रशासन और दमकल विभाग की त्वरित कार्रवाई से बड़ी दुर्घटना टल गई, लेकिन इस घटना ने बिजली सुरक्षा और बंद दुकानों की निगरानी को लेकर कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

आरा रेलवे स्टेशन पर चलती ट्रेन से गिरी महिला

निज संवाददाता। आरा

आरा रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर एक पर चलती ट्रेन से नीचे उतरते समय एक महिला नीचे गिर गई। गंभीर हालत में यात्रियों की मदद से RPF ने सदर अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया। घायल ऋतु देवी(28) बक्सर के बिशुपुर गांव की रहने वाली है।

नीचे उतरते समय फिसला पैर: परिजनों ने बताया कि ऋतु अकेले बक्सर के ब्रह्मपुर मंदिर में पूजा करने गई थी। वहां से अपने पिता के घर गौसगंज जा रही थी। आरा स्टेशन पर ट्रेन की रफ्तार जैसे ही धीमी हुई वो उतरने लगी। इस दौरान उनका पैर फिसल गया। नीचे गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गईं। दस साल पहले मुनीब से शादी हुई थी। मोहित(9) और रोहित(7) 2 बेटे हैं। सदर अस्पताल में ऑन ड्यूटी डॉक्टर आशुतोष ने बताया कि महिला के सिर में गंभीर चोट है। इमरजेंसी वार्ड में प्राथमिक इलाज किया गया। गंभीर हालत को देखते हुए पटना रेफर कर दिया गया है।

सड़क हादसे में ट्रेलर चालक की मौत, गिट्टी लेकर मोतिहारी जा रहा था, खड़े ट्रक में पीछे से मारी टक्कर

निज संवाददाता। आरा

आरा-मोहनिया नेशनल हाईवे धनगाई थाना क्षेत्र के बजरंग चौक के पास रविवार को सड़क किनारे खड़ी ट्रक में ट्रेलर ने टक्कर मार दी । इस हादसे में ट्रेलर चालक की मौके पर ही मौत हो गई। अन्य लोगों की मदद से ट्रेलर में दबे चालक को बाहर निकाला गया और घटना की जानकारी स्थानीय थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और हादसे की खबर मृत चालक के परिजनों को दी।

पुलिस ने शव का सदर अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाया। मृत चालक उत्तर प्रदेश के चंदौली के बनुआ थाना क्षेत्र के सोनवर्षा टंडा कला गांव निवासी राम जन्म कुमार के 23 साल का बेटा

गिट्टी लेकर जा रहे थे मोतिहारी: जय किशन है। घटना की जानकारी देते हुए अन्य ट्रक चालक धीरज ने बताया कि अलग-अलग ट्रकों पर अरोड़ा से मोतिहारी गिट्टी लेकर जा रहे थे। धनगाई थाना से 200 मीटर दूरी पर गेहूं लदा ट्रक खड़ी थी। तभी अज्ञात वाहन के चकमे से ट्रेलर बेकाबू होकर ट्रक से टकरा गई। हादसे के बाद जब हम लोग पीछे से आ रहे थे, तभी देखा कि ट्रक से ट्रेलर की टक्कर हो गई है। काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला गया। उसके बाद जय किशन के परिजनों को सूचना देकर आरा बुलाया गया।

ट्रेन से गिरकर मूंगफली बेचने वाले की मौत, आरा में चलती ट्रेन पर चढ़ने के दौरान हुआ हादसा

निज संवाददाता। आरा

दानापुर-पीडीडीयू रेलखंड पर आरा स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर तीन पर शनिवार को हिमगिरि जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन से गिर कर एक मूंगफली बेचने वाले की मौत हो गई। इलाज के दौरान सदर अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में उन्होंने दम तोड़ दिया। घटना को लेकर लोगों के बीच अफरा-तफरी का माहौल हो गया। मृतक उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिला के दिलदारनगर थाना क्षेत्र के दिलदारनगर निवासी निजाम अली के 52 साल के बेटे मो.अकबर अली थे। वह पेशे से मजदूर थे। मृतक के बेटे शकील अहमद ने बताया कि हर रोज दिलदारनगर से दानापुर तक मूंगफली बेचने का काम करते थे। आज भी शनिवार को दिलदार नगर से आरा स्टेशन आए थे। जब वापस प्लेटफार्म नंबर तीन से हिमगिरि जम्मूतवी एक्सप्रेस ट्रेन पर दिलदारनगर वापस लौटने के लिए चढ़ रहे थे।

इलाज के दौरान गई जान: वह ट्रेन से गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए। जीआरपी थाना पुलिस की ओर से उन्हें आरा सदर अस्पताल ले गया और उन्हें इस घटना की सूचना दी गई। सूचना पाकर परिजन आरा सदर अस्पताल पहुंचे। जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। जीआरपी थाना की ओर से उनके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। परिजन उनके शव को वापस दाह-संस्कार के लिए दिलदारनगर ले गए। मृतक के परिवार में पत्नी फरजाना खातून व तीन बेटा शकील अहमद,अतहर अहमद,एजाजुलहक़ और एक बेटी शिब्बी है। घटना के बाद मृतक की पत्नी फरजाना खातून व परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

आरा में 2 बाइकों की आपस में टक्कर, हादसे में 6 लोग घायल

2 दोस्तों की हालत गंभीर, इलाज के लिए पटना रेफर

निज संवाददाता। आरा

आरा-सासाराम स्टेट हाईवे पर 2 बाइकों की आपस में टक्कर हो गई। हादसे में तीन दोस्त समेत 6 लोग घायल हो गए। तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है। डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए पटना रेफर कर दिया है। घायलों की पहचान मरांव गांव निवासी नंद लाल कुमार(19), प्रभु कुमार(19), गणेश कुमार(23) के तौर पर हुई है। तीन अन्य घायलों की पहचान नहीं हो सकी है। घटना चरपोखरी थाना क्षेत्र के चरपोखरी पेट्रोल पंप के पास की है।

एक ही बाइक से 3 दोस्त मेला देखने गए थे: प्रभु कुमार ने बताया कि दोस्त नंद लाल कुमार और गणेश कुमार के साथ एक ही बाइक से नगरी गांव यज्ञ देखने गया था। वहां से लौटते समय चरपोखरी पेट्रोल पंप के पास विपरीत दिशा से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद हम तीनों गाड़ी से नीचे गिर गए। दूसरे बाइक पर 2 लड़की और एक लड़का था। उन्हें भी चोटें आई हैं। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया।

आरा तनिष्क लूटकांड में शामिल हिस्ट्रीशीटर हुआ गिरफ्तार

अपराधियों को बाइक और हथियार उपलब्ध करवाया था, मार्च में 10 करोड़ की हुई थी लूट

निज संवाददाता। आरा

भोजपुर पुलिस ने तनिष्क शोरूम लूटकांड में शामिल हिस्ट्रीशीटर सन्नी कुमार राय को गिरफ्तार किया है। हथियार और बाइक उपलब्ध कराने में इसकी भूमिका थी। सन्नी वैशाली जिले के मंझौली गांव का रहने वाला है। जिले के पांच थानों में डकैती, लूटपाट, आर्म्स एक्ट समेत 9 केस दर्ज है। जेल में बंद कुख्यात चंदन गैंग का सदस्य है। एसपी राज ने बताया कि अब तक इस मामले में मास्टरमाइंड, लाइनर समेत 19 अपराधियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। जबकि, अररिया का चुनमुन झा पुलिस मुठभेड़ में मारा जा चुका है। सन्नी राय पर डकैती, लूट

10 करोड़ की हुई थी लूट: आरा में 10 मार्च को तनिष्क शोरूम में 10 करोड़ की ज्वेलरी की लूट हुई थी। 6 अपराधी 3 झोले में लूट का सामान लेकर भागे थे। लूट के दौरान शो रूम के गार्ड की राइफल अपराधियों ने छीन ली थी। उसे गिरफ्तार बदमाशों की निशानदेही पर शोरूम से करीब 20 किमी दूर झाड़ी से बरामद कर लिया गया था।

तिलक समारोह में हर्ष फायरिंग अचानक पहुंची पुलिस से हड़कंप

बक्सर में दो आरोपी गिरफ्तार, चार देशी कट्टा सहित कारतूस बरामद

निज संवाददाता। बक्सर

बक्सर के तिलक समारोह के दौरान हर्ष फायरिंग की सूचना पर पुलिस ने गिरफ्तारी की है। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरज कुमार के नेतृत्व में हुई कार्रवाई में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई राजपुर थाना क्षेत्र के ग्राम डिहरी में हुई।

हर्ष फायरिंग की सूचना पर कार्रवाई: पुलिस को श्याम नारायण राजभर के बेटे राम एकबाल के तिलक समारोह में हर्ष फायरिंग की सूचना मिली। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम ने छापेमारी की। पुलिस को देख कुछ लोग भगाने का प्रयास करने लगे, लेकिन पुलिस ने घर को चारों तरफ से घेर लिया था।

देशी कट्टा-कारतूस बरामद, दो धराए: पुलिस ने राम एकबाल और चांद उर्फ चनवा को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के पास से चार देशी कट्टा और एक कारतूस बरामद हुआ। हालांकि, इस दौरान दो अन्य आरोपी पुलिस को चकमा दे फरार हो गए।

फरार अपराधियों की तलाश जारी: राजपुर थाना में कांड संख्या 156/25 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। डीएसपी ने कहा की फरार होने वाले आरोपियों की पहचान कर पुलिस गिरफ्तारी के लिए छापेमारी किया जा रहा है। गिरफ्तार आरोपियों का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। इस कार्रवाई में एसडीपीओ धीरज कुमार, थाना अध्यक्ष संतोष कुमार, अवर निरीक्षक रौशन अली और सशस्त्र बल शामिल थे। क्षेत्र में कानून व्यवस्था को लेकर सकारात्मक संदेश गया है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

टीएनबी और मारवाड़ी कॉलेज में भी नामांकन के लिए आवेदन 200 रुपए में

भागलपुर। टीएमबीयू में स्नातक के सत्र 2025-29 में नामांकन के लिए आवेदन का शुल्क एकसमान रहेगा। यानी अब किसी भी कॉलेज में नामांकन के लिए आवेदन करने के लिए छात्रों को 200 रुपए ही देंगे होंगे। मारवाड़ी कॉलेज ने शुल्क में की गई वृद्धि वापस ले ली है। जबकि टीएनबी कॉलेज ने कहा है कि यहां भी 250 नहीं बल्कि 200 रुपए ही शुल्क लिया जाएगा। एसएम कॉलेज और बीएन कॉलेज में पहले ही 200 रुपए शुल्क तय था। शुक्रवार को आवेदन करने का पहला दिन था और विभिन्न कॉलेजों ने आवेदन के लिए अलग-अलग शुल्क लेने की बात कही थी। दैनिक भास्कर ने इसकी खबर छापी थी। और शनिवार को टीएनबी कॉलेज और मारवाड़ी कॉलेज ने अन्य कॉलेजों की तरह ही शुल्क लेने की बात कही। प्राचार्य प्रो. एसएन पांडेय ने कहा था कि टीएमबीयू के डीएसडब्ल्यू ने कहा है कि अब तय किया है कि शुल्क 200 रुपए ही लिए जाएंगे। डीएसडब्ल्यू प्रो. बिजेंद्र कुमार ने स्नातक के नामांकन को लेकर कहा है कि सभी अंगीभूत और संबद्ध कॉलेज छात्रों से आवेदन शुल्क 200 रुपए ही लें।

कटिहार ने अररिया को छह रन से हराया

भागलपुर। बिहार क्रिकेट एसोसिएशन और भागलपुर जिला क्रिकेट संघ की ओर से कराई जा रही अंगिका जोन मेंस अंडर-16 वन डे ट्रॉफी शनिवार को कटिहार और अररिया के बीच खेली गयी। सैंडिस कंपाउंड स्टेडियम में खेले गए मैच में अररिया ने टॉस जीत पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। कटिहार की टीम 34.4 ओवर में 163 रन पर आउट हो गई। टीम की ओर से पीयूष कुमार ने 59 रन बनाए। गेंदबाजी में अररिया की ओर से याक्षेंद्र ने तीन और अंकित ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी अररिया की टीम 43.3 ओवर में 157 रन ही बना पाई और मैच हार गई। अररिया की ओर से बल्लेबाजी में पार्थ ने 45 और और अरमान ने 30 रन बनाकर संघर्ष किया पर ये जीत के लिए काफी नहीं था। कटिहार की ओर से गेंदबाजी में अभिनव और आदित्य गुप्ता ने दो-दो तथा इरफान ने एक विकेट लिया।

यूपी की जीत, गोवा-महाराष्ट्र को वॉकओवर

भागलपुर। खेलो इंडिया यूथ गेम्स के तहत बैडमिंटन प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए 15 मैच में सबसे पहला मैच उत्तर प्रदेश की स्नोई गोस्वामी और महाराष्ट्र की जे कुंदन चौधरी के बीच हुआ। पहले सेट में यूपी की खिलाड़ी ने एकतरफा बढ़त बनाई। दूसरे सेट के लिए महाराष्ट्र की खिलाड़ी पिछड़ने के बाद अच्छा खेल रही थी, लेकिन महाराष्ट्र को अपने अच्छे शॉट से यूपी ने छकाया। यूपी ने महाराष्ट्र को 21-13 और 21-14 से हराया। इससे पहले खेल का उद्घाटन डीएम-एसएसपी ने कोर्ट-1 में बैडमिंटन खेलकर किया। दूसरे मैच में तमिलनाडु की अधीरा राजकुमार ने तेलंगाना की वेदस्वी वासीरेड्डी को भी एकतरफा मुकाबले में हरा दिया। तेलंगाना की खिलाड़ी पहले सेट में तमिलनाडु के आसपास भी स्कोर नहीं कर पा रही थी। दूसरे सेट में दोनों के बीच टक्कर रही लेकिन तमिलनाडु ने 21-6 व 21-17 से वेदस्वी को हराया। गोवा की चेल्लुरी यशीला रीतीका को कर्नाटक की शैना से वाकओवर मिला। महाराष्ट्र की नीषिका हेमंत को तमिलनाडु की कमलिका रामानी से वाकओवर मिला। राजस्थान की पारुल चौधरी ने मेघालय की स्नेहा छेत्री को अंतर से हराया।

दो दिन बंद रहेंगे एमयू व कॉलेज

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय के मुख्यालय और सभी कॉलेज रविवार और सोमवार को बंद रहेंगे। रविवार को साप्ताहिक अवकाश रहेगा। सोमवार 12 मई को बुद्ध पूर्णिमा के कारण अवकाश रहेगा। यह अवकाश राजभवन से स्वीकृत कैलेंडर के अनुसार घोषित किया गया है। इसके बाद 13 मई मंगलवार से विश्वविद्यालय का मुख्यालय और सभी कॉलेज फिर से खुलेंगे।

स्कूलों में विद्यार्थी सीखेंगे आपात स्थिति में सुरक्षित रहने के गुर

भागलपुर। जिले के स्कूलों में विद्यार्थियों को मॉक ड्रिल का प्रशिक्षण दिया जाएगा। बच्चों को आपात स्थिति और घबराहट के माहौल में खुद को और दूसरों को सुरक्षित रखने की जानकारी दी जाएगी। उन्हें यह भी सिखाया जाएगा कि ऐसे समय में अपने परिवार, साथियों और आसपास के लोगों की मदद कैसे करें। प्रशिक्षण के दौरान बच्चों को यह समझाया जाएगा कि संकट की घड़ी में एकजुट रहकर कैसे सुरक्षित निकला जा सकता है। यह कार्यक्रम "सुरक्षित शनिवार' के तहत चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले के दो सरकारी स्कूलों में बच्चों को प्रशिक्षण दिया गया। रामकृष्ण आश्रम और मध्य विद्यालय भगवानपुर सन्हौला में छात्रों को मॉक ड्रिल के जरिए आपदा प्रबंधन की जानकारी दी गई। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को मानसिक रूप से तैयार करना है, ताकि किसी भी आपात स्थिति में वे घबराएं नहीं और सही निर्णय ले सकें।

समग्र विद्यालय अनुदान का हिसाब 25 मई तक देना होगा

भागलपुर। सरकारी स्कूलों को हर साल नामांकन के आधार पर समग्र विद्यालय अनुदान की राशि दी जाती है। यह राशि राष्ट्रीय शिक्षा मिशन के तहत मिलती है। लेकिन खर्च के बाद भी कई स्कूलों की वीएसएस या एसएमडीसी समितियों से उपयोगिता प्रमाण-पत्र नहीं मिल पा रहा है। इससे यह तय नहीं हो पा रहा कि राशि का सही उपयोग हुआ या नहीं। अब शिक्षा विभाग ने सभी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में मिली राशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र तय प्रपत्र में 25 मई 2025 तक जमा करें। सभी स्कूलों से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी समेकित सूची तैयार कर अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को भेजनी होगी। इसके बाद प्रमाण-पत्रों की जांच कर रिपोर्ट राज्य कार्यालय को भेजी जाएगी।

एसी और पंखे से खिलाड़ी हो रहे परेशान

भागलपुर। यूपी की कोच शोभा गुप्ता ने कहा कि खिलाड़ियों के लिए पंखे और एसी परेशानी खड़ी कर रहे हैं। इससे शाट मारने पर कॉक अपनी दिशा में ज्यादा तेज मूव कर रही है। उन्होंने अधिकारियों से पंखे और एसी बंद कराने की बात कही। महाराष्ट्र की खिलाड़ी निशिका व बिहार के कटिहार की रहने वाली वैभवी सिंह ने भी कहा कि पंखे व एसी के कारण जो समस्या हो रही है। खिलाड़ी स्नोई गोस्वामी ने बताया कि भारतीय सेना पाकिस्तान के साथ जो कर रही है वो सही है। स्नोई की मां सोनिया गोस्वामी ने कहा कि देश हित में जो हो रहा है अच्छा है।

एनएसएस के स्वयंसेवकों को अलर्ट रहने का निर्देश

भागलपुर। भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बीच टीएमबीयू की एनएसएस इकाई को अलर्ट मोड में रहने को कहा गया है। इकाई को इसका निर्देश क्षेत्रीय निदेशालय ने पत्र के जरिए दिया है। विवि में एनएसएस के समन्वयक राहुल कुमार ने बताया कि निदेशालय ने कहा है कि विवि के अधीन संचालित सभी इकाइयों के स्वयंसेवकों की अद्यतन सूची बनाई जाए जिनकी सेवा आवश्यकता पड़ने पर युद्ध काल में ली जा सकती है। पूर्व के वर्षों में भी विभिन्न क्षेत्रीय संघर्षों, युद्ध या आपदा में एनएसएस के स्वयंसेवक सिपाही बनकर सेना के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करते रहे हैं। सिविल डिफेंस में भी इन्हें लगाया जाता है और इसी कारण एनएसएस स्वयंसेवकों को व्हाइट टाइगर के रूप में जाना जाता है।

16 तक भरें पार्ट-3 का परीक्षा फॉर्म

मुंगेर। मुंगेर विश्वविद्यालय ने स्नातक पार्ट-3, सत्र 2022-25 के विद्यार्थियों के लिए परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया 7 मई से शुरू की है। अब तक 1193 विद्यार्थियों ने फॉर्म भरा है। पीआरओ डॉ. प्रियरंजन तिवारी ने बताया कि पोर्टल 7 मई से खोला गया है। विद्यार्थी 14 मई तक बिना विलंब शुल्क फॉर्म भर सकते हैं। 15 और 16 मई को 100 रुपये अतिरिक्त शुल्क के साथ फॉर्म भरे जा सकेंगे। बिना विलंब शुल्क 500 रुपये और विलंब शुल्क के साथ 600 रुपये जमा करने होंगे। फॉर्म भरने से पहले विद्यार्थियों को अपने कॉलेज में दस्तावेज सत्यापन कराना जरूरी होगा।

2 पक्षों में मारपीट, 12 लोग जखमी राजद जिलाध्यक्ष पर आरोप

ग्रामीण बोले- मैदान की जमीन पर कब्जा करने की कोशिश

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के मधुसुदनपुर थाना क्षेत्र के मनोहरपुर गांव में रविवार को आपसी विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो पक्षों के बीच लाठी-डंडों से जमकर मारपीट हुई। इस घटना में एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। सभी घायलों को नाथनगर रेफरल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विवादित जमीन एक मैदान है, जिसका इस्तेमाल स्थानीय युवा सालों से बिहार पुलिस, होमगार्ड और सेना की तैयारी के लिए करते आ रहे थे। ग्रामीणों का आरोप है कि राजद जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर यादव ने भू-माफियाओं के साथ मिलकर इस मैदान पर कब्जा करने की कोशिश की। शनिवार को जेसीबी से मैदान को नुकसान पहुंचाया गया। जब ग्रामीणों ने इसका विरोध किया, तो रविवार को स्थिति हिंसक हो गई।

जबरन जमीन कब्जा करने के प्रयास का आरोपः ग्रामीणों ने चंद्रशेखर यादव के समर्थक रामजी यादव और अन्य लोगों पर भी जबरन कब्जे का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

घटना के बाद से गांव में तनाव का माहौल है। दोनों पक्षों ने थाने में आवेदन दिया है। थाना अध्यक्ष ने कहा है कि मामले पर जल्द कार्रवाई की जाएगी। दोनों पक्षों के आवेदन पर विचार किया जा रहा है। मामले को लेकर RJD जिलाध्यक्ष चंद्रशेखर यादव से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। फिलहाल, कुछ जख्मी को रेफर कर दिया गया है। घायल का कहाना है कि जाते-जाते जिला अध्यक्ष ने घायलों से कहा कि जहां भी शिकायत करना है, कर लो, हम यहां के जिला अध्यक्ष है। कोई कुछ नहीं कर पाएगा।

कैंप में राशन कार्ड और जन्म प्रमाण पत्र बांटे

निज संवाददाता। टेटिया बंबर

प्रखंड की भुना पंचायत के जगतपुरा दास टोला और नोनाजी पंचायत के संथाल टोला बनर कोला में शनिवार को विशेष शिविर लगाया गया। शिविर में प्रखंड के विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी मौजूद रहे। राजस्व पदाधिकारी विकास कुमार और कार्यक्रम पदाधिकारी दिलीप कुमार ने अनुसूचित जाति और जनजाति परिवारों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। साथ ही उनके आवेदन लेकर त्वरित निष्पादन की प्रक्रिया शुरू की गई।

जगतपुरा दास टोला में 13 लोगों को राशन कार्ड बांटे गए। शिविर में उज्ज्वला योजना, स्कूलों में नामांकन, जन्म और मृत्यु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड बनवाने, कुशल युवा प्रोग्राम, कौशल विकास कार्यक्रम, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, ई-श्रम कार्ड, आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड, स्वास्थ्य शिविर, प्रधानमंत्री आवास योजना, वास भूमि बंदोबस्ती, सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, बुनियाद केंद्र से जुड़ी योजनाएं, हर घर नल जल योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण पक्की गली-नाली निश्चय योजना, मनरेगा जॉब कार्ड, प्रधानमंत्री जनधन योजना, बिजली कनेक्शन और शौचालय योजना की जानकारी दी गई। वहीं, नोनाजी पंचायत के संथाल टोला बनर कोला में भी शिविर हुआ। इसकी अध्यक्षता कार्यक्रम पदाधिकारी दिलीप कुमार ने की। यहां जन्म प्रमाण पत्र के लिए 15, आवास योजना के लिए 9, मृत्यु प्रमाण पत्र और राशन कार्ड के लिए एक-एक आवेदन मिले। सभी आवेदन संबंधित विभागों को भेजे गए। ताकि जल्द निपटारा हो सके। शिविर में बड़ी संख्या में अनुसूचित जाति और जनजाति परिवारों ने भाग लिया। लोगों ने योजनाओं की जानकारी ली। मौके पर विकास मित्र रीना कुमारी, टोला सेवक अशोक कुमार और कार्तिकी कुमारी,डीलर अजय दास मौजूद रहे। संबंधित विभागों द्वारा आवेदनों पर जल्द कार्रवाई की जाएगी।

गोशाला में लगी आग, 6 गाय की मौत, 5 लाख से अधिक का नुकसान

दुश्मनी में आग लगाने की आशंका

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में आगजनी की घटना सामने आई है। रविवार को पीरपैंती के टोपरा टोला स्थित तीन गौशाला में भीषण आग लग गई। आग की चपेट में आने से आधा दर्जन से अधिक मवेशियों की जलकर मौत हो गई। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग इतनी विकराल थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर पहुंची। सभी ने मिलकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था। आग की लपटों ने पूरे गोशाला को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे अंदर बंधे मवेशियों को बाहर निकालना मुश्किल हो गया।

पांच लाख रुपए से अधिक का नुकसानः दमकल की टीम के पहुंचने से पहले ही गोशाला पूरी तरह जल चुका था। प्रभावित गोशाला के मालिक ने बताया कि इस हादसे में पांच लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ है। गायों के लिए रखा गया चारा, बांस-बल्ले, टीन की छत और अन्य सामग्री जलकर खाक हो गई है। लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। लोगों ने स्थानीय प्रशासन को सूचना दे दी है। स्थानीय विवेक ने बताया कि रविवार को क्षेत्र में तीन गौशालाओं में आग लग गई। इससे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

छात्रा ने की आत्महत्या, दोस्त के कमरे में मिला शव, प्रेमी से विवाद की आशंका

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर में शनिवार रात एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। उसका शव हॉस्टल में दोस्त के कमरे में फंदे से लटका मिला। घटना के समय कमरे में कोई नहीं था। मृतका की दोस्त ट्यूशन पढ़ने गई थी। ट्यूशन से लौटी तो फंदे से लटका शव दिखा तो पुलिस को सूचना दी। घटना खंजरपुर इलाके के एसएम कॉलेज रोड की है। छात्रा की पहचान रजौन की रहने वाली पल्लवी कुमारी (24) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि पल्लवी पैरामेडिकल कोर्स करने के बाद बहन के घर पर रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करती थी। पल्लवी कभी-कभी अपने दोस्तों से मिलने गर्ल्स हॉस्टल जाती थी। शनिवार की शाम भी मिलने पहुंची थी। कुछ देर बाद तीनों दोस्त ट्यूशन पढ़ने चली गई और अकेले पल्लवी कमरे में थी।

प्रेम-प्रसंग में सुसाइड की आशंकाः बताया जा रहा है कि

भागलपुर में प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रही थी

पल्लवी की पटना के रहने वाले आदित्य कुमार से फेसबुक के जरिए दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच दोस्ती बढ़ी तो आदित्य भागलपुर आकर रहने लगा। पल्लवी ने सुसाइड करने से पहले फोन पर आदित्य से लंबी बातचीत की थी। आशंका जताई जा रही है कि प्रेम-प्रसंग की वजह से ही सुसाइड किया है। बरारी थानाध्यक्ष बिट्टू कुमार कमल ने बताया, 'प्रेमी को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। छात्रा के मोबाइल पर लास्ट कॉल लड़के ने ही किया था। कॉल डिटेल के आधार पर मामले की छानबीन की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।' पल्लवी के ममेरे भाई अजित कुमार ने बताया, 'प्रेम-पसंग का मामला है। भागलपुर में रहकर पढ़ाई करती थी। लड़का पटना का रहने वाला है। पुलिस ने उसे पकड़ा है। दोनों की बातचीत होती थी। इससे ज्यादा कुछ पता नहीं है।'

मेडिकल अफसर बनना चाहती थी बहनः पल्लवी की बड़ी बहन रंजू देवी ने बताया कि 'मेरे घर पर रहकर पढ़ाई करती थी। बहन मेडिकल अफसर बनना चाहती थी। लेकिन इस घटना से हमलोगों को गहरा धक्का लगा है। पूरा परिवार सदमे में है। उसे क्या परेशानी थी, कभी नहीं बताया। सब कुछ नॉर्मल ही था।'

पीट-पीटकर बुजुर्ग की हत्या, दबंगों ने आपसी विवाद में पत्नी और बेटे को घर में घुसकर पीटा

निज संवाददाता। भागलपुर

भागलपुर के कजरेली थाना क्षेत्र में आपसी विवाद में बारात देख रहे बुजुर्ग की पीट-पीटकर हत्या कर दी। विरोध करने पर पत्नी और बेटे को भी मारा। दोनों को गंभीर हालत में मायागंज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बहादुलपुर दरहादी गांव की है। मृतक चंद्र निवास उर्फ नकुल दास(75) के बड़े बेटे सूरज ने बताया कि गांव में शनिवार को शादी थी।

मां गिरिजा देवी और भाई रूस्तम के साथ पिताजी बारात देखने गए थे। डीजे की धुन पर बाराती डांस कर रहे थे। इस दौरान कुछ लोगों से टकरा गए। उस समय जातिसूचक गालियां देते हुए सभी चले गए। कुछ देर बाद 15-20 लोग लाठी-डंडा लेकर पहुंचे और मारपीट करने लगे।

♦ बारात देखने के दौरान हुआ था विवाद

पीट-पीटकर पिताजी को मार डाला। हमलावर नशे में थे। घर में घुसकर मां और भाई को मारा है। हमलोग गरीब हैं, मेहनत-मजदूरी करते हैं। छोटी जाति होने की वजह से बड़ी जाति के लोगों ने निशाना बनाया है। कृष्ण देव ठाकुर, उत्तम ठाकुर, अभिमन्यु ठाकुर, आशीष ठाकुर, विशाल ठाकुर, रविंद्र ठाकुर, राहुल ठाकुर, उज्जवल ठाकुर के अलावे और 7 लोग थे।

सिर पर रॉड से हमलाः डेड बॉडी मायागंज अस्पताल में पड़ी है। अभी तक पोस्टमार्टम नहीं हुआ है। डॉक्टरों के मुताबिक नवीन चंद्र के सिर पर रॉड से हमला किया गया है। 5 से 6 दांत भी टूटे हैं।

थाने में आवेदन नहीं दियाः वहीं, इस संबंध में कजरेली थानाध्यक्ष ने कहा कि घटना की कोई जानकारी नहीं है। अभी तक किसी पक्ष ने आवेदन नहीं दिया है। छानबीन कर रहे हैं। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे।

22 केंद्रों पर होगी कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा

निज संवाददाता। मुंगेर

♦ जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई

बिहार कर्मचारी चयन आयोग, पटना के तत्वाधान में 11 मई रविवार को आयोजित होने वाले कार्यालय परिचारी पद की परीक्षा को लेकर जिलाधिकारी अवनीश कुमार सिंह की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक हुई। कर्मचारी चयन आयोग की परीक्षा दोपहर 12 बजे से अपराह्न 2 बजे तक जिले के 22 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होनी है। परीक्षा शांतिपूर्ण सफल, निष्पक्ष व कदाचारमुक्त हो इसके लिए इसके लिए जिला प्रशासन ने सभी पदाधिकारियों, दंडाधिकारियों एवं केंद्राधीक्षकों के साथ ब्रीफिंग कर जानकारी दी गई। जिलाधिकारी ने कहा कि कार्यालय परिचारी पद के लिए आयोजित परीक्षा को सफलतापूर्वक संपन्न कराना जिला प्रशासन कि जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने सभी नियुक्त पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि सभी अपनी ड्यूटी के दौरान मुस्तैद रहेंगे। किसी भी प्रकार कि कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक ही केंद्र पर प्रवेश कर जाना है। इसके पश्चात किसी को भी प्रवेश नहीं दिया जाएगा। केंद्र में प्रवेश के पूर्व व परीक्षा भवन में अभ्यर्थियों कि हर हाल में फ्रिस्किंग कर लें।

शहर के सभी होटलों और लॉजों में चलाया गया सर्च ऑपरेशन

निज संवाददाता। मुंगेर

भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव को देखते हुए गहन वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। होटल, लॉज, हवाई अड्डा, रेलवे स्टेशन, बस स्टैंड, आईटीसी परिसर और अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। सड़क पर गश्त कर रहे पुलिसकर्मी दोपहिया और चारपहिया वाहनों को रोककर जांच कर रहे हैं। वाहन चालकों की पहचान की जा रही है। गंगा किनारे, दियारा और जंगली इलाकों में भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

शुक्रवार देर रात जिला मुख्यालय और प्रखंड क्षेत्रों के सभी होटल और लॉज में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। होटल में ठहरे लोगों की पहचान की जांच की गई। उनके बैग और सामान की तलाशी ली गई। बस अड्डा, रेलवे स्टेशन और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की भी गहन जांच की गई। साफियाबाद हवाई अड्डे पर देर शाम तक लोगों को बेवजह बैठने से रोका गया। एसपी ने कहा कि वर्तमान हालात को देखते हुए मुंगेर पुलिस हाई अलर्ट पर है।

पानी की समस्या व स्कूल में टीचर कमी का मुद्दा उठाया

निज संवाददाता। मुंगेर

शनिवार को महिला संवाद के 23वें दिन जिले में 12 स्थानों पर महिला संवाद का कार्यक्रम किया गया। संग्रामपुर प्रखंड के दुर्गापुर पंचायत में विधाता जीविका महिला ग्राम संगठन में करीब 224 दीदीयों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जीविका दीदीयों के बीच मुख्यमंत्री के संदेश पत्र पढ़कर सुनाया गया। इसके बाद सरकार की योजनाओं से लाभान्वित कुछ दीदीयों ने अपना अनुभव साझा की।

विधाता ग्राम संगठन वार्ड-10 में बिजली की व्यवस्था करने और जल संकट दूर करने की मांग की। इसके अलावा अनीता देवी ने पंचायत के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षकों की कमी के लिए शिक्षक बढ़ोतरी की मांग की। वार्ड-12 कठौर मुसहरी में पीने का पानी का समुचित व्यवस्था नहीं है।

वहीं बरियारपुर प्रखंड के नीरपुर पंचायत के सरस्वती नगर छोटी काली स्थान के प्रांगण में मां चंडीके जीविका महिला ग्राम संगठन के कार्यक्षेत्र में महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सुनीता दीदी व हेमा दीदी ने बताया गया

कि जीविका में जुड़ने के बाद आत्मविश्वास बढ़ा और जीविका से सहयोग लेकर जीवन को आसान बनाया। हवेली खड़गपुर प्रखंड अंतर्गत एकलव्य जीविका महिला ग्राम संगठन अग्रहण, भारती जीविका महिला ग्राम संगठन दरियापुर-1,परी जीविका महिला ग्राम संगठन गंगटा और ज्ञानी जीविका महिला ग्राम संगठन गोबड्डा, एकलव्य जीविका महिला ग्राम संगठन गोबड्डा में महिला संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

पति से हुई अनबन तो दोस्तों ने रची शर्मनाक साजिश, समझौते का झांसा देकर महिला से किया दुष्कर्म

बरेली , एजेंसी। बरेली के नवाबगंज क्षेत्र में पति से चल रही अनबन का फायदा उठाकर दोस्तों ने समझौता कराने का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म किया। महिला के विरोध करने पर उसका अश्लील वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई। इससे परेशान महिला ने थाना नवाबगंज में तहरीर दी है। थाना क्षेत्र के एक गांव में महिला की शादी के बाद अपने पति से अनबन रहने लगी। इसी मामले को लेकर महिला ने अपने पति के खिलाफ दहेज मांगने व प्रताड़ित करने की रिपोर्ट दर्ज करा दी। महिला के पति के दो दोस्त निवासी बिथरी चैनपुर व भुता थाना क्षेत्र ने महिला के पास आकर कहा कि वह उसका और पति के बीच समझौता करा देंगे।

पिछले साल आठ नवंबर को दोनों दोस्तों ने महिला को बहाने से बरेली के एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। आरोपियों ने उसका भी वीडियो बनाया, जिसे वायरल करने की धमकी दी। महिला की तहरीर पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

बहाने से घर में बुलाकर युवती से किया दुष्कर्म: भुता थाना क्षेत्र के एक गांव में सरकारी नल पर कपड़े धुल रही युवती को बहाने से घर में बुलाकर परिचित युवक ने दुष्कर्म किया। युवती के पिता ने मामला दर्ज कराया है। पीड़िता के पिता ने बताया कि उनकी 18 वर्षीय बेटी दोपहर में गांव के सरकारी नल पर कपड़े धुल रही थी। उसी समय परिचित युवक अमित बेटी को बहाने से घर में बुलाकर उसको कोई नशीला पदार्थ सुंघा दिया। बेहोश होने पर बेटी के साथ दुष्कर्म किया। काफी देर ढूंढने पर जब वह नहीं मिली तो संबंधित आरोपी के घर का दरवाजा तोड़कर बेटी को वहां से खोजा। बाद में आरोपी के परिजन समझौते का दबाव बनाने लगे। समझौता न करने पर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। पुलिस मामले की जांच व आरोपी की तलाश कर रही है। युवती को मेडिकल के लिए अस्पताल भेजा गया है।

शिक्षक करता था छेड़छाड़, शिकायत की तो छात्रा का गला दबाया, पीड़िता की गई आवाज-याददाश्त

अमरोहा, एजेंसी। अमरोहा के डिडौली थाना क्षेत्र के एक गांव में इंटर कॉलेज में शिक्षक के उत्पीड़न से आहत 10वीं की छात्रा आवाज और याददाश्त खो बैठी। कई दिन तक मुरादाबाद में उपचार के दौरान छात्रा को होश आया तो उसने आपबीती सुनाई। पुलिस ने मामले में आरोपी शिक्षक के खिलाफ छेड़खानी, हत्या की कोशिश और एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया है। कॉलेज प्रबंधन ने भी आरोपी शिक्षक को निष्कासित कर दिया। गांव निवासी किसान की कक्षा दस में पढ़ने वाली 15 वर्षीय बेटी को करीब दो महीने से स्कूल में पढ़ाने वाला संविदा शिक्षक विवेक चीमा परेशान कर रहा था। वह अन्य छात्राओं के साथ छेड़खानी करता है। पीड़िता और अन्य दो छात्राओं ने शिक्षक की शिकायत कक्षा अध्यापिका से की। कक्षा अध्यापिका ने छात्राओं को साथ ले जाकर प्रधानाचार्य को पूरे मामले के बारे में बताया। लिहाजा प्रधानाचार्य ने आरोपी शिक्षक विवेक चीमा को फटकारा और दंडित किया। जिससे नाराज होकर 19 अप्रैल को आरोपी शिक्षक ने धोखे से छात्रा को स्कूल के पीछे बुलाकर छेड़खानी की और जान से मारने की नीयत से गला दबा दिया। जिससे छात्रा की आवाज चली गई। छुट्टी के बाद छात्रा बदहवास अवस्था में घर पहुंची तो वह कुछ बोल नहीं पा रही थी।

बच्चे हो रहे बीमार, अस्पताल में नहीं मिल रहा उपचार

मैनपुरी , एजेंसी। गर्मी के बीच जिले में बाल मरीजों की संख्या बढ़ने लगी। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बच्चे बुखार के साथ डायरिया और पेट दर्द की दिक्कतों से जूझ रहे हैं। जिले के सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों की व्यवस्था न होने के कारण एक महीने से अधिक उम्र के बच्चों को प्राथमिक उपचार के साथ ही रेफर किया जा रहा है। गर्मी के बीच जिले में मरीजों की संख्या बढ़ी है। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में बेड फुल हैं। अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों में बच्चों की संख्या अधिक रही।

गोरखपुर चिड़ियाघरः शेर पटौदी भी अब बीमार...कानपुर चिड़ियाघर में होगा इलाज

मरियम की मौत के बाद से है गुमसुम

गोरखपुर, एजेंसी। गोरखपुर चिड़ियाघर में करीब एक माह से बीमार बब्बर शेर पटौदी को शनिवार की रात कानपुर चिड़ियाघर भेज दिया गया। वहीं, पर उसका इलाज होगा। प्रदेश के वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना से निर्देश मिलने के बाद इस शेर को कानपुर भेजने का फैसला हुआ।

बब्बर शेर की औसत उम्र 15 से 16 वर्ष होती है। पटौदी करीब 15 वर्ष का हो गया है। ऐसे में उम्र के साथ उसकी खुराक भी कम हो गई है। उसका महीने भर से इलाज चल रहा है। इंडियन वेटनेरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई) बरेली की टीम ने भी इसका इलाज किया।

शुक्रवार को वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण कुमार सक्सेना ने चिड़ियाघर के निरीक्षण के दौरान पटौदी को भी देखा। इसके बाद बेहतर इलाज के लिए इसे कानपुर चिड़ियाघर भेजने का निर्णय हुआ। शनिवार रात में उसे कानपुर भेज दिया गया।

पटौदी काफी कमजोर हो गया है, जिस वजह से उसे बिना हड्डी वाला मीट ही दिया जा रहा है। आमतौर पर बब्बर शेर को गर्मी में 10 से 12 किलो मीट दिया जाता है, लेकिन पटौदी केवल चार से पांच किलो मीट ही खा रहा है।

शेरनी मरियम की मौत के बाद रहता है गुमसुम

चिड़ियाघर में पिछले साल शेरनी मरियम की मौत हो गई थी। उसके बाद से ही बब्बर शेर पटौदी काफी गुमसुम रहता है। साथी के जाने के बाद वह ज्यादातर समय बाड़े के कोने में पड़े रहता है। बता दें कि चिड़ियाघर में फरवरी 2021 में इटावा लायन सफारी से बब्बर शेर पटौदी और शेरनी मरियम को लाया गया था।

पटौदी को गुजरात के शक्करबाग से इटावा लाया गया था। इसे पहले जंगल से पकड़ा गया था। इटावा सफारी में दोनों में

नजदीकियां भी बढ़ गई थीं। वहीं इसकी जोड़ी मरियम के साथ बनाई गई थी। गोरखपुर आने के बाद दोनों एक-दूसरे को देखते रहते थे।

पटौदी की उम्र करीब 15 वर्ष है। मरियम (17) इससे बड़ी थी। वह प्रदेश की सबसे उम्रदराज शेरनी थी। उम्र ज्यादा होने पर उसकी तबीयत खराब रहने लगी और दो अप्रैल 2024 को उसकी मौत हो गई।

वेबसाइट को आधे घंटे तक किया हैक, विवि प्रशासन ने लगाई संचालन पर रोक

अलीगढ़ , एजेंसी। राजा महेंद्र प्रताप सिंह राज्य विश्वविद्यालय (आरएमपीएसयू) की वेबसाइट को हैकरों ने आधे घंटे तक हैक कर ली। इसकी जानकारी मिलने पर विवि प्रशासन हरकत में आया। विवि प्रशासन ने 07.45 बजे बाद वेबसाइट के संचालन पर रोक लगा दी है।

10 मई रात 7:15 बजे विश्वविद्यालय की वेबसाइट को हैकरों ने हैक कर लिया। वेबसाइट के होम पेज पर राज्यपाल, मुख्यमंत्री के नीचे जहां कुलपति की तस्वीर और नाम होता है, उस जगह पर हैक्ड बाई जेड बीएल 4सीएक्स-एच4टी टीम लिखा था। विवि के परीक्षा नियंत्रक अजय कृष्ण यादव ने बताया कि जैसे ही उन्हें वेबसाइट हैक होने की जानकारी मिली, 7:45 बजे वेबसाइट का संचालन बंद करा दिया गया। उन्होंने कहा कि वेबसाइट हैक होने से विद्यार्थियों का डेटा चोरी हो सकता था। परीक्षा परिणाम काफी सुरक्षित है। हैक के मामले में जांच की जाएगी। एबीवीपी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य अंकुर शर्मा ने बताया कि वेबसाइट पर लाखों विद्यार्थियों का डेटा है। परीक्षा परिणाम जानने के लिए उन्होंने वेबसाइट देखी, तो पता चला कि उसे हैकरों ने हैक कर रखा है। इसलिए परीक्षा परिणाम नहीं जान सके। वेबसाइट हैक करने की जानकारी विश्वविद्यालय के अधिकारियों को दी गई।

हर अंक के नाम पर मांगे जा रहे 200-200 रुपये: पिछले कुछ दिनों से अनजान मोबाइल नंबर से फेल विद्यार्थियों के पास संदेश आ रहा था।

इंस्पेक्टर से ठगी: नौकरी और प्लॉट के नाम पर लिए थे आठ लाख, धमकाया- अभी जानते नहीं हो असली पावर दिखलाऊंगा

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में कोर्ट से दोषमुक्त कराने के लिए जज के नाम पर लाखों की ठगी करने वाले शातिर ने अब खुद को मुख्यमंत्री का ओएसडी बता प्रयागराज में तैनात इंस्पेक्टर से चार लाख रुपये ठग लिए हैं। यह रुपये उसने इंस्पेक्टर के भतीजे को नौकरी और प्लाट दिलाने का झांसा देकर हासिल किए। जब दबाव बनाया तो चार लाख वापस किए, जबकि बाकी राशि देने से इन्कार कर दिया। कोहना पुलिस ने आरोपी दंपती के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

कोहना के विष्णु कीर्ति अपार्टमेंट निवासी अनुपम सिंह ने बताया कि उनके पति अरुण कुमार सिंह प्रयागराज के थाना एयरपोर्ट के प्रभारी निरीक्षक हैं। वह 18 जून 2023 से 21 अक्तूबर 2023 तक कोहना थाने के प्रभारी निरीक्षक थे। तैनाती के दौरान पति की मुलाकात केडीए कालोनी रामलीला मैदान निवासी शब्बीर अहमद से हुई। उसने खुद को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का ओएसडी बताते हुए कई राजनेताओं, न्यायिक और प्रशासनिक अधिकारियों से संपर्क होने की बात कही।

उसने कई लोगों को नौकरी दिलवाने, ट्रांसफर पोस्टिंग कराने और लखनऊ व कानपुर रोड पर कई बीघे में प्लॉटिंग करने की बात कही। अरुण ने झांसे में आकर एक अक्तूबर 2023 को प्लॉट खरीदने और भतीजे को हाईकोर्ट में नौकरी दिलाने के लिए शब्बीर व उसकी पत्नी को आठ लाख रुपये दे दिए। निर्धारित समय पर प्लाट की रजिस्ट्री और भतीजे को नौकरी न मिलने पर उन्होंने रुपयों की मांग की, तो दंपती ने टालमटोल की।

आरोपी शब्बीर अहमद और उसकी पत्नी के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज: परिचितों से जोर लगवाने पर दंपती ने 10 नवंबर 2023 को चार लाख वापस कर दिए। शेष राशि देने से इन्कार कर दिया। दोबारा रुपये मांगने पर धमकी दी। कोहना इंस्पेक्टर अवधेश कुमार ने बताया कि डीसीपी सेंट्रल के निर्देश पर आरोपी शब्बीर अहमद और उसकी पत्नी के विरुद्ध रंगदारी, धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात, धमकाने, जानबूझकर अपमानित करने की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। एक टीम केडीए कॉलोनी गई थी, लेकिन वहां पर कोई नहीं मिला।

जज के नाम पर ठगी में जेल जा चुका शब्बीर: शब्बीर अहमद ने डेढ़ साल पहले सावित्री नगर निवासी वसीम के बेटे को न्यायालय द्वारा मुकदमे से दोषमुक्त कराने के लिए जज के नाम पर चार लाख रुपये की मांग की थी।

कश्मीर-पंजाब व शिमला की बुकिंग बंद, ट्रकों के थमे पहिये, नहीं आ पा रहें फल-मेवे; 10 करोड़ का नुकसान

लखनऊ, एजेंसी। सीमा पर तनातनी से ट्रांसपोर्ट का कारोबार प्रभावित हुआ है। ट्रांसपोर्टनगर से जम्मू कश्मीर, पंजाब, शिमला रूट पर ट्रकों का आवागमन 15 दिनों से पूरी तरह से ठप है। इससे 10 करोड़ रुपये के कारोबार का नुकसान हुआ है।ट्रांसपोर्टरों ने कश्मीर, पंजाब व शिमला की ओर जाने वाले माल की बुकिंग बंद कर दी है। ट्रांसपोर्टनगर में 250 ट्रक खड़े कर चालक घर चले गए हैं। ट्रांसपोर्टर आसिफ ने बताया कि 15 दिनों से न तो लखनऊ से जम्मू कश्मीर, पंजाब, शिमला रूट का माल बुक करके लोडिंग की गई है और न ही इन राज्यों से आने वाले माल की अनलोडिंग की गई है।

दुबग्गा फल व सब्जी मंडी के आढ़ती नसीम ने बताया कि दशहरी आम तैयार होने के कगार पर है। एक जून से इसकी जम्मू कश्मीर व पंजाब सप्लाई की तैयारी है। इन राज्यों के आढ़ती बुकिंग करा चुके हैं। हालात पूरी तरह नहीं सुधरे तो नुकसान होगा।

फल-सब्जी की आपूर्ति ठप:

लखनऊ ट्रक एंड ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष ज्ञान प्रकाश श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ, फर्रुखाबाद, कन्नौज सहित आसपास से जम्मू कश्मीर व पंजाब को होने ने वाली फल व सब्जी की आपूर्ति ठप हो गई है। इस वक्त तरबूज, खरबूज व हरी सब्जी की मांग जोरों पर है। ऐसे में ट्रांसपोर्टरों के साथ किसान भी प्रभावित हुए हैं।

10 प्रतिशत बढ़ गया भाड़ा: दुबग्गा के ट्रांसपोर्टर सत्य शरण श्रीवास्तव ने बताया कि लखनऊ से 10 टन माल जम्मू भेजने पर औसतन 35 से 37 हजार रुपये तक का भाड़ा मिलता था। सीमा पर तनाव बढ़ने के बाद से भाड़े में 10 फीसदी की बढ़ोतरी हो गई है।

...तो 24 घंटे में पटरी पर होगा कारोबार: लखनऊ से जम्मू, श्रीनगर, पंजाब के होशियारपुर, पठानकोट, चंडीगढ़, पंचुकला, सोलन, शिमला के बीच ट्रांसपोर्ट कारोबार पटरी पर लौट आएगा। हालांकि, जो नुकसान हुआ उसकी भरपाई नहीं हो पाएगी। रविवार से ही इन शहरों के लिए माल की बुकिंग को खोल दिया जाएगा।

हाईकोर्ट की तल्ख टिप्पणी: जज का आचरण ऐसा हो कि न्यायिक प्रणाली पर आम आदमी का भरोसा कायम रहे

प्रयागराज , एजेंसी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कौशाम्बी में तैनात रहे विशेष न्यायाधीश को दी गई अनिवार्य सेवानिवृत्ति के आदेश को रद्द करने से इन्कार कर दिया। कहा कि हमें यह मानने में हिचकिचाहट नहीं है कि सेवा अभिलेखों में मौजूद प्रतिकूल समाग्रियां ऐसी हैं कि उन्हें जज के रूप में बने रहने का कोई हक नहीं। एक जज का आचरण ऐसा होना चाहिए कि न्यायिक प्रणाली के प्रति आम आदमी का भरोसा कायम रह सके।

यह तल्ख टिप्पणी न्यायमूर्ति अश्विनी कुमार मिश्रा और न्यायमूर्ति डोनाडी रमेश की अदालत ने रमेश कुमार यादव की याचिका खारिज करते हुए की है। पीसीएसजे रमेश कुमार यादव 2001 में सिविल जज (जूनियर डिवीजन) नियुक्त हुए। 2006 में सिविल जज (सीनियर डिवीजन) के रूप में पदोन्नत होने के बाद उन्हें उच्च न्यायिक सेवा में पदोन्नति देते हुए कौशाम्बी में विशेष न्यायाधीश (अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम) के पद पर तैनाती दी गई थी। उनकी सेवानिवृत्ति फरवरी 2026 में पूरी होती, लेकिन 2021 में उन्हें प्रशासनिक जज की ओर से दी गई प्रतिकूल प्रविष्टि के आधार पर अनिवार्य सेवानिवृत्ति दे दी गई।

इसके खिलाफ उन्होंने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी। कहा कि प्रशासनिक जज की प्रतिकूल टिप्पणी अंतिम रूप ले चुकी है। वर्ष 2008-09 में प्रशासनिक जज की ओर से दी गई प्रतिकूल प्रविष्टि की सत्यता पर मौजूदा याचिका में टिप्पणी नहीं की जा सकती। खासकर तब जब प्रतिकूल टिप्पणी को चुनौती नहीं दी गई है।

अगले साल से लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर हो सकता है शुरू, जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज में की जा रही है कवायद

कानपुर , एजेंसी। कानपुर में जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज ने कार्निया, गुर्दा, हृदय के बाद अब लिवर ट्रांसप्लांट की भी तैयारी शुरू कर दी है। जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. संजय काला ने बताया कि लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर शुरू करने की भी तैयारी है। अस्पतालों में कुछ संसाधन हैं, कुछ का इंतजाम करने में एक साल लग जाएगा। अगले साल से लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर भी शुरू करने की योजना है। इस तरह जीएसवीएम प्रदेश का पहला मेडिकल होगा, जहां चार अंगों का प्रत्यारोपण किया जा सकेगा।

डॉ. काला ने बताया कि सबसे पहले शुरुआत कार्निया प्रत्यारोपण के क्षेत्र में की गई थी। इस समय अस्पताल में कार्निया बैंक भी संचालित किया जा रहा है। साथ ही अब गुर्दा ट्रांसप्लांट सेंटर की अनुमति मिल गई है। जल्दी ही गुर्दा ट्रांसप्लांट मल्टी सुपर स्पेशियलिटी एंड पीजीआई के गुर्दा रोग विभाग में शुरू कर दिया जाएगा। एलपीएस कार्डियोलॉजी इंस्टीट्यूट में हार्ट ट्रांसप्लांट सेंटर की तैयारी पूरी है। उपकरण

उपलब्ध हैं। सेंटर के लिए लाइसेंस मिलते ही हृदय प्रत्यारोपण होने लगेगा।

लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर अगले साल खुलेगा: उन्होंने बताया कि ब्रेन स्टेम डेथ कमेटी का गठन हो गया है। ब्रेड डेड रोगियों के जो अंग दान में मिलेंगे, उनमें लिवर भी होगा। इससे लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर भी खोलने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए हेपिटोलॉजिस्ट विशेषज्ञ की नियुक्ति हो गई है। इसके साथ ही सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल में गैस्ट्रो सर्जरी विभाग भी है।

कुछ संसाधन पहले से उपलब्ध हैं, जिनकी जरूरत है, उनका भी इंतजाम किया जा रहा है। गुर्दा और हृदय प्रत्यारोपण सेंटर इसी साल शुरू हो जाएंगे। लिवर ट्रांसप्लांट सेंटर अगले साल खुलेगा।

मदर्स डेः सलाम इन मांओं को, जिनके बेटे सरहद पर तैनात हैं... छाती चौड़ी कर देगा इनका अनुभव; होगा गर्व

वाराणसी , एजेंसी। वीर सैनिकों की मांओं का बुलंद स्वर में कहना था कि ऊपर वाले से यही प्रार्थना रहती है कि बेटा हमारा सुरक्षित रहे। मगर, देश की सुरक्षा में आंच न आने पाए। देश सबसे पहले है और घर-परिवार उसके बाद...।

डर तो लगता ही है, गर्व भी होता है: गाजीपुर के पटकनिया गांव के मूल निवासी और पहड़िया में रहने वाले राघवेंद्र प्रताप सिंह 52 बटालियन सीआरपीएफ में जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में तैनात हैं। उनकी मां रामसखी रघुवंशी ने कहा कि हमारा बेटा अपने मामा कैप्टन योगिंद्र नाथ सिंह और चाचा हवलदार श्रीकांत सिंह से प्रेरित होकर सीआरपीएफ में भर्ती हुआ था।

भारत और पाकिस्तान के बीच जो स्थिति रहती है, उसके चलते अपने बेटे को लेकर डर तो लगता ही है। मगर, उससे ज्यादा अपने बेटे पर गर्व भी होता है। मेरा बेटा हमेशा कहता है कि इस देश और मिट्टी की रक्षा का संकल्प हमने लिया है। तुम चिंता मत करना मां...।

एनसीसी के समय सेना में जाने का बेटे ने बना लिया था मन: रोहनिया के दरेखू निवासी पवन सिंह जम्मू-कश्मीर के अखनूर सेक्टर में सेना में तैनात हैं।

उनकी मां विमला देवी ने कहा कि हमारा बेटा एनसीसी का बेस्ट कैडेट था और उसी समय वह सेना में जाने का मन बना लिया था। हमें गर्व है कि हमारे कलेजे का टुकड़ा भारतीय फौज में है और मैं उसकी मां हूं। पवन से गुरुवार की रात बात हुई थी। उसने कहा था कि मां हमारी चिंता मत करना, मैं अपने साथियों के साथ सुरक्षित हूं।

गर्व है कि हमारा बेटा देश की हिफाजत कर रहा है: चौबेपुर के अजांव गांव की रहने वाली मीरा उपाध्याय ने बताया कि उनके तीन बेटे हैं। बड़ा बेटा सचिन उपाध्याय एक वर्ष पूर्व जम्मू-कश्मीर से रिटायर्ड हो गया। बीच वाला बेटा आशीष उपाध्याय जम्मू-कश्मीर में सेना में तैनात है। सबसे छोटा बेटा बंगलूरू में दक्षिण भारत की सीमा पर तैनात हैं। पति मंशा उपाध्याय भी सूबेदार पद से रिटायर्ड हैं। हमें गर्व है कि हमारा बेटा देश की हिफाजत कर रहा है।

बेटे के फोन का इंतजार कर रहे हैं: मिर्जापुर के कटका के मूल निवासी और फुलवरिया क्षेत्र की मानस नगर कॉलोनी में रहने वाले शैलेश पाल इस समय जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में तैनात है। उनकी मां केवला देवी ने बताया कि देश की सीमा पर तनाव की स्थिति को लेकर हमारा फौजी बेटा फोन पर बता रहा था कि क्या चल रहा था। उसने समझाया भी था कि मां आप लोग परेशान मत होना और हमारी चिंता मत करना। हम जब फ्री रहेंगे तो फोन कर बात जरूर करेंगे। इसलिए बेटे के फोन का इंतजार कर रहे हैं।

लद्दाख में भारत-चीन सीमा पर डटा है बेटा: राजातालाब के नरोत्तमपुर गांव निवासी मनीष कुमार सिंह इन दिनों लद्दाख में भारत-चीन की सीमा पर डटे हुए हैं। मनीष की माता रामा देवी ने कहा कि वर्ष 2007 में जुलाई में हमारा बेटा आईटीबीपी में भर्ती हुआ था। दो साल तक अफगानिस्तान में भारतीय दूतावास की सुरक्षा में वह रहा। इन दिनों मनीष भारत-चीन की सीमा पर तैनात है। मनीष पढ़ाई के समय से ही देश सेवा की बात करता था। मां की ममता अपने बच्चों के लिए भला कहां कभी कम होती है।

परिवार की दूसरी पीढ़ी भी देश सेवा में है: चिरईगांव के जाल्हूपुर मधुकरपुर गांव के रहने वाले प्रकाश यादव पठानकोट में भारतीय सेना में तैनात हैं। उनकी मां गीता यादव ने कहा कि हमारे पति रामानंद यादव फौज से सेवानिवृत्त हैं।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

विचार-मंथन

संपादकीय

आतंकवाद के विरुद्ध प्रतिशोध और शौर्य का प्रतीक बना 'ऑपरेशन सिंदूर'

भारत का अगला कदम अब इस कार्रवाई को कूटनीतिक और रणनीतिक स्तर पर वैश्विक समर्थन में बदलना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के बाद अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत आतंकवाद के खिलाफ अपने दृष्टिकोण को और मजबूत तरीके से प्रस्तुत करेगा। अमेरिका, फ्रांस, रूस और इजरायल जैसे देश पहले ही भारत के साथ खड़े नजर आ रहे हैं परंतु संयुक्त राष्ट्र और इस्लामी देशों के संगठन (आईओसी) में पाकिस्तान अपने झूठे प्रचार को हवा देने की कोशिश अवश्य करेगा।

(योगेश कुमार गोयल)

ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जवाब 15 दिन बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से देकर एक बार फिर यह जता दिया है कि अब वह न तो चुप रहेगा और न ही आतंकी हमलों को बर्दाश्त करेगा। इस हमले में भारत के 26 निर्दोष लोगों की जान गई थी और यह हमला स्पष्ट रूप से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों से ही संचालित किया गया था। इसके सटीक जवाब में भारत ने 7 मई सुबह डेढ़ बजे पाकिस्तान और पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकियों के 9 ठिकानों को ध्वस्त करते हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' को अंजाम दिया। भारत की यह एक सुनियोजित, सीमित और सटीक सैन्य कार्रवाई थी, जिसका उद्देश्य स्पष्ट था, आतंकवाद को उसी की जमीन पर कुचलना। इस ऑपरेशन को 'सिंदूर' नाम देना भारत की सांस्कृतिक और भावनात्मक सोच को दर्शाता है। 'सिंदूर' एक ओर जहां भारतीय संस्कृति में शक्ति, सौभाग्य और सम्मान का प्रतीक है, वहीं इस संदर्भ में यह उन शहीदों के बलिदान की लालिमा भी है, जिनकी शहादत का बदला लेने के लिए यह कार्रवाई की गई। ऑपरेशन सिंदूर के जरिये भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि यह ऑपरेशन केवल उन आतंकी ढ़ांचों के विरुद्ध था, जो लगातार भारत में घुसपैठ, आत्मघाती हमले और हथियारों की तस्करी को बढ़ावा दे रहे थे। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है, वहीं मुजफ्फराबाद और कोटली लश्कर-ए-तैयबा और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे संगठनों के लिए लांच पैड के रूप में काम आते हैं। इन स्थानों पर हुए हमलों के माध्यम से भारत ने उन आतंकी गुटों की कमर तोड़ने की कोशिश की है, जो वर्षों से भारत को अस्थिर करने की कोशिश में लगे हुए थे। इस ऑपरेशनके जरिये भारत ने अपने नागरिकों को यह भरोसा भी दिलाया है कि देश की सुरक्षा महज कागजों तक सीमित नहीं है बल्कि उसे धरातल पर भी लागू किया जा रहा है। ऑपरेशन सिंदूर यह विश्वास पैदा करता है कि अब भारत किसी भी आतंकी हरकत का जवाब उसी भाषा में देगा और अपने सैनिकों और नागरिकों की शहादत व्यर्थ नहीं जाने देगा। यह संदेश केवल पाकिस्तान के लिए ही नहीं बल्कि उन ताकतों के लिए भी है, जो सीमा पार से भारत के खिलाफ जंग छेड़े हुए हैं। भारतीय वायुसेना ने इस ऑपरेशन के तहत अत्याधुनिक मिसाइलों का इस्तेमाल करते हुए बहावलपुर, मुजफ्फराबाद, कोटली, मुरीदके, बाघ और पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की कुछ आतंक-प्रवण लोकेशनों पर हमलाकर पूरी दुनिया को यह दिखा दिया है कि आतंकवाद से निपटने के लिए उसे अब किसी की अनुमति की आवश्यकता नहीं है और वह अपने नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कदम उठाने को तैयार है। इस ऑपरेशन की योजना और क्रियान्वयन अत्यंत गोपनीय और तकनीकी रूप से उन्नत स्तर पर हुई। भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 22 अप्रैल के हमले के बाद जिस तेजी से पाकिस्तान के आतंकी ठिकानों की पहचान की और सेना के साथ समन्वय किया, वह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति की परिपक्वता का प्रमाण है। रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी बयान में स्पष्ट किया गया है कि इस कार्रवाई का उद्देश्य केवल आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाना था, न कि पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों या नागरिक आबादी को। इस ऑपरेशन के दौरान भारत ने कुल 24 मिसाइलें दागी, जिनमें से अधिकांश लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी संगठनों के ठिकानों पर सटीकता से गिरी। बताया जा रहा है कि इन हमलों में कई आतंकियों के मारे जाने की खबर है, जिनमें लश्कर और जैश के कई शीर्ष कमांडर भी शामिल हैं, जो भारत में आतंकी हमलों की योजना बनाते रहे हैं। पाकिस्तान का स्थानीय मीडिया और प्रशासन पहले इस हमले को नकारते रहे, फिर अलग-अलग बयान देकर भ्रम फैलाने की कोशिश की। पाकिस्तानी सेना के आईएसपीआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने दावा किया कि भारत ने 6 अलग-अलग स्थानों पर मिसाइलें दागी, जिनमें 8 नागरिकों की मौत हुई। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने जियो टीवी पर दावा किया कि भारत ने अपने ही हवाई क्षेत्र से हमला किया और मिसाइलें रिहायशी इलाकों पर गिरी। पाकिस्तान के दावे आपस में ही विरोधाभासी हैं, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि वे न तो इस हमले के लिए तैयार थे और न ही उनके पास इसकी ठोस जानकारी है। वहीं, भारत ने इस ऑपरेशन के तुरंत बाद अमेरिका को इस कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने अमेरिकी एनएसए और विदेश मंत्री मार्को रुबियो से बात कर उन्हें स्पष्ट रूप से बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह आतंकवाद के खिलाफ थी, न कि पाकिस्तान की संप्रभुता के विरुद्ध। भारतीय दूतावास ने अमेरिका में बयान जारी कर बताया कि भारत ने किसी भी पाकिस्तानी नागरिक, सैन्य या आर्थिक ठिकानों को निशाना नहीं बनाया, केवल उन्हीं आतंकी शिविरों पर हमला किया गया, जो भारत के खिलाफ साजिश रच रहे थे। इस ऑपरेशन के पूरे समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी निगरानी कर रहे थे। उन्होंने सेना को पूर्ण स्वतंत्रता दी थी और इस ऑपरेशन की बारीकियों पर लगातार नजर बनाए रखी। ऑपरेशन पूरा होने के बाद भारतीय सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर 'जस्टिस इज सर्व्ड' यानी 'न्याय हो गया' लिखा जबकि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 'भारत माता की जय' के नारे के साथ इस कार्रवाई को राष्ट्र के प्रति समर्पित किया। इस ऑपरेशन के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव और बढ़ना स्वाभाविक था। पाकिस्तान की ओर से फायरिंग और जवाबी बयानबाजी जारी रही। पाकिस्तान के मीडिया ने प्रोपेगेंडा फैलाने के लिए यह दावा किया कि पाकिस्तान ने भारत के 6 फाइटर जेट मार गिराए हैं, जिसमें 3 राफेल, 2 मिग-29 और 1 सुखोई शामिल हैं, साथ ही भारतीय सेना की 12वीं इन्फैंट्री ब्रिगेड के मुख्यालय को नष्ट करने का झूठा दावा भी किया गया।

करारा जवाब

भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये पाकिस्तान में फल-फूल रहे आतंकवाद को सधा और करारा जवाब दिया है। भारतीय कार्रवाई सटीक, संतुलित और गैर-उकसावे वाली थी। इसमें भारतीय फौज ने सिर्फ आतंकी ठिकानों को टारगेट किया। इस ऑपरेशन के जरिये भारत ने फिर यह संदेश दिया है कि वह युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर कोई उसकी तरफ आंख उठाकर देखेगा तो उसे जवाब देने से भी नहीं हिचकेगा। भारतीय सेना ने पाक अधिकृत कश्मीर और पाकिस्तान में कुल नौ आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। इन जगहों का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा और दूसरे आतंकी संगठन कर रहे थे। यहीं पर आतंकवादियों को ट्रेनिंग दी गई, जिन्होंने भारत में कई कायराना वारदातों को अंजाम दिया। पाकिस्तान को बार-बार इनके बारे में जानकारी दी गई, लेकिन कोई कदम उठाने के बजाय वह इनकी मौजूदगी को ही नकारता रहा। उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय की अपीलों पर भी ध्यान नहीं दिया बल्कि अब तो यह भी साफ है कि भारत पर और हमले करने की साजिश रची जा रही थी। 2016 और 2019 में भी भारतीय फौज ने आतंकवादी हमलों के जवाब में क्रमशः सर्जिकल स्ट्राइक और टेरर लॉन्च पैड को निशाना बनाया था। ऑपरेशन सिंदूर 2019 की कार्रवाई से कहीं बड़ी है। इसमें बड़े इलाके में फैले आतंकी इन्फ्रा को टारगेट किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय सीमा से करीब 100 किलोमीटर अंदर थे। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर पूरा देश गुस्से में था। उनका मकसद भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाना था। इसे लेकर कश्मीर सहित देश भर में आक्रोश था और भारत की तरफ से जवाब भी लाजिमी था। दरअसल, पड़ोसी देश की दिलचस्पी इन आतंकवादियों को सजा दिलाने में भारत की मदद करने की नहीं थी। सचाई तो यही है कि बरसों से वह आतंक को प्रश्रय देता आया है और उसकी खुफिया एजेंसी ढ्ढस्ढ्ढ की शह पर भारत में कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर के लिए भारतीय सेना ने हर लक्ष्य का चयन विश्वसनीय इंटेलिजेंस सूचनाओं के आधार पर किया। पहलगाम के 15 दिनों बाद जवाब दिया गया यानी पाकिस्तान को अपनी गलती सुधारने और अपनी जमीन पर पल रहे आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई का पूरा मौका दिया गया।

हादसों से सबक क्यों नहीं लेता समाज?

धार्मिक स्थलों, आयोजनों, उत्सवों में भीड़ को नियंत्रित न कर पाने, आवागमन का समुचित प्रबंध न होने से अक्सर भगदड़ मचने, दम घुटने आदि से बड़ी संख्या में लोगों के मारे जाने, घायल हो जाने की खबरें आती रहती हैं। मगर हैरानी की बात है कि उनसे कोई सबक नहीं लिया जाता। यहां तक कि उन्हीं जगहों पर दुबारा वैसे ही हादसे होते देखे जाते हैं। गोवा के एक मंदिर में हुआ हादसा इसका ताजा उदाहरण है। शनिवार को उस मंदिर उत्सव में भगदड़ मचने से छह लोग दब कर मर गए, जबकि सत्तर लोग घायल हो गए। घटना की प्राथमिक जांच से पता चला है कि जिस जगह हादसा हुआ वहां गली संकरी और रास्ता ढलान वाला था। ढलान पर खड़े कुछ लोग असंतुलित होकर नीचे गिरे, जिससे भगदड़ मची और छह लोग दब कर मर गए। बताया जा रहा है कि उसी जगह ऐसी ही घटना पिछले वर्ष भी हुई थी, मगर गनीमत है कि उसमें कोई हताहत नहीं हुआ था। पुलिस का कहना है कि आयोजकों ने भीड़ को रोकने का प्रयास किया, लोगों से अपील की थी कि वे आगे न बढ़ें, मगर वे नहीं माने और यह घटना घट गई। हालांकि घटना का असल कारण जांच रपट आने के बाद पता चल पाएगा, मगर प्राथमिक तथ्यों से जाहिर है कि मंदिर प्रबंधन भीड़ पर काबू करने में विफल रहा। वहां चालीस से पचास हजार लोग इकट्ठा हो गए बताए जा रहे हैं। हालांकि यह कोई नया अनुभव नहीं है। ज्यादातर धार्मिक आयोजनों में हुए हादसों के पीछे मुख्य वजह उनके आयोजकों की लापरवाही होती है। कायदे से किसी भी आयोजन से पहले उसकी तैयारियों के बारे में पुलिस को बताना होता है, फिर वह उसी के मुताबिक सुरक्षा इंतजाम करती है। मगर ज्यादातर ऐसे आयोजनों में इसे लेकर लापरवाही बरती जाती है और मान लिया जाता है कि श्रद्धालु स्वयं नियंत्रित व्यवहार करेंगे। पर, ऐसा हो नहीं पाता।

'आपरेशन सिंदूर' एक सार्थक पहल और सख्त सन्देश

(ललित गर्ग)

'आपरेशन सिंदूर' से आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल हुई है। शांति का आश्वासन, उजाले का भरोसा भारत से ही क्यों किया जाता है, कब तक हम अपनी मानवीयता एवं संवेदनशीलता को दर्शाते रहेंगेभोपाल, शुक्रवार, 16 मई 2025 पहलगाम आतंकी हमले में सुहागनों के सिन्दूर को उजाड़ने वालों पर कड़ा प्रहार करते हुए 'आपरेशन सिंदूर' की सफलतम कार्रवाई हर भारतीय के सीने को गर्व से भरने वाली है। बुधवार की सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी शिविरों पर भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा की कई सटीक, संयमित एवं नपी-तूली कार्रवाई पाकिस्तान को करारा सबक एवं सख्त संदेश है। निश्चित ही अब भारत की आत्मा पर होने वाले हमलों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। 'आपरेशन सिंदूर' में प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम), लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हिजबुल मुजाहिदीन से जुड़े नौ ठिकानों को निशाना बनाया गया। पाकिस्तान में मौजूद 90 आतंकी मारे गए। यह कार्रवाई 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले का बदला लेने के लिए की गई, जिसमें 26 नागरिक मारे गए थे। भारत भीतर घूस कर मारता है, इस बार भी उसने बिना पाकिस्तानी सीमा में प्रवेश किये, आतंकवादियों को नेस्तनाबूद करने का कार्य किया, जो बहुत सराहनीय कदम है, गौरवान्वित करने और जोश से भर देनेवाली साहसिक एवं अनूठी घटना है। 'आपरेशन सिंदूर' से आतंकवाद को समाप्त करने की दिशा में एक सार्थक पहल हुई है। शांति का आश्वासन, उजाले का भरोसा भारत से ही क्यों किया जाता है, कब तक हम अपनी मानवीयता एवं संवेदनशीलता को दर्शाते रहेंगेभोपाल, शुक्रवार, 16 मई 2025 इस बार समूचा देश एकजुट हुआ, उन्हें तो आतंक का माकूल जबाव चाहिए था, पाकिस्तान में पोषित हो रहे आतंकवाद के लिये कठोर कार्रवाई चाहिए थी। वायुसेना की इस कार्रवाई से न केवल भारत को बल्कि समूची दुनिया को राहत की सांसें मिली हैं। इस कार्रवाई से भारत ने पाकिस्तान को बेहद सख्त और निर्णायक संदेश दिया है कि अब आतंकवाद नहीं चलेगा। भारत ने किसी भी पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान को निशाना नहीं बनाया गया है। भारत ने लक्ष्यों के चयन और निष्पादन के तरीके में काफी संयम बरता है। नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक मिसाइलों से हवाई हमला किया गया। ऑपरेशन को 'ऑपरेशन सिंदूर' नाम खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सुझाया था, पहलगाम में 26 हिंदू पर्यटकों की नृशंस हत्या के बाद, यह जवाब भारतीय बहनों एवं सुहागिनों के लिए एक उचित प्रतिशोध है, जिन्होंने बर्बर आतंकी हमले में अपने पतियों को खो दिया। भारत के बदले की कार्रवाई का समय भी महत्वपूर्ण है। एयर स्ट्राइक एक हिंदू परिवार में मौत के बाद शोक के 13 दिन (तेरहवीं) के बाद हुई और हमारी बहनों एवं पीड़ितों को उचित न्याय मिला है। भारतीय वायु सेना द्वारा अपनी सीमा के भीतर से दागी गई सटीक मिसाइलों के माध्यम से मुजफ्फराबाद, कोटली, गुलपुर, भिमबर, सियालकोट, चक अमरू, मुरीदके और बहावलपुर में केवल ज्ञात और पहचाने गए आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया। भारत ने बहावलपुर में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) के कुख्यात आतंकी मुख्यालय को नष्ट कर स्पष्ट संदेश दिया है। जैश-ए-मोहम्मद चीफ हाफिज सैयद द्वारा बनाया गया यह स्थान आतंक का केंद्र, प्रयोगशाली एवं नर्सरी बन गया था। आगे भी भारतीय सेनाएं किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार हैं। भारत आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने के अपने संकल्प पर दृढ़ है। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की बहानेबाजी एवं आतंकवाद को लगातार प्रोत्साहन एवं पल्लवन देने की स्थितियों को देखते हुए यह आवश्यक हो गया था कि उसे न केवल सबक सिखाया जाए, बल्कि यह संदेश भी दिया जाए कि भारत अब उसकी चालबाजी में आने वाला नहीं है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5728

	9	5			3	2	1	
7						5		9
2	8		6	9				4
							7	
			2	1	8			
	5							
1				4	2		8	5
9		8						7
	4	6	3			1	9	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5727

3	7	9	4	5	2	8	6	1
1	8	6	3	7	9	5	4	2
4	2	5	6	8	1	9	3	7
9	1	2	7	4	5	6	8	3
6	4	3	2	1	8	7	5	9
8	5	7	9	3	6	1	2	4
7	3	8	1	6	4	2	9	5
2	6	4	5	9	7	3	1	8
5	9	1	8	2	3	4	7	6

विकास के नाम पर साज़िशः आईएमएफ

पाकिस्तान और एशिया को पिछड़ा बनाए रखने की पश्चिमी रणनीति

पिछले कई दशकों से अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) को आर्थिक संकट में फंसे देशों के लिए एक उद्धारक संस्था के रूप में प्रस्तुत किया जाता रहा है। परंतु इसके मानवीय चेहरे के पीछे एक गहरी और परेशान करने वाली सच्चाई छिपी है। पाकिस्तान के संदर्भ में यह तथ्य और भी स्पष्ट हो जाता है, जिसे 1958 से अब तक लगभग 28 बार IMF द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। अब सवाल उठता हैः आखिर अमेरिका और यूरोप क्यों लगातार पाकिस्तान की असफल अर्थव्यवस्था को बचाने में लगे हुए हैं, जबकि स्थायी सुधार का कोई संकेत नहीं दिखता? इसका उत्तर किसी आर्थिक भलाई में नहीं, बल्कि वैश्विक सत्ता समीकरण में छिपा हुआ प्रतीत होता है।

आईएमएफ बेलआउटः अस्थिरता को बढ़ावा देना

पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था में कर संग्रह की बेहद कमजोर व्यवस्था, सैन्य खर्चों की अधिकता, व्यापक भ्रष्टाचार और आतंकवाद से जुड़े नेटवर्क खुलेआम फल-फूल रहे हैं। इसके बावजूद, IMF बार-बार वित्तीय मदद प्रदान कर इस अस्थिर व्यवस्था को जिंदा रखता आया है। ये फंड, जो आर्थिक सुधारों के लिए दिए जाने चाहिए थे, पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने में खर्च किए गए, जिन्होंने प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आतंकवाद को संरक्षण दिया। यह एक सर्वविदित तथ्य है कि पश्चिमी नीति निर्माता पाकिस्तान की भीतरी समस्याओं से अनजान नहीं हैं। यदि उनका उद्देश्य वास्तव में सुधार होता, तो IMF द्वारा दी जाने वाली सहायता सख्त शर्तों के साथ जोड़ी जाती। परंतु बिना ठोस सुधारों के बार-बार दी जाने वाली सहायता यह संकेत देती है कि पाकिस्तान को एक "नियंत्रित संकट" की स्थिति में बनाए रखना पश्चिमी देशों की रणनीति का हिस्सा है। एशिया के विकास को रोककर वर्चस्व बनाए रखने की रणनीति पाकिस्तान से परे जाकर अगर व्यापक परिप्रेक्ष्य में देखें तो तस्वीर और स्पष्ट हो जाती है। दक्षिण एशिया में अस्थिरता बनाए रखना पश्चिम के लिए एक रणनीतिक लाभ है। अगर पाकिस्तान, भारत, बांग्लादेश और अफगानिस्तान जैसे देश आपसी व्यापार को बढ़ाकर, स्थायी विकास की राह पर बढ़ते, तो एक नया आर्थिक और राजनीतिक शक्ति केंद्र उभर सकता था, जो अमेरिका और यूरोप की वैश्विक स्थिति को चुनौती दे सकता था। लेकिन लगातार तनाव और अस्थिरता सुनिश्चित करके, पश्चिम न केवल अपनी सैन्य और आर्थिक बिक्री को बढ़ावा देता है, बल्कि डॉलर की वैश्विक सर्वोच्चता भी बनाए रखता है। IMF, जिसमें अमेरिका और यूरोप का मतदान अधिकार अत्यधिक प्रभावी है, इस पूरी रणनीति का एक सशक्त उपकरण बन चुका है — जो सरकारों को गिरने से बचाता तो है, पर उन्हें आत्मनिर्भर बनने नहीं देता।

विरोधी तर्क और उनका उत्तर

IMF समर्थकों का कहना है कि IMF का उद्देश्य केवल वित्तीय स्थिरता बनाए रखना है, राजनीतिक हस्तक्षेप करना नहीं। वे यह भी तर्क देते हैं कि पाकिस्तान की समस्याएं आंतरिक हैं भ्रष्टाचार और कुशासन के कारण पैदा हुई हैं। यह तर्क आंशिक रूप से सही है, लेकिन बिना कड़े सुधारों के बार-बार वित्तीय मदद देना भी उतनी ही बड़ी गलती है। इससे "नैतिक संकट" (Moral Hazard) पैदा होता है — यानी सरकारें जानती हैं कि चाहे वे कितनी भी गलत नीतियां अपनाएं, उन्हें फिर भी मदद मिलती रहेगी। यदि IMF वास्तव में सुधारों को लेकर गंभीर होता, तो वह पाकिस्तान से वही सख्त शर्तें लागू करवाता जो उसने अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों पर थोपीं।

निष्कर्षः संयोग नहीं, सुनियोजित व्यवस्था

IMF के माध्यम से पाकिस्तान को बार-बार दिया गया समर्थन कोई मासूम गलती या आशावाद का परिणाम नहीं है। यह एक सुनियोजित वैश्विक रणनीति का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अमेरिकी और यूरोपीय वर्चस्व को बनाए रखना है। नियंत्रित संकट की स्थिति में बनाए रखने के लिए किया जाता रहेगा, तब तक एक संतुलित, बहुध्रुवीय दुनिया का सपना अधूरा ही रहेगा।

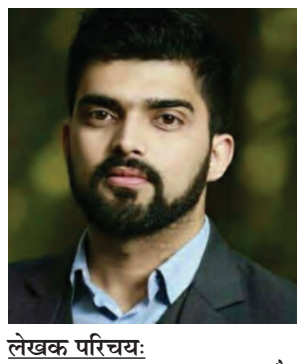

लेखक परिचयः

सत्य प्रकाश, एक FRM और MBA स्नातक हैं, जिनके पास बैंकिंग क्षेत्र में दस वर्षों का व्यापक अनुभव है। अंतरराष्ट्रीय संबंधों में गहरी रुचि के साथ, वे यह समझने के प्रयास में लिखते हैं कि आज की जटिल वैश्विक व्यवस्था में वित्त, राजनीति और सत्ता कैसे एक-दूसरे से जुड़ी हुई हैं।

वर्ग पहेली 5728

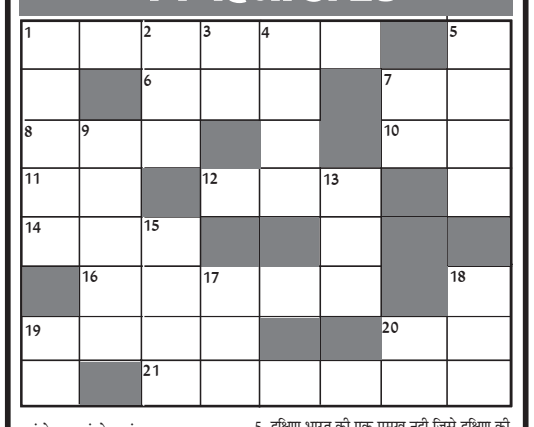

संकेतः बाएं से दाएं

1. निर्धनों की निरपेक्ष संख्या के मामले में भारत के इस प्रदेश का स्थान सबसे ऊपर है (6)
6. गायिका-अभिनेत्री, सुलक्षण पंडित के दो भाईयो में से एक जो गायक-संगीतकार है (3)
7. सर्वदा, हमेशा, लगातार, प्रतिध्वनि (2)
8. यह विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है (3)
10. प्रेम, प्यार, इश्क, मुहब्बत (2)
11. पराग के कण, धूल, गर्द (2)
12. गाय के दूध को यह भी कहते है (3)
14. मुर्गे की जाति का एक पक्षी (3)
16. केसरी नंदर, हनुमान (5)
19. अंदाज, कयास, अनुमान (4)
20. राजा का मुकुट, शिखा (2)
21. अभिमान मर्दित होना (6)

ऊपर से नीचे

1. ये भाजपा महिला नेत्री मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री रह चुकी है (5)
2. चांदी, उजला, उज्जवल, रूपक (3)
3. दर से, दिशा में, भाव से (2)
4. देने वाला, देयी, कर्जदार (4)
5. दक्षिण भारत की एक प्रमुख नदी जिसे दक्षिण की गंगा भी कहते है (4)
7. सिलवट, सिकुडन, शिकन, तह (2)
9. वह पर्दा जिस पर चल-चित्र बताए जाते है सिनेमा का पर्दा (5)
13. सभी स्थान पर, सभी जगह पर (3)
15. दौड़ना, लपकना, उमंगना, उछलना (4)
17. शरीर की सबसे बड़ी हड्डी फीमर को यह भी कहते है (3)
18. अलंकृत होना, संवरना, प्रेमी, बलम (3)
19. एक सूर्यवंशी राजा जो दशरथ के पिता थे (2)
20. एक लंबा पेड़ जो केवल सिरे पर पत्ते धारण करता है, तरूराज, दीर्घतरू (2)

वर्ग पहेली 5727 का हल

ऊ	ध	म	सिं	ह		द	म
त	न	ना		स	ह	म	त
क		व	जी	र		न	
	आ	न		त	री	का	
मा	ल		रो	ज		री	ति
त	म	क		य	क्ष		थि
	आ	ब		पु	त	ली	
ता	रा		गौ	री		मा	त्र

आज का राशिफल

मेष

आज दिन करियर में आपके लिए प्रगति लेकर आ सकता है। यदि आप किसी लीडरशिप रोल में हैं, तो आपके फैसले की सराहना होगी। टीम में आपकी सक्रियता और आत्मविश्वास से माहौल सकारात्मक रहेगा। जो लोग प्रमोशन या नई जिम्मेदारियों की प्रतीक्षा में थे, उन्हें सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। आर्थिक रूप से रुका हुआ पैसा वापस आने की संभावना है।

वृष

आज कार्यस्थल पर दबाव महसूस होगा और आपका काम काम में मन नहीं लगेगा। खासकर यदि आप किसी महत्वपूर्ण डेडलाइन पर काम कर रहे हैं तो सहयोगियों या वरिष्ठों से अपेक्षित समर्थन नहीं मिलने के कारण निराशा हो सकती है, लेकिन धैर्य रखें। आज की प्लानिंग भविष्य में फायदेमंद साबित होगी। आर्थिक मोर्चे पर खर्च अधिक हो सकता है।

कर्क

आज दिन प्रफेशनल रूप से बेहद व्यस्त रहेगा लेकिन आपकी योजना और समय प्रबंधन से सब कुछ कंट्रोल में रहेगा। यदि आप मल्टीटास्किंग या क्लाइंट सर्विस से जुड़े क्षेत्र में हैं, तो जबरदस्त सफलता मिलने की संभावना है। करियर में कोई नई दिशा या प्रस्ताव आ सकता है जो भविष्य में उन्नति देगा। आर्थिक दृष्टि से यह दिन काफी अनुकूल है।

सिंह

आज दिन लाभ और तरक्भोपाल, शुक्रवार, 16 मई 2025की से भरा होगा। ऑफिस में आपके योगदान को सराहना मिलेगी और आपको एक नई जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है, जो आपके करियर को अगले स्तर पर ले जाएगी। यदि आप किसी गवर्नमेंट सेक्टर या प्रशासनिक सेवा से जुड़े हैं तो कोई शुभ समाचार मिल सकता है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, (डी वी कार्पो. लि.) उड़ान टोला, दानापुर कैंट, शिवाला रोड, खगौल, पटना में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, उप संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-०6186-226116 मो.-9934957121, E-mail : sonevershavani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

अरण्डी खरीफ की एक प्रमुख तिलहनी फसल है। इसकी खेती देष के शुष्क भागों में की जाती है। अरण्डी के बीज में 45 से 55 प्रतिषत तेल तथा 12-16 प्रतिषत प्रोटीन होता है। इसके तेल में प्रचुर मात्रा में रिसनोलिक नामक वसा अम्ल पाया जाता हैं जिसके कारण इसका औद्योगिक महत्व अधिक हैं इसके तेल का उपयोग दवाओं मे कार्बन पेपर, प्रिंटिक इंक मोम, वार्निष, मरहम, कृत्रिम रेजिन नाइलोन रेषे के निर्माण में व सौनदर्य प्रसाधन सामग्री जैसे क्रीम, केष तेल, साबुन आदि में प्रयोग किया जाता हैं। पशु चिकित्सा में इसका उपयोग जानवरों की कब्ज दूर करने तथा अन्य रोगों में किया जाता है।

अरण्डी उत्पादनः प्रमुख रोग, कीट एवं रोकथाम

पिंकी शर्मा, डॉ. पोखर रावल, राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय उदयपुर

उन्नत किस्में

अरण्डी की मुख्य उन्नत किस्में अरूणा, वरूणा, जीसीएच-4, जीसीएच-5, जीसीएच-7 एवं आरसीएचसी-1 हैं।

बीजदर एवं बीजोपचार

एक हैक्टर में बुआई करने के लिए लगभग 18-20 किलोग्राम बीज की आवष्यकता होती है। बीज को बोने से पहले उपचारित अवश्य कर लेना चाहिए। बुवाई से पूर्व बीजों को 2 ग्राम कार्बेण्डेजिम एवं 4 ग्राम ट्राईकोडरमा विरिडी प्रति किलोग्राम बीज के हिसाब से उपचारित कर बोना चाहियें।

प्रमुख रोग, कीट एवं रोकथाम

उकठा या म्लानि (विल्ट)

यह रोग ''फ्यूजेरियम ऑक्सीस्पोरम'' नामक फफूंद से होता है। इस रोग का प्रकोप पौधे की छोटी अवस्था से लेकर पकने तक कभी भी देखा जा सकता है। इस रोग के कारण पौधे छोटी अवस्था में मुरझाने लगते है। रोग ग्रसित पौधे की पत्तियाँ नीचे से उपर की ओर पीली पड़ने लगती है तथा जिससे रोगी पौधों की वृद्धि रूक जाती है, बाद में सम्पूर्ण पौधा सूखकर मर जाता है।

रोकथामः-

1ग्रमियों में गहरी जुताई करें तथा फसल चक्र अपनावें।

2इस रोग की रोकथाम के लिये थाइरम 3 ग्राम या सेरेसान 2 ग्राम या 1 ग्राम बाविस्टीन प्रति किलोंग्राम बीज के हिसाब से बीजोपचार कर बुआई करें।

अंगमारी (ब्लाइट)

यह रोग ''अल्टरनेरिया'' नामक फफूंद से उत्पन्न होता है। यह रोग उन क्षेत्रों में अधिक होती हैं जहाँ नमी की मात्रा अधिक होती है। इस रोग के लक्षण पौधों की निचली पत्तियों पर छोटे-छोटे गहरे भूरे रंग के चक्रदार बिन्दुओं के रूप में प्रकट होते हैं जो कि तेजी से बढ़कर एक सेन्टीमीटर तक वृत्ताकार बड़ें धब्बों का रूप ले लेते है तथा कई धब्बे आपस में मिलकर पत्ती के लगभग 30 प्रतिषत भाग को नष्ट कर देते है। अन्त में पत्तियाँ सिकुड जाती है व सूखकर गिर जाती है।

रोकथामः-

1यह एक बीज जनित रोग है अतः इसके नियंत्रण हेतु स्वस्थ व रोग रहित बीजों का उपयोग करें तथा फसल चक्र अपनावें। इसके लिए 25 ग्राम थाइराम या केप्टान या एग्रोसेन जी एन 2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से बीजोपचार करे।

2रोगरोधी किस्मों की बुआई करे

3रोग के लक्षण दिखाई देते ही 02 प्रतिषत (2 ग्राम) डायथेन जेड-78 का प्रतिलीटर पानी के हिसाब से घोल बनाकर छिड़काव करें तथा 15 दिन के अन्तराल पर दोहरावें।

पर्ण धब्बा रोग

इस बीमारी में पहले पत्तियों पर छोटे-छोटे धब्बे उभरते हैं फिर ये बाद में भूरे रंग के बड़े धब्बों में बदल जाते हैं।

रोकथाम

मेंन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेंडाजिम 2 ग्राम प्रति लीटर की दर से 10-15 दिन के अंन्तराल पर 2 छिड़काव करने से बीमारी को कम किया जा सकता है।

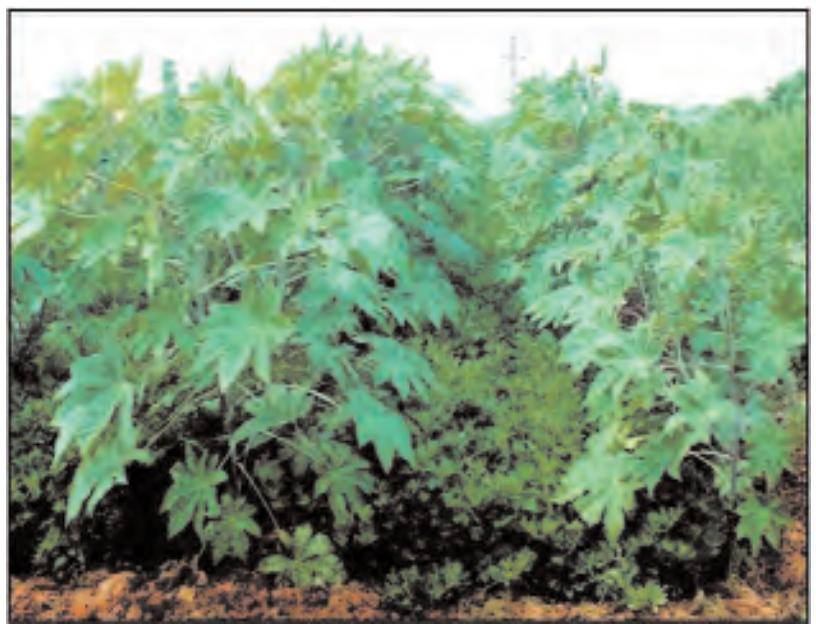

कीट एवं रोकथाम

सेमीलूपरः- यह फसल का बहुत ही विनाशकारी कीट है। इसकी तेजी से रेंगने वाली लट जो 33-5 सेमी.लम्बी होती है फसल को खाकर कमजोर कर देती है। वर्षा काल (अगस्त से सितम्बर) में इस कीट का अत्यधिक प्रकोप होता है। लट सामान्य रूप से काले भूरे रंग के होती हैं। जिन पर हरी भूरी या भूरी नारँगी धारियाँ भी होती हैं। यह गिडारों की तरह सीधा न चल कर रेंगती हुई चलती है।

रोकथामः- इसकी रोकथाम के लिए क्विनालफास 1 लीटर कीटनाशी दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल बना कर छिड़काव की जा सकती है।

तना छेदक कीटः- तना छेदक कीट की इल्ली गहरे तथा भूरे रंग की होती है यह प्रमुख रूप से अरण्डी के तनों तथा संपुट को खाकर खोखला कर देती है इसकी गिडार 2-3 सेमी.तक लम्बी तथा भूरे रंग की होती है।

रोकथामः- इसकी रोकथाम के लिए सर्वप्रथम रोगग्रस्त तनों एवं संपुटों को इकट्ठा करके जला देना चाहिए तथा क्विनालफास 25 ईसी. की 1 लीटर दवा को 700-800 लीटर पानी में घोल छिड़काव कर देना चाहिए।

रोंये वाली इल्लीः- खरीफ वाली फसलों में रोयें वाली इल्ली इस फसल को अधिक हानि पहुँचाती है। इस कीट की साल में तीन पीढ़िया होती हैं। इसके गिडार पत्तियों को खाते हैं जो बाद में गिर जाती हैं। खेत में

रोकथामः- ज्योंही इस कीट के अण्डे दिखाई दें उन्हें पत्तियों सहित चुनकर जमीन में गाड़ देना चाहिए। शेष कीड़ों की रोकथाम के लिए खेत में इमिडाक्लोरपिड 1 मिली.के 3 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव कर देना चाहिए।

पपीता के प्रमुख रोग एवं उनका निदान

विवेक कुमार, नरेन्द्र कुमार एवं कमल किशोर सैनी विद्यावाचस्पति शोध अध्येता, राजस्थान कृषि अनुसन्धान संस्थान, दुर्गापुरा जयपुर श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्विद्यालय, जोबनेर राजस्थान

पपीता सबसे कम समय में फल देने वाला पेड है इसलिए कोई भी इसे लगाना पसंद करता है, पपीता न केवल सरलता से उगाया जाने वाला फल हैए बल्कि जल्दी लाभ देने वाला फल भी है, यह स्वास्थ्यवर्धक तथा लोक प्रिय है, इसी से इसे अमृत घट भी कहा जाता है, पपीता में कई प्रकार के रोग लगते हैं जो की पपीता की उत्पादकता को कम कर देता है ! पपीता की खेती में लगने वाले प्रमुख रोग एवं उनका निदान निम्न प्रकार है !

कवक जनित रोग

आर्द्र गलन डैम्पिंग ऑफ

यह पौधशाला में लगने वाला गम्भीर रोग है जिससे काफी हानि होती है। इसका कारक कवक पीथियम एफैनिडरमेटम है जिसका प्रभाव नये अंकुरित पौधों पर होता है। इस रोग में पौधे का तना प्रारम्भिक अवस्था में ही गल जाता है और पौधा मुरझाकर गिर जाता है।

नियंत्रण के उपाय

➲ पौधशाला में जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए एवं इसके लिए पौधशाला की उँचाई आस-पास की सतह से उपर होनी चाहिए जिससे जल जमाव न हो।

➲ नर्सरी की मिट्टी का उपचार फार्मेल्डिहाइड के 2.5 प्रतिशत घोल से करने के बाद 48 घंटे तक पॉलिथीन सीट से ढ़क देना चाहिए।

➲ बीजोपचार कार्बेन्डाजिम अथवा मेटालैक्सिल एवं मेन्कोजेब के मिश्रण से 2 ग्रामध्किलो बीज की दर से करें।

➲ पौधशाला में लक्षण दिखते ही मेटालैक्सिल एवं मेन्कोजेब के मिश्रण का 2 ग्राम-लीटर पानी से छिड़काव करें !

तना तथा जड़ सड़न रोग कालर रॉट

इस रोग में तने के निचले भाग के छाल पर जलीय गीले चकत्ते बनते हैं जो बाद में बढ़कर तनों के चारो तरफ से घेर लेते हैं। तने का उपरी छिलका पतला होकर गलने लगता है। उपरी पत्तियाँ मुरझाकर पीली हो जाती है, और पत्तियाँ गिर जाती है। रोगी पौधे में फल नही बनते हैं और यदि बन जाते हैं तो गिर पड़ते हैं। तने के आधार सड़ जाने के कारण पूरा पौधा टूटकर गिर जाता है। इस कारण जमीन के नीचे जड़े गलने लगती है। पौधे की पत्तियाँ पीली पड़ने लगती है और असमय ही नीचे गिरना आरम्भ कर देती है। बाद में सारी पत्तियाँ गिर जाती है और पौधा गलकर जमीन पर गिर जाता हैं।

नियंत्रण

➲ बगीचे में जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को जड़ सहित उखाड़कर जला देना चाहिएए और रोगी पौधों के स्थान पर दूसरे नये पौधे नही लगाना चाहिए।

➲ जून, जुलाई और अगस्त के महीने में पौधों पर आधार से 50 से.मी. की ऊँचाई तक बोर्डो मिश्रण लगाने से रोग से बचा जा सकता है।

➲ यदि तने में धब्बे दिखाई देते हों तो मेटालैक्सिल एवं मेन्कोजेब का घोल बनाकर 2 ग्राम/लीटर पानी की दर से पौधे के तने के पास मिट्टी में छिड़काव करना चाहिए।

फल सड़न रोग

यह पपीते के फल का प्रमुख रोग है। इसके कई कवक कारक हैं जिसमें कोलेटोट्रोईकम ग्लियोस्पोराइड्स प्रमुख है। अध पके एवं पके फल रोगी होते है। इस रोग में फलों के उपर छोटे गोल गीले धब्बे बनते हैं। बाद में ये बढ़कर आपस में मिल जाते हैं तथा इनका रंग भूरा या काला हो जाता हैं। यह रोग फल लगने से लेकर पकने तक लगता है जिसके कारण फल पकने से पहले ही गिर जाते हैं।

नियंत्रण

➲ कॉपरआक्सीक्लोराईड 2.0 ग्राम/लीटर पानी में या मेन्कोजेब 2.5 ग्राम/लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से रोग में कमी आती है।

➲ बगीचे में जल निकास का उचित प्रबंध होना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को जड़ सहित उखाड़कर जला देना चाहिए, और रोगी पौधों के स्थान पर दूसरे नये पौधे नही लगाना चाहिए।

कली एवं फल के तनो का सड़ना

यह पपीता में लगने वाली एक नई बीमारी है जो फ्यूजैरियम सोलनाई नामक कवक के द्वारा लगती है। शुरु में इस रोग के कारण फल तथा कलिका के पास का तना पीला हो जाता है जो बाद में पूरे तने पर फैल जाता है। जिसके कारण फल सिकुड़ जाते हैं तथा बाद में झड़ जाते हैं।

नियत्रण

➲ इसकी रोकथाम के लिए कॉपरआक्सीक्लोराइड 2 ग्राम प्रति लीटर पानी मे का छिड़काव करना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

➲ पपीते के बगीचे के आस-पास कद्दू कुल के पौधे नही होने चाहिए।

चूर्णी फफूंद

यह रोग ओडियम यूडिकम एवं ओडियम कैरिकी नामक कवक से होता है। इससे प्रभावित पत्तियों पर सफेद चूर्ण जैसा जमाव हो जाता है जो बाद में सूख जाती हैं।

नियत्रण

➲ इस रोग की रोकथाम के लिए घुलनशील सल्फर 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में का छिड़काव करना चाहिए।

➲ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

➲ पपीते के बगीचे के आस-पास कद्दू कुल के पौधे नही होने चाहिए।

रिंग स्पॉट रोगध्वलय रोग

पपाया वलय चित्ती विषाणु इस रोग का कारक है। इस रोग में पपीते की पत्तियाँ कटी फटी सी हो जाती हैं तथा हर गांठ पर कटे फटे पत्ते निकलते हैं। पत्तियों के तने तथा फलों पर छोटे गोलाकार धब्बे बन जाते हैं और पौधे की वृद्धि रूक जाती है। पत्ती का डंठल छोटा हो जाता है और पुरानी पत्तियाँ गिर पड़ती है। पत्तियाँ छोटी खुरदरी तथा फफोलेदार हो जाती है। फूल काफी कम लगते हैं, एवं फल का आकार स्वस्थ पौधों की तुलना में काफी कम हो जाता हैं। इस रोग से इस राज्य में पपीते की खेती काफी सीमित होती जा रही है। अगर पहले वर्ष के फल में रोग के लक्षण दिखते है, तो फल तोड़ने के बाद पौधों को उखाड़ देना चाहिए। बरसात के मौसम में इस किस्म में विषाणु वाइरस रोग लगता है जिससे फल का आकार प्रकार विकृत हो जाता है। इससे बचने के लिए खेत के ढ़ंग मे परिवर्तन कर देने से यह रोग नहीं लगता है। इसके लिए सितम्बर माह में बीज नर्सरी या गमलों में बोने चाहि, तथा अक्टूबर-नवम्बर तक पौधे खेत में लगा देने चाहिए। इस तरह प्रथम बरसात का समय रोग मुक्त रखने के लिए बच निकलता है। जाड़े तथा गर्मी में पौधे मजबूत एवं सहनशील हो जाते है। अतः अगले वर्ष बरसात होते ही पपीते के पौधे काफी मात्रा मे फल-फूल देना प्रारंभ कर देते है। अगली बरसात में विषाणु रोग का थोड़ा बहुत प्रकोप होने पर भी फल के गुणों पर कोई खास बुरा प्रभाव नहीं पड़ता है।

नियंत्रण

➲ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

➲ माहू के नियंत्रण के लिए डाइमेथेएट 1 मिलीध्लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

➲ पपीते के बगीचे के आसपास कद्दू कुल के पौधे नही होने चाहिए।

➲ नीम की खली एवं नीम के तेल का प्रयोग करने से भी रोग में कमी आती है।

➲ वर्षा ऋतु के समाप्ति के बाद पपीता का बाग लगाने पर यह रोग कम दिखाई देता है।

पर्ण कुंचन रोग

यह पपीते का एक गंभीर विषाणु रोग है। इस रोग के कारण शुरु में पौधों का विकास रुक जाता है और पत्तियाँ गुच्छा नुमा हो जाती है तथा पतियों का आकार छोटा हो जाता है। पत्तियों का उपरी सिरा अन्दर की ओर मुड़ जाता है। प्रभावित पौधों में फूल एवं फल नही लगते हैं।

नियंत्रण

➲ सफेद मक्खी के नियंत्रण के लिए डाइमेथेएट 1 मिलीध्लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।

➲ रोगी पौधों को उखाड़कर जला देना चाहिए।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संक्षिप्त समाचार

सेना के सम्मान को आगे आए व्यापारी, सैनिकों के परिवार को सामान पर देंगे छूट

बरेली, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच सेना के जवान अपने अदम्य साहस का परिचय देते हुए सीमाओं की रक्षा के लिए अपनी जान दांव पर लगाए हुए हैं। उनकी वजह से ही हर देशवासी खुद को सुरक्षित महसूस कर रहा है। इस स्थिति को देखते हुए बरेली में उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने सैनिकों के परिजनों को सामानों की खरीद पर छूट देने का निर्णय लिया है। इस छूट में किराना, दवा से लेकर सभी जरूरी घरेलू उत्पाद शामिल हैं। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के प्रांतीय महामंत्री राजेंद्र गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों का भी फर्ज बनता है कि वह अपने सैनिकों के परिवारों को उनके शौर्य के लिए उत्साहित करें। उन्होंने दवा विक्रेताओं से आह्वान किया कि वह वर्तमान में सेना में कार्यरत सैनिकों के परिवार वालों के लिए 25त्न और उसी साल्ट की दवा अन्य कम्पनी की लेने पर 50त्न की छूट, किराना वाले 10त्न तथा होटल वाले सैनिकों के परिवार को 50त्न छूट देंगे। गैस सिलेंडर भरवाने पर भारत पेट्रोलियम केआरके एंटरप्राइजेज किला पर प्रति सिलेंडर 25 रुपये की छूट दी जाएगी। व्यापारियों ने सभी से अपील की है कि वे आपूर्ति संबंधित कृत्रिम कमी की किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें। प्रांतीय संयुक्त महामंत्री राजेश जसोरिया ने कहा कि बाजार में किसी भी सामान की कमी नहीं है। लोग बेवजह किसी की बातों में आकर खाद्य सामग्री आदि का भंडारण न करें। युवा महानगर महामंत्री ईशन गुप्ता ने कहा की व्यापार मंडल के युवा साथी ब्लड कैंप लगाकर सैनिकों के लिए शीघ्र ही रक्तदान करेंगे। बैठक में रेडीमेड वस्त्र व्यापार से दर्शन लाल भाटिया, किशोर केमिस्ट ग्रुप से दुर्गेश खटवानी, राकेश नरूला, मुकेश खटवानी, ,सुनील शर्मा, किराना कमेटी से त्रिलोकी नाथ गुप्ता, केमिस्ट एसोसिएशन से मुनीष प्रजापति, विजय श्रीवास्तव आदि शामिल थे।

भारत-पाकिस्तान संघर्ष को लेकर फेक न्यूज की बाढ़

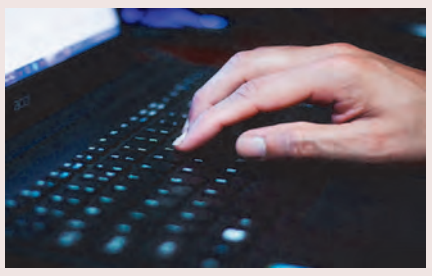

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के बारे में फर्जी खबरों और गलत सूचना से जुड़े 5000 पोस्ट को सोशल मीडिया मंच से हटा दिया है। एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, सेना की गतिविधियों, रणनीतिक अभियानों या पड़ोसी देशों की जवाबी कार्रवाइयों के बारे में फर्जी खबरें सोशल मीडिया पर पाई गईं। अधिकारी ने बताया कि साइबर अपराध का पता लगाने वाली एजेंसी ने सैन्य संघर्ष से संबंधित फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं के प्रसार को लेकर परामर्श भी जारी किया है।

सीनियर अधिकारी ने कहा कि ऐसी असत्यापित और भ्रामक सामग्री राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा पैदा करती है। साथ हीं, संघर्ष को बढ़ाने में योगदान दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी फर्जी खबरों और गलत सूचनाओं को गंभीरता से लेते हुए एजेंसी ने सोशल मीडिया और संचार मंचों से ऐसी झूठी खबरों को हटाने के लिए नोटिस जारी किए हैं। अधिकारी ने बताया कि एजेंसी ने सैन्य संघर्ष के बारे में फर्जी खबरें और गलत सूचना वाली लगभग 5,000 सोशल मीडिया पोस्ट हटा दी हैं।

गलत सूचना फैलाना कानून के तहत दंडनीय: अधिकारी ने कहा कि जानबूझकर या अनजाने में गलत सूचना फैलाना कानून के तहत दंडनीय अपराध है। महाराष्ट्र की साइबर पुलिस ने एक बयान में नागरिकों को सलाह दी है कि वे सूचना का इस्तेमाल और इसे साझा करते समय, विशेष रूप से राष्ट्रीय महत्व के मामलों के बारे में, संयम और विवेक का प्रयोग करें। इन दिनों पाकिस्तानी हैकर समूहों (जैसे- एचओएएक्स1337, नेशनल साइबर क्रू और पाकिस्तान साइबर फोर्स) ने भारतीय रक्षा और सरकारी वेबसाइटों पर बड़े पैमाने पर साइबर हमले किए हैं। महाराष्ट्र साइबर पुलिस के अनुसार, 22 अप्रैल के बाद 10 लाख से अधिक साइबर हमले दर्ज किए गए, जिनमें मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज, मनोहर पर्रिकर रक्षा अध्ययन संस्थान और आर्मर्ड व्हीकल निगम लिमिटेड की वेबसाइटें निशाना बनीं। इन हमलों में संवेदनशील डेटा, जैसे लॉगिन क्रेडेंशियल्स, चुराने की कोशिश की गई।

जम्मू के लोगों ने बताया- सायरन बजने से खुली आंख और तुरंत घर से बाहर भागे, नहीं तो मारे जाते

जम्मू , एजेंसी। पाकिस्तान के मोर्टार और ड्रोन हमलों से प्रभावित जम्मू शहर की रिहाड़ी कॉलोनी के एक निवासी ने पूरे घटनाक्रम को याद किया। उन्होंने कहा कि सायरन की आवाज सुनकर हमारी आंखें खुल गई और कुछ ही देर बाद ही एक भीषण विस्फोट ने हमारे घर को हिलाकर रख दिया। भारतीय सशस्त्र बलों की ओर से रात भर कई ड्रोन हमलों को नाकाम किया गया।

इसके कुछ घंटों बाद शनिवार तड़के जम्मू शहर के रिहाड़ी और रूप नगर सहित कुछ रिहायशी इलाकों में गोले और संदिग्ध ड्रोन के हमले किए गए। जम्मू में 6 स्थानों पर हमले हुए। हमले में सबसे ज्यादा प्रभावित घनी आबादी वाली रिहाड़ी कॉलोनी हुई जहां एक बम गुलशन दत्त के घर पर आ गिरा। इससे इमारत और आसपास के कई वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इस घटना में एक व्यक्ति घायल हो गया, लेकिन परिवार बाल-बाल बच गया। दत्त की पत्नी ने घटना को याद करते हुए कहा, 'सायरन की आवाज से हमारी आंखें खुलीं और हम बालकनी में आने के बाद भूतल की ओर भागे। कुछ ही पलों में हमारे घर में एक जबरदस्त धमाका हुआ।' उन्होंने कहा कि सायरन ने हमारी जान बचा ली। अगर हम नहीं जागते तो हम मर जाते। माता रानी ने हमें बचा लिया। रिहाड़ी कॉलोनी में तबाही के दृश्य युद्ध क्षेत्र जैसे हैं। तबाह इमारतों के कंक्रीट के हिस्से, टूटी खिड़कियां और क्षतिग्रस्त दीवार और वाहन देखे जा सकते हैं। दत्त ने आज सुबह करीब सवा पांच बजे विस्फोट सुना जिसने उनके पूरे घर को हिलाकर रख दिया। उन्होंने कहा, 'हमारा पूरा घर हिल गया। हमें लगा कि अब सब खत्म हो गया है।'

शंभू मंदिर को निशाना बनाकर हमला

एक अन्य बम आप शंभू मंदिर को निशाना बनाकर दागा गया, लेकिन वह सुनसान घर के पास गिरा जिससे बड़ी जनहानि टल गई। एक श्रद्धालु सुदेश कुमार ने कहा, 'हम सुबह की पूजा के लिए आए थे, तभी एक जोरदार विस्फोट ने सन्न कर दिया। हर तरफ मलबा बिखर गया।' उन्होंने कहा कि अगर यह और बाद में हुआ होता तो कई लोगों की जान जा सकती थी। जानीपुर में एक घर की छत पर भी गोला गिरा, जिससे आसपास के इलाके में काफी नुकसान हुआ। हालांकि, डर के कारण परिवार ने घर बंद कर दिया और दूसरी जगह चले गए। जानीपुर निवासी ओमकार सिंह ने कहा, 'हम ड्रोन अलर्ट के कारण पूरी रात जागते रहे। फिर विस्फोट हुए। अब डर का माहौल है। लोग अपने घरों में भी असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।'

1971 के युद्ध की यादें ताजा

हजूरीबाग की शकुंतला देवी ने भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'वे अब नागरिकों को निशाना बना रहे हैं। जब वे हमारी सेना से नहीं लड़ सके तो निर्दोष लोगों पर हमला करके हमें तोड़ने की कोशिश कर रहे हैं।' एक व्यापारिक केंद्र के पास गोदाम में काम करने वाले करतार चंद ने आज सुबह पास में एक गोला फटते देखा। उन्होंने कहा, 'हम डरे नहीं है, लेकिन पाकिस्तान को इसकी कीमत चुकानी होगी। उसे जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को बढ़ावा देने से रोका जाना चाहिए।' तालाब तिल्लो निवासी देवी शरण गुप्ता ने कहा कि इन हमलों ने 1971 के युद्ध की यादें ताजा कर दीं। उन्होंने कहा, 'मैंने तब से जम्मू में ऐसा कुछ नहीं देखा। रिहायशी इलाकों को इस तरह निशाना बनाना सोच से परे है।' शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी हमलों की निंदा की थी।

सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी झंडा और देश विरोधी पोस्ट करने वाले 2 लोगों पर शिमला में एफआईआर

शिमला, एजेंसी। भारत-पाकिस्तान में तनाव के दौरान शिमला से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक गतिविधियों के दो मामले सामने आए हैं। इनमें पाकिस्तान के झंडे और राष्ट्रविरोधी सामग्री को प्रोफाइल फोटो और फेसबुक पोस्ट में शामिल किया गया है। पुलिस ने दोनों मामलों में कड़ी कार्रवाई करते हुए आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पहला मामला शिमला शहर के सदर थाना क्षेत्र का है, जहां एक युवक ने अपने वॉट्सऐप अकाउंट की डिस्प्ले फोटो (डीपी) में पाकिस्तान का झंडा लगाया था। आरोपी की पहचान आदिल मगरे के रूप में हुई है, जो मूल रूप से जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले का रहने वाला है और वर्ष 2016 से शिमला में एक गैस एजेंसी में काम कर रहा है। इसकी सूचना मिलने के बाद पुलिस तुरंत हरकत में आई और भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 197(1) के तहत मामला दर्ज कर लिया। आरोपी को हिरासत में लेने की कार्रवाई जारी है। पुलिस के अनुसार, इस प्रकार की हरकतें देश की एकता, अखंडता और सांप्रदायिक सौहार्द पर सीधा प्रहार हैं। ऐसे समय में जब देश की सीमाओं पर तनाव बना हुआ है और हाई अलर्ट की स्थिति है तो इस तरह के कृत्य न केवल संवेदनशील माहौल को प्रभावित कर सकते हैं बल्कि डिजिटल माध्यमों से अराजकता फैलाने का माध्यम भी बन सकते हैं।

वहीं, दूसरा मामला शिमला जिले के सुन्नी थाना क्षेत्र से सामने आया है। यहां एक युवक द्वारा फेसबुक पर कथित राष्ट्र विरोधी सामग्री शेयर किए जाने के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। शिकायतकर्ता टेक चंद ठाकुर और अन्य स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि इरशाद पुत्र इलियास, निवासी

सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) ने फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट शेयर की थी। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। गुस्साए लोगों ने पुलिस से तुरंत कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने इस मामले में भी भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 और 197 के तहत एफआईआर दर्ज कर ली है। आरोपी युवक का मोबाइल फोन जब्त कर साइबर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिया गया है। पुलिस के मुताबिक इस मामले में भी जांच जारी है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय है कि भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के मद्देनजर हिमाचल प्रदेश में सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया गया है। सीमावर्ती राज्यों के साथ-साथ पहाड़ी क्षेत्रों में भी संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

देश का पहला हाइड्रोजन ट्रक सड़क पर उतरा

सीएम साय ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया

रायपुर, एजेंसी। हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला देश का पहला ट्रक सड़क पर उतर चुका है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साय ने अपना हस्ताक्षर कर हाइड्रोजन ट्रक के चालक को चाबी सौंपी और इस अभिनव पहल के लिए सीएसपीजीसीएल और अदाणी नेचुरल रिसोर्सेस को शुभकामनाएं दीं।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री साय ने शनिवार को अपने निवास परिसर से देश के पहले हाइड्रोजन ईंधन लॉजिस्टिक ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने बताया कि साय ने अपना हस्ताक्षर कर हाइड्रोजन ट्रक के चालक को चाबी सौंपी और इस अभिनव पहल के लिए छत्तीसगढ़ राज्य ऊर्जा उत्पादन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीजीसीएल) और अदाणी नैचरल रिसोर्सेस को शुभकामनाएं दी।

हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर करने वाला क्रांतिकारी कदम: मुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल छत्तीसगढ़ और देश को हरित ऊर्जा की ओर अग्रसर करने वाला क्रांतिकारी कदम होगा। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ लगातार विकास कर रहा है और इसमें आज एक नया आयाम जुड़ा है। भारत के पहले हाइड्रोजन ईंधन लॉजिस्टिक ट्रक की शुरुआत छत्तीसगढ़ में हो रहा है। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हरित ऊर्जा को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान है और उन्होंने वर्ष 2070 तक भारत को शून्य कॉर्बन उत्सर्जन वाला देश बनाने का जो संकल्प लिया है, उसे पाने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण है। पर्यावरण संरक्षण और औद्योगिक विकास के बीच संतुलन साधने में भी यह कदम मददगार होगा।

कोयला परिवहन में उपयोग किया जाएगा: मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण साथ-साथ संभव हैं और ऐसी पहल से हमारे संकल्प को और मजबूती मिलेगी। अधिकारियों ने बताया कि राज्य में हरित भविष्य को सुरक्षित करने के उद्देश्य से सीएसपीजीसीएल और अदाणी नैचरल रिसोर्सेस ने यह साझा प्रयास किया है। छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड द्वारा रायगढ़ जिले के गारे पेल्मा-तीन कोल ब्लॉक से राज्य की विद्युत उत्पादन इकाई तक कोयला परिवहन में इसका उपयोग किया जाएगा।

स्वच्छ और ग्रीन ट्रांसपोर्ट को बढ़ावा देने वाला कदम

उन्होंने बताया कि इस मौके पर अडानी इंटरप्राइजेज के नैचरल रिसोर्सेस के सीईओ डॉक्टर विनय प्रकाश, छत्तीसगढ़ स्टेट पावर जेनरेशन कंपनी लिमिटेड के प्रबंध संचालक संजीव कटियार और अडानी ग्रुप के प्रतिनिधि मौजूद थे। अदाणी समूह के अधिकारियों ने बताया कि अदाणी ग्रुप की प्रमुख कंपनी, अदाणी इंटरप्राइजेज ने भारत का पहला हाइड्रोजन फ्यूल सेल ट्रक जारी किया है, जो लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में स्वच्छ और ग्रीन ट्रांसपोर्ट व्यवस्था को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। आने वाले समय में हाइड्रोजन से चलने वाले ये ट्रक डीजल वाहनों की जगह लेने के लिए तैयार हैं।

200 किमी तक 40 टन माल ले जाने की क्षमता

अधिकारियों ने बताया कि अदाणी इंटरप्राइजेज एक भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा तकनीकी कंपनी तथा एक प्रमुख ऑटो निर्माता कंपनी के साथ मिलकर माल परिवहन के लिए हाइड्रोजन फ्यूल सेल बैटरी से चलने वाले ट्रक विकसित कर रहा है। प्रत्येक ट्रक स्मार्ट तकनीक और तीन हाइड्रोजन टैंक से लैस होगा, जिसमें 200 किलोमीटर की दूरी तक 40 टन तक का माल ले जाने की क्षमता होगी।

धुएं की जगह भाप और गर्म हवा का उत्सर्जन

उन्होंने बताया कि हाइड्रोजन प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है और यह किसी भी प्रकार का हानिकारक उत्सर्जन नहीं करता है। हाइड्रोजन ईंधन सेल से चलने वाले वाहन डीजल ट्रक जितनी दूरी और लोड उठाने की क्षमता रखते हैं। लेकिन धुएं के बजाए ये सिर्फ भाप और गर्म हवा उत्सर्जित करते हैं तथा आवाज भी बहुत कम करते हैं।

गर्लफ्रेंड से शादी करना चाहता था युवक, गला दबाकर पत्नी को मारा

गुरुग्राम , एजेंसी। गर्लफ्रेंड से शादी करने के चक्कर में पति ने पत्नी का गला घोंटकर हत्या की थी। गुरुग्राम पुलिस ने मृतक महिला के परिजनों की शिकायत पर शनिवार को मानेसर थाने में हत्या की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान सोनू निवासी गांव टेंडा, जिला कानपुर नगर (यूपी) के रूप में हुई है। पुलिस आरोपी को रविवार कोर्ट में पेश कर आगामी कार्रवाई करेगी।

मानेसर थाना एसएचओ इंस्पेक्टर सतेंद्र रावल ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी अपनी गर्लफ्रेंड से शादी करना चाहता था, इसलिए उसने शुक्रवार को 20 वर्षीय पत्नी नैंसी की गला दबाकर हत्या कर दी थी। आरोपी ने बताया कि नैंसी से उसकी शादी 2022 में हुई थी और इनका एक नौ महीने का बेटा भी है।

सोनू और नैंसी करीब पांच महीने पहले मानेसर आए थे और वह यहां किराए का ऑटो चलाता था। पुलिस को शुक्रवार सुबह 8 बजे सूचना मिली थी कि आईएमटी चौक के करीब ओएमटी टावर के पास झुग्गियों में एक महिला की हत्या हो गई है।

मानेसर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सतेंद्र रावल, घटनास्थल पर पहुंचे, जहां पर एक महिला का शव जमीन पर पड़ा मिला। पुलिस ने आसपास लोगों से पूछताछ की तो पता चला कि महिला का नाम नैंसी है। इसके बाद पुलिस ने शक के आधार पर उसके पति को हिरासत में लिया था। पुलिस की पूछताछ में आरोपी बार-बार अपने बयान बदलकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। पुलिस ने जब उससे सख्ती से पूछताछ की तो उसने हत्या की बात कबूल कर ली।

महिला दोस्त के चक्कर में पत्नी का दबाया था गला: इंस्पेक्टर सतेंद्र रावल ने बताया कि पुलिस ने शनिवार को महिला के शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को शव सौंप दिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी सोनू कई दिन से एक अन्य महिला से बातचीत कर रहा था। वह उसकी गर्लफ्रेंड बताई जा रही है। वह अपनी पत्नी नैंसी से पीछा छुड़ाना चाहता था, इसलिए उसने नैंसी की गला दबाकर हत्या कर दी और मामले में वह पुलिस को गुमराह कर रहा था।

पाकिस्तान पर भरोसा नहीं कर सकते, हमें सतर्क रहना चाहिए: सैयद नसरुद्दीन चिश्ती

अजमेर, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार दोपहर को सीजफायर को लेकर सहमति बनी, जिसके बाद अजमेर स्थित प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह के दीवान के उत्तराधिकारी और ऑल इंडिया सूफी सज्जादानशीन काउंसिल के अध्यक्ष सैयद नसरुद्दीन चिश्ती ने इस फैसले का स्वागत किया और कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री ने देश की भावनाओं को समझा और पाकिस्तान में घुसकर उसको उसी की भाषा में जवाब दिया। साथ ही चिश्ती ने यह भी कहा कि सबको लग रहा था कि इस बार पीओके भी वापस भारत में मिल जाएगा, हालांकि ऐसा नहीं हो सका। लेकिन इसके साथ ही उन्होंने सरकार को पाकिस्तान से बचकर रहने की सलाह भी दी। उन्होंने कहा कि ऐसी नापाक सोच रखने वालों, आतंक का गढ़ वालों पर भरोसा नहीं किया जा सकता। सैयद नसरुद्दीन चिश्ती ने इस बारे में एएनआई से बात करते हुए कहा, भारत शुरू से ही शांतिप्रिय देश रहा है। भारत ने कभी भी युद्ध में या संघर्ष में कभी भी विश्वास नहीं रखा है...लेकिन जहां देशवासियों की आन-बान-शान की बात आती है, और देश की सुरक्षा की बात आती है, तो कभी भारत पीछे भी नहीं हटता है।

फरीदाबाद के 4 बड़े चौराहों पर जाम खत्म करने का प्लान तैयार

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद शहर में जाम की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए राहत की खबर है। फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण की ओर से एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद और ग्रेटर फरीदाबाद में चार व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक लाइटें लगाई जाएंगी। इससे न केवल जाम की समस्या से छुटकारा मिलेगा, बल्कि शहर के प्रदूषण स्तर में भी कमी आएगी और वाहनों को रफ्तार भी मिलेगी।

फरीदाबाद शहर में ट्रैफिक जाम की भारी समस्या है। एनआईटी की सड़कें हों या ग्रेटर फरीदाबाद और ओल्ड फरीदाबाद क्षेत्र की लगभग सभी जगह सुबह-शाम सड़कों पर वाहन रेंगते नजर आते हैं। सड़कों के दोनों तरफ अवैध रूप से खड़े वाहन भी जाम की मुख्य वजह बनते हैं। ऐसे में फरीदाबाद महानगर विकास प्राधिकरण (एफएमडीए) ने एनआईटी, ओल्ड फरीदाबाद और ग्रेटर फरीदाबाद के व्यस्त चौराहों पर लाइटें लगाने

की योजना तैयार की है, जहां फिलहाल ट्रैफिक लाइट्स नहीं हैं। लाइट्स नहीं होने के कारण वाहन चालकों को लंबे जाम का सामना करना पड़ता है।

सेंसर तकनीक का इस्तेमाल

अधिकारियों का कहना है कि जल्द ही चयनित चौकों पर आधुनिक ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम के तहत लाइटें लगाई जाएंगी। इन लाइट्स के संचालन के लिए सेंसर आधारित तकनीक का उपयोग किया जाएगा, जिससे ट्रैफिक का वास्तविक समय पर आंकलन करके लाइटों का संचालन हो सकेगा। इससे यातायात नियंत्रित किया जा सकेगा और अनावश्यक रुकावटों से बचा जा सकेगा।

प्रदूषण पर लगाम लगेगी

सड़कों के व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक की समस्या रहने के कारण रोजाना लंबा जाम लगता है। चौराहों पर घंटों जाम लगा होने से प्रदूषण बढ़ता है खासकर सर्दियों में स्मार्ट सिटी गैस चैंबर बनने जैसी स्थिति पैदा हो जाती है, जिसे देखते हुए व्यस्त चौराहों पर ट्रैफिक लाइटें लगाने की तैयारी की गई है। इससे जहां लोगों को जाम मुक्ति मिलेगी। वहीं बढ़ते प्रदूषण पर लगाम लगेगी। क्षितिज वर्मा, कार्यकारी अभियंता, एफएमडीए, फरीदाबाद की ओर से लाइटें लगाने के लिए टेंडर जारी कर दिया है। इस योजना पर करीब 65 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे।

फरीदाबाद में ड्रोन और आतिशबाजी बैन; पकड़े जाने पर ऐक्शन

फरीदाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान से जारी तनाव के बीच सुरक्षा को देखते हुए फरीदाबाद में ड्रोन और आतिशबाजी पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। फरीदाबाद जिला प्रशासन ने ड्रोन और पतंग उड़ाने पर पाबंदी लगा दी है। इनके अलावा माइक्रोलाइट विमान, ग्लाइडर, हॉट एयर बैलून, पतंगबाजी, चीनी माइक्रोलाइट्स और आतिशबाजी पर भी पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगे। शुक्रवार को जिलाधीश विक्रम सिंह ने यह आदेश जारी किए हैं।

फरीदाबाद में ये प्रतिबंध नौ मई से सात जुलाई तक लागू रहेंगे। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी हुआ है। इसका उल्लंघन करने पर भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत कानूनी कार्रवाई होगी। प्रशासन ने लोगों से सतर्क और सहयोगी रहने की अपील की है।

इस बीच पाकिस्तान के हमले के दौरान आपात स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। प्रशासन की ओर से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा को लेकर लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है।

सीजफायर तोड़ने पर पाकिस्तान पर बरसे शिखर धवन, लिखा- घटिया देश ने...

नई दिल्ली, एजेंसी। सीजफायर होने के चार घंटे बाद ही पाकिस्तान अपनी नापाक हरकतों पर फिर उतारू हो गया और भारत के इलाकों में फिर से बमबारी चालू कर दी। भारतीय फौजें इसका जोरदार जवाब दे रही हैं। वहीं, पाकिस्तान की इस हरकत से भारतीय क्रिकेटर भी बेहद गुस्से में नजर आ रहे हैं। पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन ने एक्स पर पोस्ट में लिखा है- घटिया देश ने फिर अपना घटियापन पूरी दुनिया को दिखा दिया। बीते दिन भी धवन ने इस स्थिति पर अपनी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- हमारी सीमाओं की इतनी मजबूती से रक्षा करने और जम्मू पर ड्रोन हमले को रोकने के लिए हमारे बहादुर जवानों को सम्मान। भारत मजबूती से खड़ा है। जय हिंद! सहवाग, जिन्हें मुल्तान के सुल्तान के नाम से जाना जाता है, ने भी अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक तीखा संदेश पोस्ट किया। उन्होंने हिंदी मुहावरे कुत्ते की दुम टेढ़ी की टेढ़ी ही रहती है. का इस्तेमाल करते हुए पाकिस्तान के बार-बार संघर्ष विराम तोड़ने की प्रवृत्ति पर कटाक्ष किया। यह मुहावरा उन लोगों या संस्थाओं के लिए प्रयोग किया जाता है जो बदलाव का विरोध करते हैं। सहवाग का यह तंज पाकिस्तान के संघर्ष विराम उल्लंघनों के इतिहास पर सीधा प्रहार माना जा रहा है। बता दें कि शनिवार शाम दोनों देशों ने औपचारिक रूप से संघर्ष विराम समझौते की घोषणा की थी। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने पुष्टि की कि दोनों पक्षों के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने तत्काल प्रभाव से सभी शत्रुताएं–चाहे वह भूमि, वायु या समुद्र से हों–समाप्त करने पर सहमति जताई थी। लेकिन पाकिस्तान ने इस विराम को तोड़ दिया। वहीं, देर रात खबरें आई कि चीन ने पाकिस्तान की वकालत की है लेकिन इस संबंधी जब भारत के विदेशी मंत्रालय ने चीन में बात की तो उन्होंने इससे साफ इंकार कर दिया और कहा कि वह हर वक्त आतंकवाद का विरोध करते आ रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

बांग्लादेश क्रिकेट टीम यूएई दौरे के लिए तैयार, पाकिस्तान यात्रा पर अभी सस्पेंस बरकरार

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने शनिवार को ऐलान किया कि उनकी पुरुष राष्ट्रीय टीम दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की सीरीज के लिए संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का दौरा करेगी। हालांकि, पाकिस्तान में प्रस्तावित पांच टी20 मैचों के दौरे को लेकर बोर्ड ने अभी कोई अंतिम फैसला नहीं लिया है। यूएई क्रिकेट बोर्ड ने पहले घोषणा की थी कि बांग्लादेश की टीम मई में शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में मेजबान यूएई के खिलाफ दो टी20 मैच खेलेगी। ये मुकाबले 17 और 19 मई को स्थानीय समयानुसार शाम 7~00 बजे होंगे। इसके बाद बांग्लादेश को 25 मई से 3 जून तक पाकिस्तान में पांच टी20 मैच खेलने थे।

बीसीबी ने बताया कि भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर चल रहे तनाव के कारण, जिसके चलते इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) स्थगित हो चुके हैं, पाकिस्तान दौरे का फैसला टाल दिया गया है। शनिवार को शेर-ए-बांग्ला नेशनल क्रिकेट स्टेडियम में बीसीबी के निदेशकों की एक बैठक हुई, जिसमें भविष्य की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। बीसीबी ने अपने बयान में कहा, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपनी प्रतिबद्धता और तैयारियों को जारी रखते हुए, बांग्लादेश की राष्ट्रीय टीम अगले सप्ताह यूएई में दो टी20 मैचों की सीरीज खेलेगी। पाकिस्तान दौरे के बारे में बीसीबी ने कहा, हम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के साथ इस दौरे को लेकर लगातार संपर्क में हैं। खिलाड़ियों और सहायक स्टाफ की सुरक्षा हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण है। पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति को ध्यान में रखते हुए, दौरे से जुड़ा कोई भी फैसला सावधानीपूर्वक और बांग्लादेश क्रिकेट के हित में लिया जाएगा। बीसीबी ने स्पष्ट किया कि वह स्थिति पर लगातार नजर रख रहा है और जल्द ही पाकिस्तान दौरे पर अंतिम निर्णय लेगा।

लारा ने कहा-

विराट टेस्ट से संन्यास न लें

● टेस्ट क्रिकेट को उनकी जरूरत आगे ● 60 से ऊपर की औसत से रन बनाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर ब्रायन लारा ने भारतीय बल्लेबाजी के सुपरस्टार विराट कोहली से टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के कथित फैसले को वापस लेने की सार्वजनिक अपील की है। यह अपील ऐसे समय में आई है जब कोहली के टेस्ट क्रिकेट भविष्य को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है।

35 वर्षीय कोहली ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को सूचित किया है कि वह 20 जून से शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ भारत की आगामी पांच मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेना चाहते हैं। हालांकि, बीसीसीआई ने अभी हार नहीं मानी है। बोर्ड के सूत्रों का कहना है कि वे कोहली को टेस्ट क्रिकेट में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं, खासकर तब जब इंग्लैंड दौरे के साथ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का नया चक्र शुरू हो रहा है। लारा, जिन्हें क्रिकेट इतिहास के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है, ने कोहली की टेस्ट क्रिकेट में उपलब्धियों और उनके प्रभाव की सराहना की। उन्होंने कहा कि विराट कोहली जैसे खिलाड़ी हर पीढ़ी में एक बार आते हैं। उनकी तकनीक, जुनून और खेल के प्रति समर्पण टेस्ट क्रिकेट को जीवंत बनाए रखते हैं। मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे अपने फैसले पर पुनर्विचार करें। विश्व क्रिकेट को अभी उनकी जरूरत है। लारा ने यह भी कहा कि कोहली की मौजूदगी युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का काम करती है और भारत के डब्ल्यूटीसी अभियान के लिए उनकी भूमिका महत्वपूर्ण हो सकती है।

बीसीसीआई के सूत्रों के अनुसार, बोर्ड कोहली के साथ गहन चर्चा कर रहा है। वे चाहते हैं कि कोहली कम से कम इस डब्ल्यूटीसी चक्र तक टेस्ट क्रिकेट खेलना जारी रखें, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के बाद ऑस्ट्रेलिया का दौरा भी शामिल है। कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में 8,848 रन बनाए हैं, जिसमें 29 शतक और 30 अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 49.15 है, जो उनकी निरंतरता और उत्कृष्टता को दर्शाता है। हालांकि, कोहली ने पिछले कुछ समय से सीमित ओवरों के क्रिकेट पर अधिक ध्यान दिया है, और कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि वह अपने करियर के इस पड़ाव पर कार्यभार को कम करना चाहते हैं। दूसरी ओर, प्रशंसक और क्रिकेट विशेषज्ञ कोहली को टेस्ट क्रिकेट में और योगदान देते देखना चाहते हैं।

लारा की अपील और बीसीसीआई के प्रयासों के बीच, क्रिकेट जगत कोहली के अंतिम फैसले का इंतजार कर रहा है।

इंडिया वूमेन-श्रीलंका वूमेन

स्मृति मंधाना ने 92 गेंदों पर ठोका शतक, खेली 116 रन की पारी, भारत ने बनाए 342 रन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ओपनर बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने श्रीलंका महिला क्रिकेट टीम के खिलाफ वूमेन्स ट्राई नेशनल सीरीज 2025 के फाइनल में कमाल की शतकीय पारी खेली। भारत ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए श्रीलंका के खिलाफ 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन का विशाल स्कोर बनाया और विरोधी टीम को जीत के लिए 343 रन का टारगेट दिया। भारत की तरफ से हरलीन देओल, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रोड्रिग्स इस मैच में अर्धशतक लगाने से चूक गईं। .स्मृति मंधाना ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मुकाबले में गजब की पारी खेलते हुए 92 गेंदों पर शतक पूरा किया और इस मैच में उन्होंने 2 छक्के और 15 चौकों की मदद से 101 गेंदों पर 116 रन ठोक डाले। ये मंधाना के वनडे क्रिकेट करियर का 11वां शतक रहा। पहले विकेट के लिए मंधाना ने इस मैच में प्रतिका रावल के साथ मिलकर 70 रन की साझेदारी की जबकि दूसरे विकेट के लिए हरलीन देओल के साथ मिलकर 120 रन की शतकीय साझेदारी निभाई।

भारतीय महिला टीम ने बनाए 342 रन

भारतीय महिला टीम की बैटिंग फाइनल मैच में जबरदस्त रही और इस टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट पर 342 रन बनाए। भारत की तरफ से मंधाना की शतकीय पारी के अलावा हरलीन देओल ने 47 रन जबकि कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 30 गेंदों पर 41 रन तो वहीं जेमिमा रोड्रिग्स ने तेज गति से 29 गेंदों पर 4 चौकों की मदद से 44 रन बनाए। ये तीनों अपने अर्धशतक के करीब आकर आउट हो गईं। इसके अलावा निचले क्रम की बल्लेबाज अमनजीत कौर ने 12 गेंदों पर 18 रन तो वहीं दिप्ती शर्मा ने 14 गेंदों पर नाबाद 20 रन की पारी खेली।

विराट कोहली का संन्यास सही पर टाइमिंग गलत: सिद्धू

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट में एक बार फिर हलचल मच गई है। खबर है कि टेस्ट क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने इंग्लैंड के बहुप्रतीक्षित पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का चौंकाने वाला फैसला किया है। इस खबर ने न केवल प्रशंसकों को स्तब्ध कर दिया है, बल्कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के शीर्ष अधिकारियों को भी चिंता में डाल दिया है। बीसीसीआई ने कोहली से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है, क्योंकि यह सीरीज अगले आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप चक्र की शुरुआत करेगी। पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज नवजोत सिंह सिद्धू ने कोहली के इस फैसले पर अपनी राय रखते हुए कहा कि हालांकि कोहली का युवाओं को मौका देने का इरादा नेक है, लेकिन इंग्लैंड दौरे से पहले इसकी टाइमिंग गलत है। सिद्धू ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कहा, विराट कोहली का संन्यास लेने का फैसला क्रिकेट जगत में तहलका मचा रहा है। उनका इरादा सही है, उनका मकसद नेक है कि 'पुरानी व्यवस्था को बदलकर नई पीढ़ी को मौका देना चाहिए।' लेकिन समय और अवसर उचित नहीं है, क्योंकि भारत का गौरव और प्रतिष्ठा दांव पर है।

सिद्धू ने आगे कहा, हम एक ऐसे दौरे पर जा रहे हैं, जो अन्य टेस्ट खेलने वाले देशों के लिए भी सबसे कठिन चुनौती है। मैं क्यों कहता हूं कि कोहली इंग्लैंड में हमारे 'चमकते हुए योद्धा' हो सकते हैं? क्योंकि उनके पास अनुभव है, खासकर रोहित शर्मा के संन्यास के बाद। आप इंग्लैंड में एक अनुभवहीन टीम नहीं भेज सकते।

गंभीर-अगरकर ने तय किया भारत का नया टेस्ट कप्तान!

नई दिल्ली, एजेंसी। टीम इंडिया को अगले महीने इंग्लैंड के दौरे पर जाना है. दोनों टीमों के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी. ये वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 की पहली सीरीज भी होगी, जिसकी शुरुआत 20 जून से होनी है. इस सीरीज के साथ भारतीय क्रिकेट के नए दौर की भी शुरुआत होगी.

दरअसल, भारतीय दिग्गज रोहित शर्मा ने हाल ही में टेस्ट फॉर्मेट में संन्यास लिया है, जो टेस्ट टीम के कप्तान भी थे. ऐसे में इस दौरे पर भारतीय टीम एक नए कप्तान के साथ जाएगी. इस कप्तान का नाम तय हो गया है और बीसीसीआई जल्द ही इसका ऐलान भी करेगी. रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा काफी खराब रहा था और टीम इंडिया को हार का सामना भी करना पड़ा था. उसके बाद से ही माना जा रहा था कि रोहित को अब टेस्ट में जगह नहीं मिलेगी. इन सब खबरों के बीच उन्होंने संन्यास का ऐलान करके सभी को चौंका दिया. इसके बाद नए कप्तान की रेस में कई स्टार खिलाड़ी शामिल हो गए, जिसमें सबसे बड़ा नाम जसप्रीत बुमराह का है. लेकिन वह इस रेस में पिछड़ गए हैं. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, युवा स्टार बल्लेबाज शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के नए कप्तान होंगे.

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 23 या 24 मई इस दौरे लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन किया जाएगा. हालांकि, यह तय हो गया है कि गिल ही इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम के कप्तान होंगे. वहीं, बीसीसीआई प्रेस कॉन्फ्रेंस करके गिल को अगला कप्तान बनाने का ऐलान कर सकती है. इतना ही नहीं, रिपोर्ट्स के मुताबिक, शुभमन गिल ने भारतीय टेस्ट क्रिकेट के रोडमैप पर चर्चा करने के लिए हेड कोच गौतम गंभीर और चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर से मुलाकात भी की है.

रेड-बॉल क्रिकेट में पहली बार संभालेंगे कमान

ये पहला मौका होगा जब शुभमन गिल रेड–बॉल क्रिकेट में टीम इंडिया की कमान संभालेंगे. इससे पहले वह टी20 फॉर्मेट में टीम इंडिया की कप्तानी कर चुके हैं. पिछले साल जिम्बाब्वे दौरे पर वह टीम का कप्तान बनकर गए थे, जब 5 टी20 मैच खेले गए थे. इसके अलावा वह आईपीएल में गुजरात की टीम के कप्तान भी हैं. आईपीएल 2025 में उनकी कप्तानी में टीम का प्रदर्शन काफी शानदार रहा है, जिसके चलते उन्हें अब टेस्ट टीम की कमान मिलने जा रही है. हालांकि, बीसीसीआई का आखिरी फैसला क्या होगा, इसका पता 23 या 24 मई को चल जाएगा.

ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज क्रिकेटर का निधन...

टेस्ट में जड़ा था ऐतिहासिक तिहरा शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट से जुड़ी एक दुखद खबर सामने आई है. दिग्गज क्रिकेटर बॉब काउपर का मेलबर्न में निधन हो गया. काउपर 84 साल के थे और उनका निधन 11 मई (रविवार) को हुआ. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने काउपर के निधन की पुष्टि की है. काउपर लंबे समय से कैंसर बीमारी से जूझ रहे थे.

काउपर के परिवार में उनकी पत्नी डेल और दो बेटियां (ओलिविया और सेरा) हैं. क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के चेयरमैन माइक बेयर्ड ने कहा, बॉब काउपर के निधन की खबर सुनकर हमें गहरा दुख हुआ है. वह ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में एक बेहद सम्मानित व्यक्ति थे. बॉब एक शानदार बल्लेबाज थे, जिन्हें मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (स्ष्टत्र) में उनके तिहरे शतक के साथ-साथ 1960 के दशक में ऑस्ट्रेलिया और विक्टोरिया (राज्य) टीमों में उनके शानदार प्रदर्शन के लिए हमेशा याद किया जाएगा. बाएं हाथ के बल्लेबाज बॉब काउपर को उनके बेहतरीन स्ट्रोकप्ले और संयमित बल्लेबाजी करने के लिए जाना जाता था. काउपर ने अपनी सबसे यादगार पारी फरवरी 1966 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी. तब उन्होंने लगभग 12 घंटे की मैराथन पारी में 589 गेंदों पर 307 रन बनाए थे. यह ऑस्ट्रेलियाई धरती पर किसी

बल्लेबाज का टेस्ट क्रिकेट में पहला तिहरा शतक था. साथ ही 20वीं सदी में ऑस्ट्रेलिया की धरती पर टेस्ट क्रिकेट में बनाया गया यह इकौलता तिहरा शतक भी रहा. देखा जाए तो ये बॉब काउपर का तीसरा टेस्ट शतक था. उन्होंने एक साल पहले कैरेबियाई धरती पर दो शतक बनाए थ

`. फिर तिहरे शतक के बाद उन्होंने दो और शतक बनाए. उन्होंने आश्चर्यजनक रूप से साल 1968 में संन्यास की घोषणा की, तब वो सिर्फ 28 वर्ष के थे. काउपर ने 1964 से 1968 के बीच ऑस्ट्रेलिया के लिए 27 टेस्ट मैच खेले, जिसमें उन्होंने 46.84 के एवरेज से 2061 रन बनाए. इस दौरान उनके बल्ले से 5 शतक और 10 अर्धशतक निकले.

घरेलू मैदान पर जमकर बनाते थे रन

घरेलू मैदान पर बेन काउपर का रिकॉर्ड और भी दमदार था, जहां उन्होंने 75.78 की औसत से टेस्ट क्रिकेट में 1061 रन बनाए थे. वह महान डॉन ब्रैडमैन के बाद घरेलू जमीन पर सबसे ज्यादा टेस्ट औसत वाले बल्लेबाज हैं. काउपर ने अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी का भी जलवा दिखाया और टेस्ट में 36 विकेट झटके. काउपर ने 147 फर्स्ट क्लास मैचों में 10595 और 4 लिस्ट-ए मैचों में 77 रन बनाए.

पीएसएल 2025 की मेजबानी से किया इनकार

अमीरात क्रिकेट बोर्ड ने निभाई बीसीसीआई और जय शाह से दोस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य तनाव जारी रहने के बावजूद, क्रिकेट कूटनीति चुपके से अपनी भूमिका निभा रही है। खबर है कि अमीरात क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की उस अपील को ठुकरा दिया, जिसमें पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) के बचे हुए मैचों को यूएई में आयोजित करने की मांग की गई थी।

माना जा रहा है कि यह फैसला भारतीय क्रिकेट प्रशासकों के इशारे पर लिया गया। एक क्रिकेट अधिकारी ने कहा, ÷जब सीमा पर हमारे जवान शहीद हो रहे हैं, तब हम चुप नहीं रह सकते। क्रिकबज ने पहले भी इस बात के संकेत दिए थे कि भारत की ओर से दबाव बनाया गया था, और अब ईसीबी का यह फैसला उसी दिशा में दिखाई देता है। पूर्व बीसीसीआई सचिव और वर्तमान आईसीसी चेयरमैन जय शाह की प्रतिष्ठा और यूएई के नेतृत्व व क्रिकेट बोर्ड के साथ उनके करीबी रिश्तों ने इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बीसीसीआई और ईसीबी के बीच संबंध हमेशा से सौहार्दपूर्ण रहे हैं,

खासकर तब से जब बीसीसीआई ने जय शाह के नेतृत्व में यूएई में डेढ़ आईपीएल सीजन और 2021 टी20 विश्व कप का आयोजन किया। ईसीबी के महासचिव मुबाशिर उस्मानी, जो मूल रूप से मुंबई के हैं उन्होंने भी इन रिश्तों को और मजबूत किया है। एक ईसीबी अधिकारी ने क्रिकबज को बताया, हम बीसीसीआई और जय भाई के आभारी हैं.

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

मदर्स डे पर बच्चों ने मां की ममता को मंच पर उतारा

पटना (नि. सं.)। राजधानी में मदर्स डे पर बच्चों की ओर से मांओं को समर्पित कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में रविवार को आनंद विहार कॉलोनी में बच्चों ने तू कितनी अच्छी है, ममता की मूरत जैसे मां आदि गीतों पर शानदार प्रस्तुति दी। बच्चों ने मां की ममता को मंच पर उतारा। बच्चों ने भारत माता और सेना के जवानों की सलामती की भी दुआएं मांगी। मदर्स डे पर सभी बच्चों ने मां के साथ मिलकर केक काटा। कार्यक्रम की संयोजिका लिपिका सिंह ने कहा कि मां है तो परिवार है, मां के बिना परिवार अधूरा हो जाता है। यूरो मदर्स क्लब की महिलाओं ने रैंप वॉक के साथ एक-दूसरे को मेंहदी लगाई और चूड़ियां पहनाई।

पलवैया धाम को राजकीय मेला का दर्जा स्वागतयोग्य कदम : विजय कुमार

औरंगाबाद (एसवीवी. सं.)। बिहार सरकार द्वारा वैशाली जिले के महनार प्रखंड स्थित पलवैया धाम में लगने वाले मेले को राजकीय मेला घोषित किए जाने का व्यापक स्वागत किया जा रहा है। इस क्रम में वैश्य चेतना समिति के जिला संयोजक सह लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रदेश सचिव विजय कुमार अकेला ने इस निर्णय को ऐतिहासिक और स्वागतयोग्य बताया है। विजय कुमार अकेला ने कहा कि कानू-हलवाई समाज के कुलगुरु महात्मा गणिनाथ की जन्मस्थली पलवैया धाम का धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व है। यह स्थान न केवल बिहार, बल्कि अन्य राज्यों में भी लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है। वर्षों से उनके अनुयायियों की यह मांग रही है कि यहां लगने वाले मेले को राजकीय दर्जा दिया जाए। राज्य सरकार द्वारा इस मेला को राजकीय मेला घोषित करना एक सकारात्मक और जनभावनाओं के अनुरूप कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार के इस निर्णय से महात्मा गणिनाथ के अनुयायियों में हर्ष और उत्साह का माहौल है। यह फैसला सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूती देने वाला है।

एलआईसी बिल्डिंग के सर्वर रूम में लगी आग

पटना (नि. सं.)। पटना के एग्जीबिशन रोड इलाके के एलआईसी बिल्डिंग में अचानक आग लग गई। आग लगने से सर्वर रूम को काफी नुकसान पहुंचा है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है। आग अहले सुबह लगभग 5 बजे लगी थी। सर्वर रूम से धुंआ निकलने लगा, इसके बाद अफरातफरी का माहौल बन गया। सेकेंड फ्लोर पर आग लगने की वजह से हाइड्रोलिक मशीन और सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ा। इस दौरान अग्निशमन के कर्मियों को काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। जिला अग्निशमन पदाधिकारी मनोज नट ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से एलआईसी बिल्डिंग के सर्केंड फ्लोर पर आग लगी थी। आग पर काबू पा लिया गया है। घटना सुबह 5 बजे की है।

दोस्त से मिलकर लौट रहा था, बिजली के खंभे से टकराई मोटरसाइकिल

सड़क हादसे में कर्मचारी की मौत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत जरमाखाप गांव के पास नहर पर शनिवार की रात एक तेज रफ्तार वाहन के चकमे से बाइक सवार अधेड़ की मौत हो गई। मृतक की पहचान छोटकी बेला गांव निवासी समरू यादव के 45 साल के बेटे विनोद यादव के रूप में हुई है। वह दाउदनगर स्थित सिंचाई विभाग में चतुर्थ वर्गीय कर्मचारी के पद पर कार्यरत था। विनोद शनिवार रात बाइक से गंगटी गांव अपने दोस्त से मिलने गया था। कुछ समय साथ बिताने के बाद उसने दोस्त को छोटकी बेला चलने को कहा, लेकिन दोस्त ने मना कर दिया। इसके बाद विनोद अकेले बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में जरमाखाप गांव स्थित नहर के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार अज्ञात वाहन के चकमे से उसकी बाइक बेकाबू हो गई और सड़क किनारे खड़ी पोल से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि विनोद गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही परिजन भी पहुंच गए। घायल को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर सुनते ही परिजन शव से लिपटकर रोने लगे। पूरे अस्पताल परिसर में चीख-पुकार मच गई। सूचना पर नगर थाना पुलिस अस्पताल पहुंची। शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया। परिजनों ने जिला प्रशासन से आपदा राहत के तहत मुआवजे की मांग की है। नगर थानाध्यक्ष उपेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दुर्घटना में एक अधेड़ की मौत हुई है। आगे की कार्रवाई की जा रही है। राजद जिला प्रवक्ता डॉ. रमेश यादव, अनिल यादव, दीपक यादव, निखिल यादव, जितेंद्र यादव सहित कई लोगों ने गहरा शोक जताया है। डॉ. रमेश यादव ने कहा कि यह घटना बेहद दुखद है।

पारिवारिक रंजिश में मारपीट, एक घायल, तीन नामजद, 10 पर मामला दर्ज

रफीगंज (औरंगाबाद) (नि.सं.)। रफीगंज प्रखंड अंतर्गत पचार गांव से, जहां पारिवारिक रंजिश के चलते एक व्यक्ति के साथ मारपीट की घटना हुई है। इस घटना में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका इलाज एक निजी अस्पताल में कराया गया है। घायल युवक की पहचान पचार गांव निवासी किशोरी पासवान के रूप में हुई है। घायल किशोरी पासवान ने पुलिस को दिए गए बयान में बताया कि उनके ससुर रामस्वरूप पासवान, साला देव पासवान (निवासी मंगरू बिगहा) और साढ़ू चंदन पासवान (निवासी रतवा गांव) ने मिलकर लाठी, डंडा और रॉड से हमला किया। उनके साथ लगभग 10 अज्ञात लोग भी थे, जिन्होंने मिलकर उसे बुरी तरह से पीटा। किशोरी पासवान ने बताया कि वह अपने साढ़ू के गांव रतवा गए हुए थे। वहीं से जब उनके बच्चे की तबीयत बिगड़ी तो वह अपनी पत्नी और बच्चे को लेकर अपने घर लौट आए। इसी बात से नाराज होकर आरोपितों ने घर लौटने पर आपत्ति जताई और कहा कि 'बिना बताए घर क्यों आ गए।' इसके बाद सभी ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस सक्रिय हुई और रफीगंज थाना में तीन नामजद सहित 10 अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस संबंध में रफीगंज थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और अग्रिम कार्रवाई की जा रही है। पुलिस इस घटना को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी को लेकर प्रयासरत है। इस घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है। ग्रामीणों के अनुसार, पारिवारिक विवाद लंबे समय से चल रहा था, जो अब हिंसक रूप में सामने आया है। पुलिस की सतर्कता और समय पर हस्तक्षेप से बड़ी घटना टल गई, लेकिन इस हमले ने कानून-व्यवस्था पर सवाल जरूर खड़े किए हैं।

दुश्मनों के छक्के छुड़ाने को तैयार भारत स्काउट-गाइड, देंगे डिफेंस वॉलंटियर के रूप में सेवाएं

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद सहित पूरे बिहार में भारत स्काउट और गाइड के स्वयंसेवक अब देश की रक्षा के लिए भी अपनी सेवाएं देने को तैयार हैं। भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव और युद्ध जैसे हालातों के मद्देनजर, बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के निर्देश पर यह बड़ा निर्णय लिया गया है कि भारत स्काउट और गाइड के प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को डिफेंस वॉलंटियर के रूप में तैयार किया जाएगा। इस निर्णय को लेकर रविवार को औरंगाबाद जिले के बभंडी स्थित स्काउट जिला प्रशिक्षण केंद्र में आपात बैठक आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता बिहार राज्य भारत स्काउट और गाइड के राज्य सचिव सह औरंगाबाद जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) श्रीनिवास कुमार ने की। बैठक में सभी जिलों के स्काउट-गाइड लीडर्स ने हिस्सा लिया और आपसी सहमति से कई अहम फैसले लिए गए। बैठक में यह तय किया गया कि औरंगाबाद जिले में 400 स्काउट-गाइड सहित राज्य के अन्य सभी जिलों में प्रशिक्षित स्वयंसेवकों को 'आपदा मित्र' के रूप में विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इन स्वयंसेवकों को किसी भी आपात स्थिति में जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार के सहयोग के लिए 24 घंटे तत्पर रखा जाएगा। आपदा के समय पर तैयार रहने के उद्देश्य से यह भी निर्णय लिया गया कि दो दिनों के भीतर प्रत्येक प्रखंड से 18 वर्ष से अधिक और 40 वर्ष से कम उम्र के प्रशिक्षित स्काउट और गाइड की सूची तैयार कर राज्य सरकार को सौंपी जाएगी। यह सूची भविष्य में किसी भी आपातकालीन परिस्थिति में सेना और प्रशासन के सहयोग के लिए एक सशक्त मानव संसाधन के रूप में कार्य करेगी।

बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में राज्य सचिव श्रीनिवास कुमार ने बताया कि स्काउट और गाइड को जो प्रशिक्षण दिया जाता है, वह सैन्य प्रशिक्षण का ही एक लघु रूप है। इसमें प्राथमिक उपचार, गांठ बांधने की कला (नॉटिंग), सीपीआर (हृदय पुनर्जीवन प्रक्रिया), टेंट पिचिंग और आपदा से निपटने के व्यावहारिक तौर-तरीके सिखाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह समय देश सेवा का है और स्काउट-गाइड अपनी पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ देश की सेवा के लिए हर पल तैयार हैं। औरंगाबाद जिले में इस निर्णय का व्यापक स्वागत किया गया है। जिले के युवाओं में स्काउट-गाइड के इस निर्णय से नई ऊर्जा और देशभक्ति की भावना जगी है। अब देखना है कि यह प्रेरणास्पद पहल किस तरह आने वाले समय में राज्य और देश की सुरक्षा में एक सहायक ताकत बनती है।

बुजुर्ग महिला ने भाई-भतीजी पर लगाया जमीन और दो लाख रूपए हड़पने का आरोप

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

सगे भाई और भतीजी पर धोखाधड़ी कर मकान और दो लाख रुपए हड़प लेने का आरोप है। वृद्धा ने रविवार को अंबा थाना में आवेदन देकर कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता 80 साल की द्रोपदी कुंवर रिसियप थाना क्षेत्र अंतर्गत अमौना गांव की रहने वाली है। द्रोपदी कुंवर ने बताया कि उनके पति रामलगन दुबे की मौत साल 1987 में हो गई थी। इसके बाद वह पति की पूरी संपत्ति की उत्तराधिकारी बनीं। उन्होंने झारखंड के लातेहार जिले के गांव में दो बार जमीन खरीदकर मकान बनवाया।

बुढ़ापे में देखभाल के लिए उन्होंने अपने भाई रामदेव पांडेय को साथ रखा। लेकिन रामदेव ने धोखा दिया। उसने मकान को अपने बेटे विवेक पांडेय के नाम पर बेच दिया। उस समय वृद्धा को इसकी जानकारी तक नहीं थी। जब उन्हें पता चला तो उन्होंने भाई से पूछा। इस पर रामदेव ने गाली-गलौज और मारपीट कर घर से निकाल दिया।

वृद्धा जब लातेहार थाना पहुंची तो वहां के थानेदार ने समझौता कराकर रामदेव से दो लाख रुपए दिलवाए। रामदेव ने अपनी बेटी सरिता देवी को फोन कर कहा कि द्रोपदी को अपने घर ले जाकर सेवा करें। सरिता अंबा थाना क्षेत्र के हरदत्ता गांव में रहती है। वह वृद्धा को अपने घर ले गई। सेवा का झांसा देकर वृद्धा के पास रहे दो लाख रुपए अपने बैंक खाते में फिक्स डिपॉजिट करवा लिए। कुछ दिन बाद जब वृद्धा ने विरोध किया तो सरिता ने भी मारपीट कर घर से निकाल दिया। असहाय अवस्था में वृद्धा अपनी बहन के बेटे वीरेंद्र तिवारी के पास भैरोपुर गांव पहुंची। उस समय उनकी हालत गंभीर थी। वीरेंद्र उन्हें इलाज के लिए सदर अस्पताल लाए। डॉक्टरों ने इलाज किया। तब जाकर हालत में सुधार हुआ। वृद्धा अंबा थाना पहुंचीं और भतीजी सरिता देवी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने भाई रामदेव पांडेय और भतीजी सरिता देवी पर साजिश कर मकान और पैसे हड़पने का आरोप लगाया है। अंबा थानाध्यक्ष राहुल राज ने बताया कि आवेदन मिला है। जांच की जा रही है। रामदेव पांडेय और सरिता देवी से संपर्क नहीं हो सका है। इसलिए उनका पक्ष नहीं लिया जा सका।

बीएसएससी परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर डीएम ने किया निरीक्षण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

रविवार को जिले में बिहार कर्मचारी चयन आयोग (बीएसएससी) द्वारा विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत कार्यालय परिचारी के पद हेतु प्रारंभिक प्रतियोगिता परीक्षा का आयोजन किया गया। परीक्षा के शांतिपूर्ण और व्यवस्थित संचालन के उद्देश्य से जिला पदाधिकारी श्रीकांत शास्त्री ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी ने परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था का गहनता से जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा कक्षों में बैठने की व्यवस्था, पेयजल, बिजली, शौचालय, सीसीटीवी कैमरा, परीक्षा सामग्री की उपलब्धता तथा प्रवेश और निकास की समुचित व्यवस्था की जांच की। उन्होंने केंद्रों पर मौजूद अधिकारियों से संवाद करते हुए यह सुनिश्चित करने को कहा कि परीक्षार्थियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए यह निर्देश दिया कि परीक्षा केंद्रों के चारों ओर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती हो तथा निगरानी पूरी तरह सख्त रखी जाए। जिला पदाधिकारी ने परीक्षा के सफल आयोजन हेतु परीक्षा केंद्रों पर मौजूद प्रशासनिक और पुलिस पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए और यह सुनिश्चित करने को कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

सड़क दुर्घटना में मौत मामले में अज्ञात चार पहिया वाहन के विरुद्ध प्राथमिकी

- रोहित कुमार (नाती) को औरंगाबाद सदर अस्पताल ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई।

निज संवाददाता | रफीगंज (औरंगाबाद)

दुर्घटना रफीगंज थाना क्षेत्र के चातर पेट्रोल पंप के पास शुक्रवार की सुबह घटित हुई, जहां अज्ञात चार पहिया वाहन की चपेट में आने से माँ-बेटे जैसे रिश्ते की दो जिंदगियां खत्म हो गईं। इस घटना ने न सिर्फ एक परिवार को गम में डुबो दिया, बल्कि इलाके में भी शोक की लहर दौड़ गई। घटना के संबंध में मृतकों के परिजन देव थाना क्षेत्र के बनिया गांव निवासी बिगन सिंह ने रफीगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार की सुबह उनकी छोटी बहू पिंकी कुमारी अपने पुत्र रोहित कुमार के साथ दवा लाने के लिए रफीगंज जा रही थी। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रही सफेद रंग की अज्ञात चार पहिया वाहन ने दोनों को टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में पिंकी कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल रोहित कुमार को इलाज के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल ले जाया गया। लेकिन रास्ते में ही उसने भी दम तोड़ दिया। इस हादसे ने परिवार को पूरी तरह से तोड़ दिया।

घटना की सूचना मिलते ही रफीगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस ने परिजनों के बयान के आधार पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ हिट एंड रन का मामला दर्ज कर लिया है। रफीगंज थानाध्यक्ष शंभू कुमार ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है और वाहन की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज व चश्मदीदों से पूछताछ की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे के बाद बनिया गांव सहित रफीगंज क्षेत्र में मातम पसरा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ित परिवार को मुआवजा देने एवं अज्ञात वाहन की शीघ्र पहचान कर कार्रवाई करने की मांग की है।

महिला संवाद कार्यक्रम : 619 ग्राम संगठनों में हो चुका है आयोजन

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

बिहार सरकार द्वारा महिला सशक्तिकरण की दिशा में चलाई जा रही महिला संवाद योजना के अंतर्गत रविवार को जिले के सभी 11 प्रखंडों के चयनित 30 ग्राम संगठनों में महिला संवाद कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। अब तक जिले के 619 ग्राम संगठनों में यह संवाद आयोजित हो चुका है। जिले में प्रतिदिन दो पालियों में कुल 15 महिला संवाद रथों का संचालन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम महिलाओं से सीधे संवाद स्थापित करने की राज्य सरकार की एक अनूठी पहल है, जिसके माध्यम से उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है और उनके अनुभव साझा करने का मंच प्रदान किया जा रहा है। कार्यक्रम में महिलाओं ने अपनी-अपनी बातों को खुलकर रखा। उन्होंने न केवल विभिन्न योजनाओं के माध्यम से मिले लाभों की जानकारी दी, बल्कि योजनाओं में और सुधार की आवश्यकता पर भी सुझाव दिए। इससे यह स्पष्ट होता है कि महिला संवाद महिलाओं की आकांक्षाओं और विकास की उम्मीदों का सशक्त मंच बन चुका है। कार्यक्रम के दौरान बसंती देवी, रेखा देवी, कांति देवी और सविता देवी जैसी लाभार्थी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने इन योजनाओं से जुड़कर अपने जीवन और परिवार की दिशा बदली है। वे अब गाँव की अन्य महिलाओं को भी प्रेरित कर रही हैं।

अब तक महिला संवाद ऐप पर कुल 13,332 अपेक्षाएँ दर्ज की जा चुकी हैं। राज्य के सभी जिलों में ग्राम संगठन स्तर पर यह कार्यक्रम सक्रिय रूप से चलाया जा रहा है। महिला संवाद रथ के माध्यम से कल्याणकारी योजनाओं पर आधारित फिल्में दिखाई जा रही हैं और लीफलेट वितरित किए जा रहे हैं ताकि जिन महिलाओं तक योजनाओं की जानकारी नहीं पहुँच पाई है, वे भी लाभान्वित हो सकें। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का महिलाओं के नाम संदेश भी सभी उपस्थित महिलाओं को सुनाया गया। पार्वती ग्राम संगठन, गनपत तेंदुआ, बारुण में आयोजित कार्यक्रम में औरंगाबाद के जिलाधिकारी श्रीकांत शास्त्री, जिला परियोजना प्रबंधक पवन कुमार (जीविका), प्रबंधक सामाजिक विकास सुरेश चौधरी, प्रखंड परियोजना प्रबंधक अखिलेश कुमार, क्षेत्रीय समन्वयक अमित कुमार, सामुदायिक समन्वयक प्रतिमा कुमारी सहित बड़ी संख्या में महिलाएं शामिल हुईं। जिलाधिकारी ने उपस्थित महिलाओं को विभिन्न योजनाओं जैसे मुख्यमंत्री महिला उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री बालिका साइकिल योजना, छात्रवृत्ति योजना और बालिका पोशाक योजना की विस्तृत जानकारी दी और उन्हें इनसे लाभान्वित होने के लिए प्रेरित किया।

हाई टेंशन तार की चपेट में आने से महिला की मौत, ग्रामीणों में बिजली विभाग के खिलाफ आक्रोश, मुआवजे की मांग

निज संवाददाता | गोह (औरंगाबाद)

गोह थाना क्षेत्र के असेयास गांव में रविवार को दिल दहला देने वाली घटना घटी, जहां हाई टेंशन तार की चपेट में आने से एक महिला की दर्दनाक मौत हो गई। मृतका की पहचान आरती कुंवर (40) के रूप में हुई है, जो सुबह घर की सफाई के बाद कूड़ा फेंकने खेत की ओर गई थीं। इसी दौरान एक टूटा हुआ बिजली का तार उनकी नजर से बच गया और वे उसकी चपेट में आ गईं। मौके पर ही महिला बुरी तरह झुलस गईं।

घटना के तुरंत बाद ग्रामीण दौड़े और बांस के सहारे करंट लगे तार को हटाया, फिर झुलसी महिला को गोह सामुदायिक अस्पताल ले जाया गया। हालांकि डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही गोह थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। परिजनों ने बताया कि आरती के पति कृष्ण यादव की मौत 2007 में ही हो चुकी थी। वह पांच बच्चों (दो बेटे और तीन बेटियां) की जिम्मेदारी अकेले संभाल रही थीं। अभी तक किसी की शादी नहीं हुई थी। अब बच्चों के सिर से मां-बाप दोनों का साया उठ गया है।

घटना के बाद गांव में आक्रोश का माहौल है। ग्रामीणों ने बिजली विभाग पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाते हुए आश्रितों को मुआवजा देने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि गोह प्रखंड में पहले भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं। एक साल पहले भी टूटी लाइन की चपेट में आकर एक युवक की मौत हुई थी, तब भी विभाग से तार और पोल की मरम्मत की मांग की गई थी। मगर अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

राज भवन
पटना–800022
RAJ BHAVAN
PATNA 800022

संदेश

बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर मैं बिहारवासियों एवं देशवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएँ देता हूँ।

भगवान बुद्ध का संदेश हमें सत्य, अहिंसा, प्रेम, करूणा और शांति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है तथा उनके द्वारा निर्दिष्ट अष्टांगिक मार्ग जीवन को सही और सार्थक दिशा प्रदान करता है। आज विश्व समुदाय जिन अनेकानेक समस्याओं और चुनौतियों का सामना कर रहा है, उनका समाधान भगवान बुद्ध के दर्शन एवं उपदेशों में निहित है।

आइए, हम सब भगवान बुद्ध के संदेशों और शिक्षाओं को अपने जीवन में आत्मसात कर शांतिपूर्ण, समतामूलक और समावेशी समाज के निर्माण में अहम योगदान देने का संकल्प लें।

(आरिफ मोहम्मद खां)

PR No.-002754 (Governor Secretariat)D. 2025-26

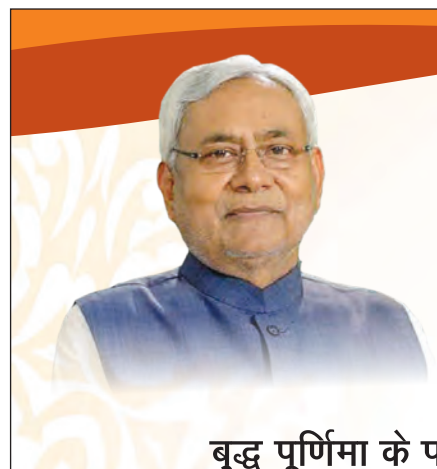

बिहार सरकार

संदेश

मुख्यमंत्री
बिहार

बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर मैं प्रदेश एवं देशवासियों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनायें देता हूँ।

भगवान बुद्ध का जीवन हर किसी के लिए प्रेरणादायी है। इनके जीवन–दर्शन से हमें प्रेम, शांति, सद्भाव, त्याग, अहिंसा एवं संयम जैसे गुणों को अपनाने की प्रेरणा मिलती है। उनका जीवन हम सभी के लिए आदर्श है। भगवान बुद्ध के बताये हुए अष्टांगिक मार्ग पर चलकर मनुष्य सम्यक और संतुलित जीवन–यापन करने में सक्षम हो सकता है।

मेरी मंगल कामना है कि भगवान बुद्ध की शिक्षा को आत्मसात कर हम आपसी प्रेम एवं सद्भाव की भावना को और मजबूत करें।

(नीतीश कुमार)

PR No.- 002803 (I & PRD)D. 2025-26